शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, गुरुवार 31 जुलाई 2025 • श्रावण शुक्ल पक्ष 07, संवत 2082 • रांची एवं पटना से प्रकाशित • वर्ष : 3, अंक : 114 • मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.5	23.0
डालटनगंज	32.4	25.1
धनबाद	31.4	25.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

पैसिफिक रिंग ऑफ फायर
12 देशों में तबाही और खौफ का मंजर

रूस में 8.8 तीव्रता के भूकंप से हिली दुनिया, सुनामी अलर्ट

शुभम संदेश डेस्क

रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पास बुधवार को आए 8.8 तीव्रता के भूकंप ने प्रशांत महासागर में हलचल मचा दी है. इस भूकंप की ताकत इतनी थी कि इसे हिरोशिमा जैसे 9,000 से 14,000 परमाणु बमों के विस्फोट के बराबर बताया गया. इसने 12 देशों में सुनामी का खतरा पैदा कर दिया है, जिससे तटीय इलाकों में तबाही और खौफ का माहौल है. यह समंदर जिसे पैसिफिक रिंग ऑफ फायर कहते हैं, भूकंप और सुनामी का एक खतरनाक घेरा है. आइए, समझें कि प्रशांत महासागर और ओखोत्सक सागर क्या हैं? यह रिंग ऑफ फायर क्या है? इसने किन देशों को प्रभावित किया? यह इतना खतरनाक क्यों है?

प्रशांत महासागर और ओखोत्सक सागर: प्रशांत महासागर दुनिया का सबसे बड़ा और गहरा महासागर है, जो 165.25 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैला है. इसकी औसत गहराई 4,280 मीटर है. यह एशिया और ऑस्ट्रेलिया को पश्चिम में और उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका को पूर्व में जोड़ता है. इस महासागर में कई मार्जिनल सीज़ (उप-सागर) हैं, जिनमें से एक है ओखोत्सक सागर. ओखोट्स्क सागर प्रशांत महासागर का एक उत्तर-पश्चिमी हिस्सा है, जो रूस के कामचटका प्रायद्वीप, कुरील द्वीप, जापान के होक्काइडो द्वीप, सखालिन द्वीप और पूर्वी साइबेरियाई तट से घिरा है. यह 1.58 मिलियन वर्ग किमी में फैला है, जिसकी औसत गहराई 859 मीटर और अधिकतम गहराई 3,372 मीटर है.

पैसिफिक रिंग ऑफ फायर क्या है

पैसिफिक रिंग ऑफ फायर प्रशांत महासागर के चारों ओर एक घेरा है, जहां पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेट्स (धरती की सतह की विशाल चट्टानें) आपस में टकराती हैं. यह घेरा चिली से शुरू होकर दक्षिण अमेरिका, मध्य अमेरिका, मेक्सिको, अमेरिका के पश्चिमी तट, अलास्का, जापान, फिलीपींस, न्यू गिनी और न्यूजीलैंड तक फैला है. दुनिया के 90% भूकंप इसी इलाके में आते हैं. ओखोत्सक सागर इस रिंग का एक हिस्सा है, जो कामचटका और कुरील द्वीपों के पास भूकंपीय रूप से बहुत सक्रिय है. जब इन टेक्टोनिक प्लेट्स में टकराव या हलचल होती है, तो समुद्र का तल हिल जाता है, जिससे सुनामी की लहरें पैदा होती हैं. 30 जुलाई 2025 का कामचटका भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर का हिस्सा था, जिसने प्रशांत महासागर और ओखोत्सक सागर में सुनामी का खतरा पैदा किया.

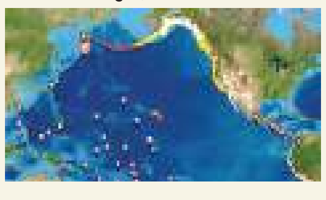

किन देशों और शहरों में सुनामी का खतरा

सुनामी की लहरें प्रशांत महासागर और ओखोत्सक सागर के तटीय इलाकों तक पहुंच रही हैं. नीचे प्रभावित देशों और उनके प्रमुख शहरों की स्थिति का विवरण है... रूस (कुरील द्वीप, पेट्रोपावलोव्स्क-कामचट्स्की), जापान (होक्काइडो, तोहोकु, फुकुशिमा), हवाई (होनोलूलू, हिलो, काउई, ओआहु), कैलिफोर्निया (क्रेसेंट सिटी, सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजिल्स), अलास्का (एल्यूशियन द्वीप, अमचित्का, कोडिएक), सोलोमन द्वीप, चिली, इक्वाडोर, पेरू, फिलीपींस, गुआम और नॉर्दर्न मारियाना द्वीप और न्यूजीलैंड.

कामचटका भूकंप और सुनामी का खतरा : बुधवार को सुबह 8:25 बजे (कामचटका समय, यानी 4:55 एएम आईएसटी), रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट से 126 किमी दूर ओखोत्सक सागर में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया. इसकी गहराई सिर्फ 19.3 किमी थी, जिसकी वजह से समुद्र का तल हिल गया और सुनामी की लहरें पैदा हुईं. प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि 1-3 मीटर ऊंची लहरें हवाई, जापान, सोलोमन द्वीप और चिली तक पहुंच सकती हैं, जबकि रूस और इक्वाडोर में 3 मीटर से ज्यादा ऊंची लहरें संभव हैं. यह भूकंप इतना शक्तिशाली था कि इसने रूस, जापान, हवाई, कैलिफोर्निया, अलास्का, सोलोमन द्वीप, चिली, इक्वाडोर, पेरू, फिलीपींस, गुआम और न्यूजीलैंड जैसे 12 देशों में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी. इन देशों के तटीय इलाकों में लाखों लोग खतरे में हैं. कई जगहों पर निकासी शुरू हो चुकी है. -शेष पेज 11 पर

ब्रीफ न्यूज

मुस्लिम बन कर धमकी देने वाला निकला हिंदू

लंदन। लंदन से एक भारतीय ने इजीजेट की उड़ान के दौरान हंगामा खड़ा कर दिया, जिससे फ्लाइट की स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आपात लैंडिंग करानी पड़ी. अभय देवदास नायक नाम के शख्स ने फ्लाई में अल्लाहु अकबर के नारे लगाये और फ्लाइट को बम से उडाने की धमकी दी. घटना दो दिन पहले की है. प्लेन लंदन के ल्यूटन एयरपोर्ट से ग्लासगो के लिए चला था. इस दौरान, अभय देवदास नायक ने अचानक जोर-जोर से नारेबाज़ी शुरू कर दी. उसने बम की धमकी दी. उस व्यक्ति ने महिला के साथ भी धक्का-मुक्की की. उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

गाड़ी पर गिरी चट्टान, दो सैन्य अफसर शहीद

गलवान। लद्दाख की गलवान घाटी में दुरबुक से चोंगताश की ओर जा रहा एक सैन्य वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया. घटना में सेना के दो अधिकारी शहीद हो गए, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं. घायलों को एयरलिफ्ट कर सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने एक्स पर लिखा- जीओसी,लेफ्टिनेंट कर्नल भानु प्रताप सिंह और लांस दफादार दलजीत सिंह को सलाम करते हैं, जिन्होंने बुधवार को लद्दाख में कर्तव्य निभाते हुए बलिदान दिया. दुख की घड़ी में उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं.

सुकमा में मारा गया 5 लाख का इनामी नक्सली

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्रांतर्गत गोगुंडा-डोंगिनपारा में हुई मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की शिनाख्त पांच लाख के इनामी केरलापाल एसीएम कैडर के रूप में हुई है. एसपी किरण चव्हाण ने बुधवार को बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई. मुठभेड़ स्थल का सर्च करने पर एक पुरुष वर्दीधारी नक्सली का शव हथियार सहित बरामद हुआ. नक्सली की पहचान पांच लाख का इनामी कोटला गंगा उर्फ मुचाकी गंगा निवासी गोगुंडा सुकमा, एरिया कमेटी मेंबर के रूप में हुई है.

प्रसंग : ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिन की बहस

संसद में लफ्फाजी के बीच आक्रामक शब्दों की आमद

आनंद सिंह

सोशल मीडिया पर इन दिनों दो-तीन आक्रामक शब्द खूब लिखे जा रहे हैं.

ये हैं- धो दिया. गर्दा उड़ा दिया. परखच्चे उड़ा दिए. इसी तरह के बड़े जुझारू शब्द लिखे जा रहे हैं. प्रसंग है संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस. ये सारे जुझारू टाइप के शब्द प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के बाद सोशल मीडिया पर अवतरित हुए हैं. प्रधानमंत्री मोदी के टारगेट पर सदैव से कांग्रेस रही है. इस बार भी कांग्रेस ही रही. प्रियंका गांधी ने ठीक ही कहा कि अरे आपको तो एक बहाना चाहिए नेहरू खानदान का नाम गिनाने का ! जब मौका मिलता है, आप नेहरू जी से लेकर हम लोगों का नाम लगते हो गिनाने.

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर 'ताबड़तोड़ हमले' किये और पानी पी-पी कर कोसा. मोदी ने अपने भाषण में कहाः अगर सन 1971 में तत्कालीन नेतृत्व यानी इंदिरा गांधी के पास विजन होता तो पाक अधिकृत कश्मीर हमारा होता. उनके इस बयान पर संसद में जबरदस्त हंगामा हुआ. कांग्रेसियों ने संसद के अंदर और बाहर कहा कि 2025 में ऑपरेशन सिंदूर में उन्हें यानी प्रधानमंत्री मोदी को मौका मिला, तो उन्होंने इसे क्यों गंवा दिया? क्यों नहीं सेना को आदेश दिया और पीओके पर कब्जा कर लिया?

संसद में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लगातार दो दिन चर्चा हुई. यह चर्चा ऑपरेशन सिंदूर पर कम, कांग्रेस और भाजपा के ज्यादा केंद्र में आकर खड़ी हो गई है. भाजपा वाले कांग्रेस पर हमला करते-करते एकाध बार ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर देते हैं. ऐसे ही कांग्रेस वाले भाजपा पर हमला करते-करते एकाध बार ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर देते हैं. दोनों ही पार्टियों ने ऑपरेशन सिंदूर की आड़ में एक-दूसरे पर जितने हमले करने थे, किये. देश को क्या मिला? देश को जो जवाब चाहिए था, वह तो मिला ही नहीं. देश के सामने यह सवाल था कि उसके कितने लड़ाकू विमान मार गिराए गये, हमने पाकिस्तान के कितने लड़ाकू विमान मार गिराये और भारत-पाक के कितने सैनिकों ने अपनी जान कुर्बान की? लेकिन, इस सवाल पर तो कोई चर्चा हुई ही नहीं. आपको कोई जवाब मिला हो, तो मुझे भी बताइएगा.

आपको याद होगा, इस चर्चा की शुरुआत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की थी. उन्होंने एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया. उन्होंने एक बार भी हमारे लड़ाकू जहाजों के बारे में मुंह तक नहीं खोला. घंटा भर के भाषण में वह सरकार का ही, खास कर प्रधानमंत्री मोदी का ही गुणगान करते नजर आए. गोया अगर गुणगान नहीं करेंगे तो कहीं रक्षामंत्री की कुर्सी हाथ से न चली जाए. उन्होंने एक बार भी यह सच देश को बताने का प्रयास नहीं किया कि हमारे लड़ाकू जहाज गिराए गये या नहीं या फिर चीन की इसमें भूमिका क्या रही, जबकि पूरी दुनिया जानती है कि चीन और तुर्किए ही दो ऐसे देश थे, जिन्होंने ताल ठोक कर भारत के खिलाफ पाकिस्तान को हर तरह की सहायता दी. तुर्किए ने अपना समुद्री जंगी जहाज और ड्रोन आदि पाकिस्तान को दिया था और चीन ने तो आर्टिलरी से लेकर एचक्यू 9 और एचक्यू 15 (बैलेस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली) दिया था. इसके अलावा अपने घातक मिसाइल भी दिये थे. इन सभी पर राजनाथ सिंह ने एक शब्द भी नहीं बोला.

उन्हें प्रियंका गांधी और बाद में राहुल गांधी ने घेरा. दोनों ने ही चुभते हुए सवाल खड़े किये. राहुल गांधी ने नेता विपक्ष होते हुए हिंदी में कम, अंग्रेजी में ही अपना भाषण रखा, सवाल पूछे और उनकी बॉडी लैंग्वेज से लगा कि वह सरकार को हिलाने के मूड में हैं. उन्होंने सीधे-सीधे कहा कि मोदी, सेना की आड़ में अपनी छवि चमका रहे हैं. उनमें इतना आत्मबल नहीं कि ट्रंप के 29 बार के दावे में एक बार सिर्फ कह दें कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं. राजनीतिक इच्छाशक्ति मोदी में है ही नहीं. सेना का हाथ आपने बांध दिया. चीन ने पाकिस्तान की मदद की. लेकिन इसका जिक्र न तो रक्षामंत्री ने अपने भाषण में किया, न ही मोदी ने. दरअसल, संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जो बहस चली, और आज जिस बहस में विदेश मंत्री भी शामिल हुए, वह कोई मैसेज कम्युनिकेट कर पाने में अभी तक विफल रही है. यह बहस कम, लफ्फाजी ज्यादा है, जिसमें वर्तमान का कम, पचास साल पुराने इतिहास का ज्यादा जिक्र देखा जा रहा है. बड़ा सवाल यह है कि जब अमेरिका का राष्ट्रपति यह कहता है कि उसने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध को रुकवाया और उसका हथियार बना बिजनेस डील, तो हमारी प्रतिक्रिया क्या रही? अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी कहते हैं कि उन्होंने मोदी को फोन किया और युद्ध रुकवाया. अब मोदी ने डायलॉग मारा है कि दुनिया के किसी भी देश ने युद्ध रोकने को नहीं कहा. -शेष पेज 11 पर

सोशल मीडिया में क्या चल रहा है...

सोशल मीडिया पर इस बहस को लोग जनता को उल्लू बनाने का उपक्रम बता रहे हैं. फेसबुक पर अनिल जैन नामक एक सज्जन ने वीडियो अपलोड किया है, जिसमें मोदी भाषण दे रहे हैं और सत्ता पक्ष के लोग सो रहे हैं. इस पर शानदार कमेंट्स भी आए हैं. एक ने लिखा : फेंकू को सुनकर अब नहीं झेलना होता. थोड़ा आराम ही कर लिया जाए. दूसरे ने इस पर टिप्पणी की : बकवास सुनकर नींद आना अच्छी सेहत की पहचान है. तीसरे यूजर ने लिखा : सबको पता है कि सूरज डूब रहा है. एक और सज्जन ने लिखा : उनको भी पता है कि ये नेहरू जी को याद करेंगे, बाकी तो कुछ करेंगे नबीं. जब जवाब नबीं देते बनेगा तो पानी पीयेंगे. एक सज्जन ने लिखा है–सुनते सुनते भाव विभोर हो गए भगत लोग....

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का रांची आगमन आज

सीएम करेंगे आगवानी व वित्त मंत्री करेंगे विदा

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को बिरसा एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की आगवानी करेंगे. वहीं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर राष्ट्रपति को विदा करेंगे. राष्ट्रपति के दो दिवसीय झारखंड दौरे का शिड्युल फाइनल हो गया है. राष्ट्रपति भवन ने सरकार को कार्यक्रम का मिनट टू मिनट भेज दिया है. तय कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति गुरुवार को कोलकाता से दिन के 12.30 बजे देवघर आएंगी. वहां एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद शाम 5.20 बजे रांची पहुंचेंगी. राजभवन में रात्रि विश्राम करने के बाद अगले दिन एक अगस्त को सुबह 10 बजे रांची एयरपोर्ट से दुर्गापुर के लिए रवाना होंगी. दुर्गापुर से हेलीकॉप्टर से वह 11.40 बजे धनबाद पहुंचेंगी. धनबाद में आईआईटी (आईएसएम) के दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद 3.10 बजे हेलीकॉप्टर से दुर्गापुर चली जाएंगी.

प्रशासन मुस्तैदः इधर सरकार और जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति के आगमन को लेकर अपनी तैयारियां पूरी कर ली है. राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रांची एयरपोर्ट से राजभवन तक, मुख्य मार्ग पर बैरेकेटिंग की गयी है. राजधानी में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर गुरुवार की शाम 4 बजे से 7 बजे तक यातायात का दबाव कम करने का निर्णय लिया गया है. इसके लिए लोगों से भी इस मार्ग पर कम चलने का आग्रह किया गया है. एक अगस्त की सुबह आठ बजे से 10 बजे तक इस मार्ग पर फिर आवागमन को रोका जाएगा.

कई क्षेत्रों में नो फ्लाई जोन

राष्ट्रपति के रांची आगमन को लेकर तैयारियां जोर–शोर से चल रही है. वहीं उनकी सुरक्षा को लेकर भी कड़े इंतजाम किये जा रहे हैं. इसी बीच सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने विशेष तैयारी की है. और बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लेकर हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक और राजभवन तक के 200 मीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है. प्रशासन के द्वारा जारी ये आदेश ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसी उड़ने वाली गतिविधियों पर लागू किया गया है. मतलब अब इस क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति या संस्था इन सब गतिविधियों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे.

घुसपैठ की कोशिश नाकाम पुंछ में दो आतंकवादी ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दी है. दो आतंकियों को मार गिराने में सफलता हासिल की है. कश्मीर में पुछ में बॉर्डर पर सीमापार से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया गया. बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया. अभी परेशन जारी है. बता दें कि पुंछ में एलएसी पर स्थित दिगवार सैक्टर में आतंकियों ने घुसने की कोशिश की. अलर्ट सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गोलीबारी की. आतंकियों ने भी फायरिंग की. व्हाइटनाइट कॉर्प्स के अनुसार, ऑपरेशन शिवशक्ति के घुसपैठ को कोशिश को नाकाम किया गया है. भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने एलएसी पर दो आतंकियों को मार गिराया.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा ऐलान

भारत पर 25% टैरिफ लगेगा

एजेंसियां। वाशिंगटन

अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील को लेकर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एकतरफा बड़ा ऐलान कर दिया है. जानकारी के मुताबिक भारत पर अमेरिका ने 25 फीसदी टैरिफ लगाया है. अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इसका ऐलान सोशल मीडिया पर किया है. ट्रंप ने बताया कि 1 अगस्त से भारत पर ये लागू होगा. दरअसल, ट्रेड डील को लेकर भारत- अमेरिका के बीच लंबे समय से वार्ता चल रही थी. अब खुद ट्रंप ने यह जानकारी दी है.

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या-क्या कहाः ट्रंप का कहना है कि भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने भारत के साथ पिछले कई वर्षों में कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत अधिक हैं, दुनिया में सबसे अधिक हैं. जो कि अमेरिका को व्यापार बढ़ाने में रोकता है. ट्रंप की मानें तो भारत लगातार सैन्य उपकरण रूस से खरीदते आया है, जो कि सही नहीं है. हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन पर हमला रोके, लेकिन भारत रूस से व्यापार को बढ़ा रहा है, जो कि सही नहीं है. इसलिए इन सभी मामलों को देखते हुए अमेरिका ने भारत पर 25% टैरिफ लगाने का फैसला किया है, और ये 1 अगस्त से लागू हो जाएगा. बता दें कि अमेरिका को भारत का एक्सपोर्ट 22.8% बढ़कर 25.51 अरब डॉलर हो गया है, जबकि आयात 11.68% बढ़कर 12.86 अरब डॉलर हो गया.

बड़ी उपलब्धि: इसरो-नासा ने की निसार की सफल लॉन्चिंग, कोने-कोने से डाटा जुटाएंगे वैज्ञानिक

अब कामचटका जैसे भूकंप-सुनामी से पहले बजेगा खतरे का सायरन

शुभम संदेश डेस्क

गुरुवार 30 जुलाई का दिन भारत और दुनिया के लिए ऐतिहासिक दिन बन गया, जब निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपेरीच्योर रडार) सैटेलाइट को आंध्र के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5:40 बजे सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया. इसरो-नासा की इस साझेदारी ने एक ऐसा सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा में भेजा, जो भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी, और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पहले से चेतावनी देगा.

इसे पृथ्वी का एमआरआई स्कैनर कहा जा रहा, क्योंकि यह धरती की सतह की इतनी बारीक तस्वीरें ले सकता है कि सेंटीमीटर के बदलाव भी पकड़ लेता है. बता दें कि 30 जुलाई को ही रूस के कामचटका द्वीप के पास ओखोट्स्क सागर में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने 12 देशों में सुनामी का खतरा पैदा किया. ऐसी आपदाओं की पहले से खबर मिलना जरूरी है. यही काम निसार करेगा. यह सैटेलाइट भूकंप से पहले जमीन की हलचल को पकड़ सकता है. सुनामी का अनुमान लगा सकता है. इसका डेटा आपदा प्रबंधन को सटीक बनाएगा, जिससे जान-माल का नुकसान कम हो सकेगा.

भारत के लिए निसार क्यों जरूरी: भारत में हिमालयी क्षेत्रों में भूकंप, असम-केरल में बाढ़ और उत्तराखंड में भूस्खलन जैसी आपदाएं आम हैं. निसार इनका पता लगाकर जान-माल बचाने में मदद करेगा. साथ ही...

- **कृषिः** फसलों और मिट्टी की नमी की जानकारी से किसानों को फायदा होगा.
- **जल प्रबंधनः** भूजल और नदियों के स्तर को मापकर पानी की कमी से निपटा जा सकेगा.
- **तटीय सुरक्षाः** तटीय कटाव और समुद्री बर्फ को ट्रैक करके समुद्री पर्यावरण बचेगा.

लॉन्च की कहानीः निसार को इसरो के जीएसएलवी-एफ 16 लॉन्च किया गया. इस बार जीएसएलवी सूर्य - समकालिक कक्षा में सेटेलाइट भेजा. सेटेलाइट का वजन 2,392-2800 किलो है. यह एसयूवी जितना बड़ा है. लॉन्च को इसरो के यूट्यूब चैनल पर लाखों लोगों ने देखा. इससे पहले यह मिशन मार्च 2024 में लॉन्च होने वाला था, लेकिन एंटीना के गर्म होने की समस्या के कारण इसे टाल दिया गया. नासा ने इसे ठीक कर दिया. अब यह मिशन पूरी तरह सफल है.

निसार कैसे देगा भूकंप-सुनामी की चेतावनी?

निसार प्राकृतिक आपदाओं की पहले से खबर देने में माहिर है...

- **भूकंप :** यह फॉल्ट लाइनों (धरती की दरारें) में होने वाली छोटी हलचल को पकड़ लेता है. इससे भूकंप की संभावना का अनुमान लगाया जा सकता है.
- **सुनामी :** भूकंप के बाद समुद्र की हलचल और तटीय बाढ़ को मॉनिटर करके यह सुनामी की चेतावनी देगा.
- **ज्वालामुखी :** ज्वालामुखी के नीचे की गतिविधि या जमीन की सूजन को देखकर यह विस्फोट की खबर दे सकता है.
- **भूस्खलन और बाढ़ :** पहाड़ों में मिट्टी की हलचल या नदियों के जलस्तर को मापकर यह भूस्खलन और बाढ़ का अलर्ट देगा.

झारखंड की शमा परवीन को एटीएस ने बेंगलुरु से किया गिरफ्तार, अलकायदा से जुड़े दस्तावेज जब्त

शुभम संदेश। रांची

आतंकी संगठनों से संबंध के मामले में झारखंड की एक और युवती की गिरफ्तारी ने सुरक्षा एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया है. कोडरमा जिले के तिलैया की रहने वाली 30 वर्षीय शमा परवीन को बेंगलुरु में गुजरात एटीएस ने गिरफ्तार किया है.

शमा पर आरोप है कि वह अलकायदा से जुड़ी थी और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए युवाओं को कट्टरपंथ की ओर उकसा रही थी. गुजरात एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी के अनुसार, शमा परवीन पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से सीधे संपर्क में थी और ऑनलाइन टेरर मॉड्यूल्स के जरिए भारत में शरिया कानून लागू करने की साजिश रच रही थी. उसका सोशल मीडिया अकाउंट लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में था. शमा की गिरफ्तारी उन सुरागों के आधार पर हुई, जो हाल ही में गिरफ्तार किए गए चार संदिग्ध आतंकियों, मोहम्मद फरदीन, सैफुल्लाह कुरैशी, जीशान अली और मोहम्मद फैक से पूछताछ में सामने आए थे. फिलहाल शमा परवीन को ट्रांजिट रिमांड पर गुजरात लाया गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है. जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि वह आतंकी नेटवर्क से जुड़ी कई अहम जानकारियां दे सकती है.

लोकतंत्र खत्म करने की थी साजिश

एटीएस का दावा है कि यह मॉड्यूल भारत में शरिया कानून लागू करने की साजिश रच रहा था. सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भड़काया जा रहा था. एजेंसियों के मुताबिक, शमा परवीन काफी हद तक कट्टरपंथी बन चुकी थी और उसका सोशल मीडिया अकाउंट लंबे समय से निगरानी में था. सुरक्षा एजेंसियों को उम्मीद है कि उससे आतंकियों के नेटवर्क के बारे में और अहम जानकारियां मिलेंगी.

डीटीओ : एडीएम रैंक में रहने के कारण कुछ की सेवा वापस ली गयी, तो कुछ को डीटीओ बने रहने दिया गया

शुभम संदेश। रांची

एडीएम रैंक में प्रोन्नत अधिकारियों के संबंध में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने परिवहन विभाग को निर्देश देते हुए कुछ डीटीओ की सेवा वापस ले ली है, जबकि इसी रैंक के कुछ अन्य अधिकारियों को डीटीओ पद पर बने रहने की अनुमति दी गई है. एडीएम रैंक में प्रमोशन पाने वाले संजय पीएम कुजूर (डीटीओ पाकुड़), सुरेंद्र कुमार (लातेहार), इंदर कुमार (चतरा), मनोज कुमार (जामताड़ा) और वंदना सेजवलकर (बोकारो) की सेवा डीटीओ पद से हटा दी गई है, क्योंकि यह पद अनुमंडल पदाधिकारी स्तर का माना जाता है. हालांकि, एडीएम रैंक के बावजूद ज्ञान शंकर जायसवाल की डीटीओ गुमला के पद पर तैनाती की गई है. इसके अलावा एडीएम रैंक के अधिकारी धनंजय कुमार (जमशेदपुर), अखिलेश कुमार (रांची), बैद्यनाथ कामत (हजारीबाग) और धीरज प्रकाश (गढ़वा) को उनके पद पर यथावत रखा गया है. बुधवार को परिवहन विभाग ने नई अधिसूचना जारी करते हुए दर्जन भर डीटीओ की पोस्टिंग की है, जिसमें दो अधिकारियों – जयप्रकाश करमाली (दुमका) और मनीषा वत्स (रामगढ़) की सेवा कार्मिक विभाग को वापस की गई है.

नए पदस्थापित डीटीओ इस प्रकार हैं

- मृत्युंजय कुमार – डीटीओ दुमका
- जया शंखी मुर्मू – डीटीओ लोहरदगा
- ज्ञान शंकर जायसवाल – डीटीओ गुमला
- प्रवीण चौधरी – डीटीओ जामताड़ा
- गौतम कुमार – डीटीओ चाईबासा
- संतोष कुमार – डीटीओ गिरिडीह
- माहेश्वरी प्र. यादव – डीटीओ चतरा
- हरिशंकर बारीक – डीटीओ खूंटी
- उमेश मंडल – डीटीओ लातेहार
- मारुति मिंज – डीटीओ बोकारो
- शैलेश कु. प्रियदर्शी – डीटीओ देवघर
- थिलेश कुमार चौधरी – डीटीओ साहेबगंज (अतिरिक्त प्रभार – पाकुड़)

कांग्रेस ने भाजपा को भेजा 'बरनोल का डब्बा', कहा- जलन से मुक्ति के लिए लगाइए

भाजपा के नौ सांसद होने के बावजूद ध्यान सिर्फ बयानबाजी पर ही : राकेश सिन्हा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि भाजपा राज्य में अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए सिर्फ बयानबाजी कर रही है. बुधवार को रांची के कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए सिन्हा ने भाजपा नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा को इस राज्य में अब तक मंडल अध्यक्ष तक नहीं मिल पाया, जबकि 27 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति हो चुकी है.

सिन्हा ने भाजपा द्वारा महागठबंधन सरकार के विकास कार्यों पर लगातार सवाल उठाने को लेकर कहा कि जब राज्य में भाजपा की सरकार थी, तब सीएनटी/एसपीटी एक्ट में बदलाव का प्रस्ताव लाकर आदिवासियों की भावनाओं को आहत किया गया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब कांग्रेस ने सरना धर्मकोड को विधानसभा से पारित कर केंद्र को भेजा, तो भाजपा के सांसद इस पर कोई सवाल तक नहीं उठा पाए कि क्यों यह अभी तक लागू नहीं हुआ.

सिन्हा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के विकास के मुद्दे पर भाजपा खामोश है और इसके बावजूद राज्य से भाजपा के नौ सांसद होने के बावजूद भाजपा का ध्यान सिर्फ बयानबाजी पर है. उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी पार्टी में समन्वय स्थापित करने में नाकाम रही है और वही हमारी समन्वय की बात कर रही है, जबकि हमारे समन्वय का परिणाम यह है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को हमारी सीटों से भी कम सीटें मिलीं. सिन्हा ने भाजपा को सलाह दी कि वह अपनी जलन को शांत करने के लिए 'बरनोल' का इस्तेमाल करें, ताकि वह विपक्ष के रूप में सकारात्मक भूमिका निभाने के बजाय राज्य के विकास में अपना योगदान दे सके.

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर इधर- उधर हुए

खास बातें

- 12 अफसरों की सेवा ग्रामीण विकास विभाग को
- 14 अफसरों की सेवा राजस्व विभाग को
- 08 अफसरों की सेवा खाद्य आपूर्ति विभाग में
- 08 आठ अफसरों की सेवा कार्मिक विभाग को

शुभम संदेश। रांची

राज्य सरकार ने मंगलवार को राज्य प्रशासनिक सेवा के 51 अफसरों को इधर से उधर किया है. राज्य सरकार ने 12 अफसरों की सेवा ग्रामीण विकास विभाग, 14 अफसरों की सेवा राजस्व विभाग, आठ अफसरों की सेवा खाद्य आपूर्ति विभाग और आठ अफसरों की सेवा कार्मिक विभाग में सौंप दी है. कार्मिक ने मंगलवार की देर शाम इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया.

ग्रामीण विकास विभाग को सौंपी गयी सेवा

कमलेश दास, अनिल मिंज, रीना कुजूर, अमर कुमार, पवन कुमार, अनुरंजन झा, ओम प्रियदर्शी गुप्ता, मनोज कुमार रवि, अनंत झा, अंबिका कुमारी, अंजली मेहता, विपिनचंद्र विश्वास."

जिनकी सेवा राजस्व विभाग को सौंपी

नवीन कुल्लू, प्रवीण कुमार, विनोद राम, अमन कुमार, रितिक कुमार, क्रिस्टीना इंदवार, शैलेंद्र चौरसिया, अन्वेष ओना, अमीर हामजा, विक्रम आनंद, खाखा सुशील कुमार, खगेश कुमार, सेवा राम साहू, अभय दिवेदी।

जिनकी सेवा खाद्य आपूर्ति विभाग को दी गयी

मनीष कुमार, मो. क्यूम अंसारी, देवानंद राम, जुल्फकार अंसारी, पुष्कर सिंह मुंडा, मुरली यादव, पंकज कुमार, नीतू सिंह.

कार्मिक विभाग को जिनकी सेवा सौंपी गयी

संजय कुजूर, सुरेंद्र कुमार, इंदर कुमार, मनोज कुमार, राजेश एक्का, बंदना सेजवलकर, सुधीर प्रकाश और राकेश गोप.

झारखंड के 360 स्कूलों को प्लस टू में अपग्रेड करने की योजना

मंत्री रामदास सोरेन ने केंद्र से मांगे 3600 करोड़

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य के 360 हाई स्कूलों को प्लस टू स्तर (इंटरमीडिएट) में अपग्रेड करने के लिए केंद्र सरकार से 3600 करोड़ रुपये की सहायता मांगी है. इस संबंध में राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को प्रस्ताव सौंपा है. प्रस्ताव के अनुसार, राज्य के प्रत्येक जिले में 15 हाई स्कूलों को प्लस टू स्कूल में बदला जाएगा. हर स्कूल के अपग्रेडेशन पर औसतन 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे लैब, पुस्तकालय, शौचालय और अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण किया जा सकेगा.

इंटर की पढ़ाई पर पड़ा असर: शिक्षा मंत्री ने बताया कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद राज्य के डिग्री कॉलेजों और अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद कर दी गई है, जिससे छात्रों को परेशानी हो रही है. वर्तमान में झारखंड में हर साल करीब पांच लाख छात्र मैट्रिक पास करते हैं, ऐसे में प्लस टू स्कूलों की संख्या बढ़ाना जरूरी हो गया है.

केंद्र सरकार से मांगी गई अन्य वित्तीय सहायता

राज्य में स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिए कुल 4440 करोड़ रुपये की मांग की गई है. इसमें अन्य मदों में सहायता के लिए निम्नलिखित अनुरोध शामिल हैं:

आईसीटी लैब:

- 160 स्कूलों में आईसीटी लैब के लिए 10.24 करोड़ रुपये
- 7488 मध्य विद्यालयों के लिए 479.23 करोड़ रुपये

स्मार्ट क्लास:

- 584 हाई और प्लस टू स्कूलों में स्मार्ट क्लास की स्थापना के लिए 14 करोड़ रुपये

व्यावसायिक शिक्षा:

- 1794 स्कूलों में कौशल आधारित शिक्षा शुरू करने के लिए 336.37 करोड़ रुपये

अन्य बुनियादी सुविधाएं:

- विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और शौचालय जैसी सुविधाओं के लिए 30.97 लाख रुपये प्रति स्कूल की दर से सहायता मांगी गई है.

रामदास सोरेन ने कहा कि यह पहल राज्य के शिक्षा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगी.

जलाशयों पर अतिक्रमण मामले में हाईकोर्ट सख्त

दो सचिव, रांची डीसी और नगर निगम प्रशासक को किया तलब

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को जलाशयों के आस पास हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान मामले को गंभीरता से लेते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की की खंडपीठ ने गुरुवार को नगर विकास विभाग के सचिव, जल संसाधन विभाग के सचिव, रांची उपायुक्त और रांची नगर निगम के प्रशासक को कोर्ट में सशरीर उपस्थित रहने का निर्देश दिया है.

अदालत ने मांगी जवाबदेही: हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि 18 अप्रैल 2023 को हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के आलोक में अब तक क्या कार्रवाई हुई है, इसकी विस्तृत जानकारी राज्य सरकार और नगर निगम से पेश करने को कहा गया है.

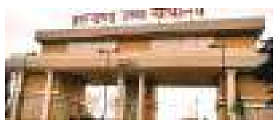

जलाशयों और जल स्त्रोतों पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर: बता दें की रांची के बड़ा तालाब और जिले के आसपास के जल स्रोतों को संरक्षित करने एवं इसमें हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है. जनहित याचिका में कहा गया है कि बड़ा तालाब, कांके डैम एवं धुर्वा डैम की सैकड़ों एकड़ जमीन अतिक्रमणकारियों ने हड़प ली है और वहां मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है, जिससे जलाशयों का स्वाभाविक प्रवाह और अस्तित्व खतरे में पड़ गया है. यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन गहरा सकता है.

एक नजर

सरकार ने नहीं दी पूर्व मंत्री आलमगीर सहित तीन के खिलाफ केस चलाने की अनुमति

रांची। टेंडर घोटाला के जरिये करोड़ों रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की ओर से रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में याचिका दायर कर यह जानकारी दी गई है कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और उनके ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) संजीव लाल एवं ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व इंजीनियर इन चीफ वीरेंद्र राम के विरुद्ध अब तक अभियोजन स्वीकृति नहीं दी है. ईडी ने सरकार से मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के मद्देनजर अभियोजन स्वीकृति मांगी थी. 120 दिन बाद भी सरकार से जवाब नहीं मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिटीशन दायर कर न्यायालय से सरकार की तरफ से जवाब नहीं मिलने को अभियोजन स्वीकृति मानने का अनुरोध किया है. ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में करीब पांच महीने पूर्व राज्य सरकार से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और उनके ओएसडी संजीव लाल एवं वीरेंद्र राम के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी थी. लेकिन उक्त आरोपितों के विरुद्ध अब तक अभियोजन स्वीकृति नहीं मिली. दरअसल नवंबर 2024 से पहले तक मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में किसी अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार से अभियोजन स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं होती थी. लेकिन इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी. सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के बाद नवंबर 2024में दिये गये फैसले में सरकारी अधिकारियों के ख़िलाफ़ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की अनुमति को आवश्यक बताया था.

घूस लेने के आरोपी पीएचईडी क्लर्क को राहत

रांची। रांची एसीबी की स्पेशल कोर्ट ने रिश्वत लेने के मामले में आरोपी पीएचईडी के कलर्क के पद से रिटायर वीरेंद्र कुमार शुक्ला को बड़ी राहत दी है. कोर्ट ने सबूतों और गवाहों की समीक्षा के बाद वीरेंद्र कुमार शुक्ला को बरी कर दिया है. यह मामला रांची सदर विजिलेंस थाना कांड संख्या 9/2004 से जुड़ा है, जिसमें अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित फाइल को आगे बढ़ाने के लिए 12 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप था. प्राथमिकी के मुताबिक एसीबी ने वीरेंद्र कुमार शुक्ला को ट्रैप के दौरान रंगे हाथ पकड़ा था. कोर्ट में बचाव पक्ष के अधिवक्ता विद्युत चौरसिया ने यह तर्क रखते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ प्रमाण अपर्याप्त हैं, गवाहों के बयान भी विरोधाभासी हैं और मामले की जांच में गंभीर त्रुटियां हैं. इसलिए आरोपी को बरी किया जाना चाहिए. कोर्ट ने इन तथ्यों को संज्ञान में लेते हुए आरोपी वीरेंद्र कुमार शुक्ला को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया. इस मामले में एसीबी की ओर से 17 गवाह पेश किए गए थे लेकिन ये गवाह यह साबित नहीं कर पाए कि वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने घूस ली थी.

कडरू को-ऑपरेटिव सोसाइटी में जमीन घोटाला : सीआईडी ने कसी नकेल

बॉयलाज की अनदेखी : सोसाइटी के अध्यक्ष कपिलदेव गिरी ने खुद, बीबी व बेटे के नाम पर लिया प्लॉट

शुभम संदेश। रांची

रांची के कडरू स्थित एजी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में जमीन आवंटन को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है. फर्जी दस्तावेज के आधार पर भूखंड आवंटन, नियमों की अनदेखी और एक ही परिवार को एक से अधिक प्लॉट देने जैसी गंभीर अनियमितताओं की शिकायत के बाद मामला सीआईडी के पास पहुंचा. अब सीआईडी ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, इस मामले की जांच का जिम्मा एएसपी दीपक कुमार को सौंपा गया है. प्रारंभिक जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि आगे और नामों का खुलासा हो सकता है.

सोसाइटी अध्यक्ष समेत परिवार पर गंभीर आरोप : सीआईडी द्वारा दर्ज एफआईआर में सोसाइटी के अध्यक्ष कपिलदेव गिरी, उनकी पत्नी कलावती बिहारी गिरी, पुत्र आशुतोष गिरी, एएन संडवार सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को आरोपी बनाया गया है. इन सभी पर सोसाइटी के नियमों का उल्लंघन कर फर्जी दस्तावेजों के जरिए भूखंडों का अवैध आवंटन और हस्तांतरण करने का आरोप है.

जांच में सामने आया कि कपिलदेव गिरी और उनके परिवार को नियमों के विरुद्ध तीन प्लॉट दे दिए गए. बायलॉज के अनुसार, एक परिवार को केवल एक ही प्लॉट आवंटित किया जा सकता है, लेकिन कपिलदेव गिरी को प्लॉट संख्या 182, उनकी पत्नी को प्लॉट 80 और पुत्र को प्लॉट 191ए अवैध रूप से आवंटित किया गया.

कड़ी कार्रवाई की तैयारी: सीआईडी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गहराई से जांच कर रही है. सीआईडी अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ शुरुआत है और आगे और कई चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं. जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. सोसाइटी के सदस्य और पीड़ित आवंटी न्याय की आस में हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि दोषियों को शीघ्र सजा मिलेगी.

फर्जीवाड़े की लंबी फेहरिस्त

एफआईआर में कई अन्य गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं. आरोप है कि कपिलदेव गिरी के कहने पर एक व्यक्ति को एक साथ चार प्लॉट दे दिए गए, जो सोसाइटी के नियमों के पूरी तरह खिलाफ है. वहीं, कई पुराने आवंटियों की जमीनें कब्जा कर बेच दी गईं. स्व. शशिभूषण मिश्रा को भुगतान के बावजूद प्लॉट संख्या 192 नहीं दिया गया. वह प्लॉट नियमों के खिलाफ जाकर सरदार प्रदीप सिंह को आवंटित कर दिया गया. सेवानिवृत्त ऑडिट अफसर कमलकांत चौधरी को आवंटित प्लॉट 208ए को भी रिकॉर्ड में हेरफेर कर जयकृष्ण सिंह को दे दिया गया. वहीं, स्व. परमानंद झा को दिए गए प्लॉट नं 193 पर अवैध अतिक्रमण कर बहुमंजिली इमारत खड़ी करने की कोशिश की गई.

अच्छी खबर: 108 एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल समाप्त, मानी गईं सभी मांगें, सेवाएं हुईं बहाल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा से जुड़े कर्मचारियों की हड़ताल का बुधवार को तीसरे दिन पटाक्षेप हो गया. यह निर्णय राज्य सचिवालय में आयोजित एक अहम बैठक के बाद लिया गया, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने की. बैठक में भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री राजीव रंजन सिंह, एंबुलेंस कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नीरज तिवारी और सेवा संचालित करने वाली संस्था सम्मान फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

इस वार्ता में कर्मचारियों की प्रमुख मांगों पर सहमति बनी और कई अहम निर्णय लिए गए. बता दें कि 108 सेवा ठप होने से झारखंड के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा असर पड़ा था, जहां मरीज पहले से ही सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर निर्भर हैं. अस्पतालों में आपातकालीन मामलों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था फिलहाल नहीं की गई थी. जनता ने सरकार से अपील की थी कि वह इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करे और समाधान निकाले.

समझौता बैठक में लिए गए मुख्य निर्णय

- कर्मचारियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम के अंतर्गत तय न्यूनतम वेतन दिया जाएगा.
- भविष्य निधि (पीएफ) और कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआईसी) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलेगा.
- जिन कर्मचारियों को निलंबित किया गया था, उन्हें पुन: सेवा में लिया जाएगा.
- राज्य में 269 नई एंबुलेंस सेवाओं की शुरुआत की जाएगी, जिससे आपातकालीन सेवाएं और मजबूत होंगी.

सेवाएं हुईं बहाल : इन फैसलों के बाद सभी जिलों में एंबुलेंस कर्मचारी काम पर लौट आए हैं और सेवाएं सामान्य रूप से फिर से शुरू हो गई हैं. इससे मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलने की उम्मीद है. ज्ञात हो कि बीते कुछ दिनों से लगभग 2500 कर्मचारी 'सम्मान फाउंडेशन' के साथ उत्पन्न विवाद के कारण कार्य बहिष्कार पर थे, जिससे राज्यभर में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई थीं. अब सरकार द्वारा मांगें माने जाने के बाद सेवाओं के स्थायित्व की उम्मीद जताई जा रही है.

9 से 11 अगस्त तक आयोजित होगा झारखंड आदिवासी महोत्सव

11 राज्यों के कलाकार होंगे शामिल

शुभम संदेश। रांची

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले झारखंड आदिवासी महोत्सव 2025 की रूपरेखा तय कर ली गई है. यह भव्य आयोजन 9 से 11 अगस्त तक राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में किया जाएगा. महोत्सव में झारखंड सहित देशभर के 11 राज्यों के जनजातीय कलाकार अपनी पारंपरिक कला और संस्कृति की प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे. महोत्सव में जिन राज्यों की सांस्कृतिक मंडलियां भाग लेंगी, उनमें त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, असम, राजस्थान, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मिजोरम, महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश और झारखंड शामिल हैं. खास बात यह है कि इस बार बिहार के जनजातीय नृत्य समूह को पहली बार इस आयोजन में शामिल किया गया है.

आदिवासी रंग और संस्कृति से सराबोर रहेगा आयोजन : कार्यक्रम को पूर्ण रूप से आदिवासी रीति-रिवाज, संस्कृति और रंग-रूप से सजाया जाएगा. महोत्सव में पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान और वेशभूषा की झलक देखने को मिलेगी. इस अवसर पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है. विश्व आदिवासी दिवस का संदेश जनसामान्य तक पहुंचाने के उद्देश्य से जागरूकता रथ की शुरुआत मंगलवार को की गई. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव राजीव लोचन बक्शी ने रांची से इस रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. रथ शहर के प्रमुख चौराहों, विद्यालयों और बाजारों से होकर गुजरेगा और उस पर प्रदर्शित पोस्टर और संदेशों के माध्यम से लोगों को आदिवासी संस्कृति, वेशभूषा और खानपान से अवगत कराएगा.

आदिवासी महोत्सव में कब क्या होगा

9 अगस्त

- रीझ रंग रसिका स्वागत रैली टैगोर हिल रोड से मोरहाबादी मैदान पहुंचेगी. इसमें 32 आदिवासी जनजातीय समूह शामिल होंगे.
- शहीद वेदी पर पुष्प अर्पण किया जाएगा.
- डाक टिकट का अनावरण होगा.
- मुख्यमंत्री, मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों का संबोधन होगा.
- मोनिका मुंडू और मेघा डाल्टन आधुनिक नागपुरी गीत गाएंगी.
- पद्मश्री मुकुंद नायक के द्वारा नागपुरी गीत की प्रस्तुति दी जाएगी.
- सेलिब्रिटी आर्टिस्ट का परफॉर्मेंस और मालदीव बैंड का प्रस्तुति होगी.
- रात में लेजर शो होगा.

10 अगस्त

- कॉलेज बैंड प्रतियोगिता
- खड़िया नृत्य : नीली अनीता डुंगडुंग (सिमडेगा), उरांव नृत्य : कृष्णा भगत (रांची), मुंडारी नृत्य : लखन गुड़िया (खूंटी), संथाली नृत्य : देवला मुर्मू, पंचपरगनिया नृत्य : बूटन देवी, खोरठा घोड़ा नृत्य : विनोद महतो, सारंगी धुन : महेश पाहन और श्रेया तिवारी की प्रस्तुति.
- पद्मश्री मधु मंसूरी हसमुख द्वारा नागपुरी गीत–नृत्य की प्रस्तुति.
- हास्य कवि का कार्यक्रम. स्थानीय जनजातीय बैंड

11 अगस्त

- पवन कुमार राय : आधुनिक नागपुरी गायन
- सुलेखा कुमारी व जनानी : मुमर
- सृष्टिधर मेहता : मानमुम छऊ
- मंदार धुन मनपुरन नायक
- त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, असम, राजस्थान, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मिजोरम, महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश के नृत्य समूह के द्वारा नृत्य–संगीत की प्रस्तुति.
- शाम 6 बजे समापन

झारखंड में साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

40 बैंक खाताधारकों पर एफआईआर दर्ज

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच ने साइबर अपराध से जुड़े मामलों में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे 40 बैंक खाताधारकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है, जिनके खातों में एक बार में 10 लाख रुपये या उससे अधिक की साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी. यह कार्रवाई राज्य में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई है. सीआईडी की साइबर क्राइम थाना, रांची की प्रभारी डीएसपी नेहा बाला ने अपने स्वयं के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कराई है. यह मामला साइबर क्राइम थाना में केस संख्या 89/25 के तहत दर्ज किया गया है.

क्या है मामला: झारखंड में 10 लाख रुपये या उससे अधिक की साइबर ठगी के मामलों की जांच राज्य की सीआईडी साइबर क्राइम ब्रांच करती है. आमतौर पर इनकी प्रारंभिक शिकायतें नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज की जाती हैं. ठगी की रकम को सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से फ्रीज किया जाता है. साथ ही, गृह मंत्रालय के समन्वय पोर्टल का उपयोग अपराधियों की प्रोफाइलिंग, नोटिस भेजने, नाम-पते की पुष्टि और संदिग्ध खातों की जानकारी जुटाने के लिए किया जाता है.

जांच में क्या सामने आया: डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर डीएसपी नेहा बाला ने समन्वय पोर्टल और एनसीआरपी के समन्वित उपयोग से उन बैंक खातों की पहचान की, जिनमें ठगी की बड़ी रकम ट्रांसफर की गई थी. जांच के दौरान ऐसे 40 बैंक खातों का पता चला, जिनमें एक बार में 10 लाख रुपये या उससे अधिक की राशि ट्रांसफर की गई थी. इन खातों में बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूको बैंक, इंडसइंड बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी बैंक, फेडरल बैंक, बंधन बैंक, फिनो पेमेंट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक और एक्सिस बैंक शामिल हैं.

किन धाराओं में दर्ज हुई एफआईआर: इन सभी खाताधारकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 318(2), 318(3), 318(4), 319(2), 336(2), 336(3), 338, 340(2), 61(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66(बी), 66(सी), 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है. डीएसपी ने यह भी कहा है कि ये बैंक खाताधारक केवल साइबर ठगी के शिकार बने ही नहीं, बल्कि धोखाधड़ी की रकम के लाभार्थी व मनी लॉन्ड्रिंग में भी शामिल पाए गए हैं.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 31 जुलाई 2025 । श्रावण शुक्ल पक्ष 07, संवत 2082 । रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 114 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

बाबा धाम में 38.74 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

देवघर। सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है. मंगलवार को नागपंचमी पर तड़के 04:06 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया. बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान रहा. सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे थे. कांवरिया सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं. जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अबतक कुल 38 लाख 74 हजार 899 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जर्लापण किया है. जलार्पण शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से रात तक गुंजयमान रहा. देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे हैं.

झारखंड में कल से आएगी बारिश में कमी

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में एक अगस्त से बारिश में कमी आएगी और मौसम भी साफ होगा.
इसके साथ ही तापमान में भी दो से तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की जाएगी. यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को दी. उन्होंने बताया कि एक जून से 29 जुलाई तक राजभर में अच्छी बारिश दर्ज की गई है. दो जिलों गोड्डा और पाकुड़ को छोड़कर शेष 22 जिलों में अच्छी बारिश हुई है. इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद जिले के टुंडी में 174 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है. वहीं बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई. रांची में अधिकतम तापमान 27.6 जमशेदपुर में 30.4 डाल्टनगंज में 30.2, बोकारो में 30.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

सांप के डसने से बिरहोर बच्ची की मौत

हजारीबाग। जिले के चलकुशा प्रखंड अंतर्गत जमसोती गांव के बिरहोर टोला में करैत सांप के डसने से बच्ची सोनाली बिरहोर की मौत हो गई. सोनाली आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय से थी और बबलू बिरहोर की पुत्री थी. यह मामला मंगलवार देर रात का है, जब बच्ची घर के आंगन में खेल रही थी. परिजनों ने बताया कि सांप काटने के तुरंत बाद वे घबरा गए, लेकिन गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा का अभाव होने के कारण वे बच्ची को अस्पताल नहीं ले जा सके. रातभर झाड़-फूंक और घरेलू उपायों का सहारा लिया गया, लेकिन सुबह होते-होते सोनाली की तबीयत और बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई. सोनाली के पिता बब्लू बिरहोर ने बताया कि वे बेहद गरीब हैं और दो वक्त की रोटी भी मुश्किल से जुटा पाते हैं. उन्होंने कहा, बेटी की इस तरह की मौत ने हमें तोड़ कर रख दिया है. घटना के बाद गांव में गहरा शोक और नाराज़गी है. स्थानीय ग्रामीणों ने स्थायी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं में लोगों की जान बचाई जा सके.

जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

शुभम संदेश। गढ़वा

जिले के कांडी थाना क्षेत्र के मंडरा गांव में बुधवार की अहले सुबह एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. तीन चार की संख्या में आये हमलावरों ने युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. युवक की पहचान दिवंगत रामविलास पासवान के 35 वर्षीय पुत्र सुनील पासवान के रूप में हुई है. हत्या का कारण भूमि विवाद बताया जा रहा है. घटना स्थल पर कांडी पुलिस पहुंचकर जांच पड़ताल करने में जुट गई है. पुलिस शव को अपने कब्जे में लेना चाही, लेकिन परिजन घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक को बुलाने एवं आरोपितों को अविलंब गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग करते हुए शव को उठाने से रोक दिया.
मौके पर बिश्रामपुर के विधायक नरेश सिंह, गढ़वा डीएसपी नीरज कुमार, नगर डीएसपी सतेंद्र सिंह, मझिआंव इंस्पेक्टर, भवनाथपुर इंस्पेक्टर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी सहित सैकड़ो पुलिस बल मौजूद थे.

थाना में धमकी देकर मार दी गोली

प्रभावित परिवार और स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर सुनील पासवान को पहले थाना में ही धमकी दी गई थी. खुलेआम चैलेंज करते हुए आरोपित ने कहा कि थोड़ा इंतजार करो, गोली मारकर हत्या कर देंगे. धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद शूटर गांव में पहुंचे और सुनील पासवान की गोली मारकर हत्या कर दी. परिजनों का कहना है कि जब थाना में खुलेआम जान से मारने की धमकी दी गई थी और इस संबंध में जानकारी भी दी गई तो पुलिस ने तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की? अगर समय पर कार्रवाई हुई रहती तो आज सुनील की जान नहीं जाती. पुलिस की सुस्ती से घटना हुई.
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुनील अपने भाई के साथ गांव के पूरब दिशा में स्थित बघौंत बाबा देव स्थल के समीप मवेशी चरा रहा था, तभी तीन-चार युवक वहां पहुंचे और पहले उसे डंडों से पीटा. इसके बाद ताबड़तोड़ तीन-चार गोली चलाई गई, जिनमें दो गोली सुनील के सिर में तथा एक गोली शरीर के अन्य हिस्से में लगी. हमले के तुरंत बाद ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई. हमलावर गोलीबारी करने के बाद घटनास्थल से फरार हो गए.
मृतक के बड़े भाई भोला पासवान ने पुलिस को बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था. यह मामला मंगलवार को थाना पहुंचा था, और विरोधी पक्ष की ओर से उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी. परिजनों का आरोप है कि उसी रंजिश में सुनियोजित तरीके से हत्या की गई. सुनील पासवान अत्यंत गरीब परिवार से था. उसके दो बेटे, चार बेटियां, पत्नी और वृद्ध मां हैं. वह मजदूरी कर किसी तरह परिवार का पेट पाल रहा था. अचानक हुई इस हत्या से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

विक्षिप्त युवक ने तोड़े कई वाहनों के शीशे

शुभम संदेश। खूंटी

मुरहू थाना क्षेत्र के महादेव मंडा परिसर में बुधवार की सुबह लगभग साढ़े चार बजे एक विक्षिप्त युवक ने लाठी और पत्थर से मारकर कई वाहनों के शीशे तोड़ दिये. मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक ने पार्किंग में खड़े पिकअप वैन, मारुति ओमनी, बोलेनो कार सहित अन्य वाहनों में तोड़फोड़ की. मुरहू के स्थानीय नागरिकों से मिली जानकारी के अनुसार, तोड़फोड़ करने वाला 18 वर्षीय युवक अंकित कुमार को कुछ लोगों ने सोमवार को मोटरसाइकिल चोरी करते पकड़ लिया था और डांट-डपट कर उसे छोड़ दिया था, लेकिन वह इस घटना से अंदर से नाराज था.
तोड़ फोड़ करनेवाले युवक को पुलिस पकड़ कर थाने ले गई. पकड़े गये युवक ने बताया कि वाहनों के शीशे तोड़कर उसे काफी सुकून मिला. इसलिए उसने शीशे तोड दिये.
मंदिर परिसर के सीसीटीवी कैमरे में युवक की 'तोड़फोड़' की पूरी करतूत कैद हो गई है. लेकिन घटना का सबसे हैरान करने वाला हिस्सा तब आया, जब लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंपा.
पुलिस ने जब युवक से पूछा कि उसने यह सब क्यों किया, तो उसने एक मासूमियत भरा जवाब दिया ऐसा करने से काफी मजा आया.

गिरिडीह में अवैध शराब के साथ पांच गिरफ्तार

शुभम संदेश। गिरिडीह

खोरीमहुआ एसडीएम अनिमेश रंजन के नेतृत्व में बुधवार को उत्पाद निरीक्षक रवि रंजन ने गुप्त सूचना के आधार पर जिले के धनवार थाना के साथ घोडंथंबा के लाइन होटलों मे छापेमारी कर अवैध विदेशी शराब और बियर के बोतलों के अलावा अवैध चुलाई शराब जब्त किया है है. साथ ही मामले में पांच धंधेबाजो को गिरफ्तार किया है. एसडीएम एवं उत्पाद निरीक्षक रविरंजन के नेतृत्व मे हुए कार्रवाई के दौरान टीम ने चार लाइन होटल से अलग अलग कंपनी के शराब और बियर जब्त किए है.
बताया गया कि चारों होटलों मे अवैध तरीके से शराब परोशा जा रहा है. इसी सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए खोरीमहुआ के आनंद रजक, धनवार गंगा होटल के संचालक कुलदीप राम, और महेंद्र राम, घोडथंबा लाईन होटल संचालक सुनील कुमार और धनवार उबरी के होटल संचालक दीपक शर्मा को गिरफ्तार किया गया है. इनके पास काफी संख्या में देशी - विदेशी शराब जब्त की गई है. बताया गया कि पांचों गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है.

तीन अलग -अलग सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

शुभम संदेश। महुआडांड़ (लातेहार)

महुआडांड़ थाना क्षेत्र में तीन अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में मंगलवार देर शाम तीन लोगों की मौत हो गयी. जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गये. पहली घटना थाना क्षेत्र के अक्सी पंचायत के अक्सी नदी मोड़ के पास घटी. यहां एक ऑटो और मोटरसाइकिल में भीषण टक्कर हो गई. इसमें ऑटो में सवार युवक की मौके पर मौत हो गई. मृतक युवक की शिनाख्त ग्राम चेतमा निवास रंजीत वृजिया पिता रतिया वृजिया के रूप में हुई है. वह ऑटो में सामने बैठा था. दो लोग गंभीर रूप से घायल है.घायलों में ऑटो सवार महिला रजनी देवी पति अंजलु कोरवा व मोटरसाइकल सवार कमल भगत का नाम शामिल है. दूसरी घटना में मेढ़ारी गांव में घटी. मोटरसाइकिल में ट्रिपल लोड सवार महुआडांड़ बाजार से अपने गांव मेढारी जा रहे थे. रेगाई गांव केनाटोली गांव के पास हल जोतकर आ रही ट्रैक्टर से आमने सामने टक्कर हुई. इसमें संदीप महतो की गुमला ले जाते समय रास्ते में मौत हो गयी. जबकि दो का इलाज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे चल रहा है. तीसरी घटना में पैदल चल रहे किसान विनय भूषण कुजूर पिता स्व सुलेमान कुजूर ,(रेंगाई) की मौत एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हो गयी. वह अपने दामाद के घर शिवनगर जा रहे थे. वाहन धक्का मार कर वहां से फरार हो गया. पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गयी है.

मुंबई में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड 2025 से सम्मानित हुए चंद्रेश बजाज

रियल एस्टेट क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य व रमादा होटल के सफल संचालन के लिए मिला सम्मान

शुभम संदेश। रांची

शाकंबरी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, रांची के निदेशक पवन बजाज के पुत्र चन्द्रेश बजाज को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड -2025 से मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल में सम्मानित किया गया है. यह सम्मान उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री व वर्तमान सांसद नारायण राणे और बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने प्रदान किया. यह प्रतिष्ठित सम्मान बिहार और झारखंड में शाकंबरी ग्रुप द्वारा रियल एस्टेट क्षेत्र में किए गए विश्वसनीय और उल्लेखनीय कार्य और उत्कृष्ट शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध करानेवाले रमादा होटल (रमादा बाई बिंधम) की रांची शाखा के सफल संचालन के लिए दिया गया. गौरतलब है कि रमादा की विश्वभर में 9000 से अधिक शाखाएं हैं, परंतु रांची स्थित रमादा होटल, जिसे पवन बजाज ने स्थापित किया है, झारखंड का पहला पूरी तरह से शाकाहारी रमादा होटल है, जो अपनी गुणवत्ता, स्वाद और सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है.
विदित हो कि शाकंबरी ग्रुप के संस्थापक पवन बजाज को वर्ष 1996 में इंदिरा गांधी प्रियदर्शिनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. यह पुरस्कार उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती की स्मृति में, उनके कार्यक्षेत्र में दिए गए महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया था. इस प्रकार यह उपलब्धियां न केवल रांची और झारखंड बल्कि पूरे पूर्वी भारत के लिए गर्व का विषय हैं.

बेटे ने पिता की कर दी बेरहमी से हत्या

पुलिस ने आरोपी को लिया हिरासत में

शुभम संदेश। गुमला

जिले के रुद्रपुर गांव में हत्या का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां जिले के जारी थाना क्षेत्र के रुद्रपुर गांव में एक बेटे ने अपने ही पिता की टांगी से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी. मृतक की पहचान 60 वर्षीय गुरुवा मुंडा के रूप में की गई है. वहीं 28 वर्षीय आरोपी का नाम सुमन मुंडा बताया जा रहा है. मृतक की पत्नी सिल्मइत मुंडाई के बताये अनुसार गुरुवा मुंडा रात में पेशाब करने घर से बाहर निकले थे तभी उनका पुत्र टांगी लेकर अचानक उनपर हमला बोल दिया. पति की चीख सुनकर पत्नी जैसी ही बाहर आई उन्होंने देखा कि उनके पति पर हमला हुआ है. जिसके बाद अपने पति गुरुवा मुंडा को बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन इस दौरान उस पर भी हमला किया गया. जिसके बाद वह वहां से चिल्लाते हुए भागी. सिल्मइत की आवाज सुन गांव वाले इकट्ठे हुए लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था.
घटना के बाद गुरुवा मुंडा को ग्रामीणों की मदद से तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सुचना मिलते ही जारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. वहीं थाना प्रभारी आदित्य कुमार एवं एसआई रमेश महतो पुलिस बल के द्वारा आरोपी को कुछ घंटों में पकड़ लिया गया. पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद कागजी कार्रवाई कर सुमन मुंडा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

जामताड़ा : पानी भरे गड्ढे में डूबने से जुड़वा भाइयों की हुई मौत

शुभम संदेश। जामताड़ा

जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव में मंगलवार को एक हृदयविदारक घटना घटित हुई, जहां पांच वर्षीय जुड़वा भाइयों उमेर अंसारी और उजेर अंसारी की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई. घटना उस समय हुई जब दोनों मासूम दोपहर का भोजन करने के बाद घर के पास स्थित एक निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र के समीप खेल रहे थे. खेलते-खेलते वे निर्माण स्थल के बगल में बने गहरे जलजमाव वाले गड्ढे में गिर गए. गड्ढे में पानी भरा हुआ था, जिससे दोनों बच्चे उसमें डूब गए.
स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और बच्चों को गड्ढे से बाहर निकालकर जामताड़ा सदर अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया. सिविल सर्जन डॉ. आनंद मोहन सोरेन ने पुष्टि की कि बच्चों की मृत्यु अस्पताल लाए जाने से पहले ही हो चुकी थी. इस दुखद घटना के बाद परिवार में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है. परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि डॉक्टरों ने सही तरीके से जांच की होती, तो शायद एक बच्चे की जान बचाई जा सकती थी. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

ऑटो और मोटरसाइकल की टक्कर में एक की मौत, दो लोग हुए घायल

लातेहार। जिले में हुई एक सड़क दुर्घटना में की मौके पर ही मौत हो गई. घटना महुआडांड़ थाना क्षेत्र की है. यह पंचायत अक्सी के अक्सी नदी मोड़ के पास ऑटो और मोटरसाइकिल में भीषण टक्कर हो गई. इसमें ऑटो में सवार युवक की मौके पर मौत हो गई. मृतक युवक की शिनाख्त ग्राम चेतमा निवास रंजीत वृजिया पिता रतिया वृजिया के रूप में हुई है. जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल है.आसपास के ग्रामीणों के द्वारा महुआडांड़ थाना को इसकी सूचना दी गई. सूचना मिलते ही महुआडांड़ थाना प्रभारी मनोज कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे. घायलों को महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया. घायल में ऑटो सवार महिला रजनी देवी पति अंजलु कोरवा को कमर में गंभीर चोट लगी है. मोटरसाइकल सवार कमल भगत के हाथ में चोट लगी है. उसका इलाज चल रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि अक्सी गांव की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल सवार ने आकर ऑटो में टक्कर मारी. ऑटो में सवार रंजीत वृजिया आगे सीट में किनारे बैठा था. बाइक की टक्कर में युवक की मौत हो गई. मृतक महुआडांड़ बाजार से घर का राशन लेकर लौट रहा था.

जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा परीक्षा की राह हो गई साफ

- जल्द आ सकता है विज्ञापन

शुभम संदेश। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी होने के बाद अब 14वीं सिविल सेवा परीक्षा के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है. प्रारंभिक परीक्षा वर्ष 2025 में ही आयोजित किए जाने की संभावना है, और JPSC इसकी तैयारियों में जुट चुका है. हालांकि, इस परीक्षा के लिए अभी आयोग को कार्मिक विभाग की अधियाचना का इंतजार है. अधियाचना मिलते ही परीक्षा की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी और विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा. सूत्रों के अनुसार, कार्मिक विभाग ने विभिन्न विभागों से रिक्त पदों की जानकारी मंगवानी शुरू कर दी है. हाल ही में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वे जल्द से जल्द रिक्तियों की सूची भेजें. इस बार यह भी संभव है कि 14वीं और 15वीं दोनों सिविल सेवा परीक्षाएं एक साथ आयोजित की जाएं, क्योंकि पिछला वर्ष परीक्षा आयोजन के बिना बीत गया था. गौरतलब है कि हाल ही में JPSC ने 11वीं से 13वीं सम्मिलित सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी किया है. इस परीक्षा के माध्यम से 342 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया है. संबंधित विभागों को अनुशंसा भेज दी गई है और अब दस्तावेजों की जांच के बाद अगस्त माह में नियुक्ति पत्र दिए जाने की तैयारी की जा रही है.

बड़ी पहल: झारखंड सरकार छात्रों को दिलाएगी अपने खर्च पर मुफ्त कोचिंग

हर साल 300 आदिवासी छात्र बनेंगे डॉक्टर-इंजीनियर

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की हेमंत सरकार राज्य के 300 प्रतिभाशाली आदिवासी छात्र-छात्राओं को हर साल डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के लिए विशेष योजना पर काम कर रही है. इसके तहत चयनित छात्रों को नीट (नीट) और जेईई (जेईई) की मुफ्त कोचिंग दी जाएगी. कोचिंग संचालित करने के लिए एजेंसी के चयन की प्रक्रिया जारी है, जिसे 13 अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य है. इसके बाद एक परीक्षा के माध्यम से योग्य छात्रों का चयन कर उन्हें कोचिंग की सुविधा प्रदान की जाएगी.

11वीं और 12वीं के छात्रों को दो अलग बैचों में कोचिंग: कल्याण विभाग के अनुसार, कोचिंग के लिए छात्रों को उनकी कक्षा के अनुसार अलग-अलग बैचों में बांटा जाएगा. 11वीं में पढ़ रहे छात्रों को दो साल की कोचिंग दी जाएगी – जिनमें से 75 छात्रों को जेईई और 75 छात्रों को नीट की तैयारी करवाई जाएगी. वहीं, 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को एक वर्ष की कोचिंग दी जाएगी, जिसमें दोनों ही परीक्षाओं के लिए 75-75 छात्रों का चयन किया जाएगा. फिलहाल रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में स्थित कल्याण विभाग की इमारतों में यह कोचिंग शुरू की जाएगी. भवन निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार है, और नए भवन बनने तक इन्हीं इमारतों में छात्रों के रहने-खाने की व्यवस्था रहेगी. पहली बार राज्य सरकार इस तरह की मुफ्त आवासीय कोचिंग योजना खासकर आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी छात्रों के लिए शुरू कर रही है.

सुरक्षा को लेकर विभाग ने दिया भरोसा: जब हिंदपीढ़ी में कोचिंग सेंटर की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे, तो कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा ने आश्वस्त किया कि वे स्वयं स्थल का निरीक्षण कर चुके हैं. उनके अनुसार, विभाग की इमारतें घनी आबादी के बीच सुरक्षित स्थान पर स्थित हैं. एजेंसी का चयन पूरी तरह ओपन टेंडर प्रक्रिया से किया जाएगा और उसके बाद छात्रों का चयन मेरिट के आधार पर होगा. हालांकि चयन प्रक्रिया की अंतिम रूपरेखा अभी तय नहीं हुई है.

आकांक्षी योजना से मिली प्रेरणा

राज्य सरकार की पहले से चल रही आकांक्षी योजना ने इस दिशा में रास्ता दिखाया है. इस योजना के अंतर्गत 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं को मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की मुफ्त आवासीय कोचिंग दी जाती है. पहले साल 40-40 छात्रों के साथ शुरू हुई यह योजना अब विस्तार पा चुकी है, जिसमें मेडिकल के लिए 75 और इंजीनियरिंग के लिए 100 छात्रों का चयन किया जाता है. झारखंड एकेडमिक काउंसिल इसके लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है. आकांक्षी योजना की शुरुआत 2016-17 में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा की गई थी. अब कल्याण विभाग इस प्रयास को और बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर ऑगस्टे तानो कौमे

झारखंड राज्य में पूंजी निवेश और विकास को लेकर हुई अहम बातचीत

शुभम संदेश। रांची/नई दिल्ली

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में विश्व बैंक के भारत स्थित कंट्री डायरेक्टर ऑगस्टे तानो कौमे के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान कौमे ने झारखंड के आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन के लिए चलाई जा रही प्रमुख योजना ₹मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना₹ की सराहना की.
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विश्व बैंक प्रतिनिधिमंडल को राज्य में चल रही विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों की जानकारी दी. उन्होंने ग्रामीण आर्थिक विकास, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन, उत्पादन, कृषि, शिक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के क्षेत्र में हो रहे कार्यों तथा निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया. ऑगस्टे तानो कौमे और उनकी टीम ने भारत में विश्व बैंक द्वारा समर्थित परियोजनाओं से जुड़े अनुभव साझा किए और झारखंड सरकार को विकास योजनाओं, कार्यक्रमों के डिजाइन व क्रियान्वयन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में सहयोग देने की इच्छा जतायी, जिससे राज्य के नागरिकों को सीधा लाभ मिल सके. मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी बातचीत को आगे बढ़ाने और रांची में एक संयुक्त चर्चा एवं कार्यशाला आयोजित करने पर सहमति जतायी, ताकि एक सार्थक और प्रभावशाली सहयोग स्थापित हो सके.

रांची से अपहृत 11 साल की छात्रा रामगढ़ से सकुशल बरामद

कुजू में छात्रा को कार से फेंक कर भागे सभी अपराधियों को पुलिस ने गोला से धर दबोचा, रांची लाया

शुभम संदेश। रांची

रांची से अपहृत स्कूली छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है. छात्रा को रामगढ़ जिले के कुजू थाना क्षेत्र से बरामद किया गया. पुलिस के डर से अपराधी छात्रा को सड़क पर फेंक कर भाग गए. पुलिस अपराधियों का पीछा कर रही है. रांची के एसएसपी सह डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा ने छात्रा की बरामदगी की पुष्टि की है.

रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि रांची पुलिस को लड़की के अपहरण की सूचना मिली थी. इसके बाद पूरी रामगढ़ पुलिस सड़क पर निगरानी कर रही थी. इसी बीच मांडू और कुजू के बीच एक कार 150 किलोमीटर की रफ्तार से भागती हुई दिखाई दी. मांडू थाना प्रभारी सदानंद ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया. पुलिस को पीछा करते देख अपराधी कार को और भी तेज भगाने लगे. कार भगाते हुए एक भीड़भाड़ वाले इलाके में पहुंच गए. इस दौरान पुलिस ने अपनी कार से अपराधियों के कार में टक्कर भी मारी, लेकिन अपराधी नहीं रुके. इसके बाद थाना प्रभारी सदानंद ने अपनी पिस्तौल निकाली और अपराधियों पर निशाना साधा. इसी दौरान उन्होंने कार की पिछली सीट पर छात्रा को देखा, जिसे अपराधियों ने बंधक बना रखा था. इसके बाद थाना प्रभारी ने छात्रा को गोली लगने के डर से गोली नहीं चलाई. हालांकि, उनकी पिस्तौल और बाकी पुलिस के डर से अपराधियों ने छात्रा को चलती कार से कुजू में बैंक के पास सड़क पर फेंक दिया. छात्रा को रांची भेजवा दिया गया है. एसपी ने बताया कि छात्रा बिल्कुल सुरक्षित है. पुलिस अपराधियों का पीछा कर रही है. हजारीबाग पुलिस भी इसमें सहयोग कर रही है. उन्होंने कहा कि अपराधी मास्क पहने हुए थे. उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा.

छात्रा का अपहरण करने वाले सभी अपराधी गोला से गिरफ्तार: इस बीच, स्कूली छात्रा का अपहरण करने वाले सभी अपराधी रामगढ़ के गोला से गिरफ्तार हुए है. रांची और रामगढ़ पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस की टीम सभी अपराधियों को रांची ले आई है. अपराधियों से पूछताछ के बाद ही पता चल पाएगा कि बच्ची का अपरहण क्यों किया था. बता दें कि जैसे ही मामला रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत 10 जिलों में अलर्ट मैसेज भेजा. जिसके बाद 90 से अधिक स्थानों पर चेकिंग अभियान शुरू किया गया. नतीजतन अपराधी बच्ची को रामगढ़ जिले के कुज्जू में छोड़कर फरार हो गए थे. जिसके बाद पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया है.

छात्रा अपहरण मामले में झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने जताई चिंता

रांची। झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने सिरमटोली फ्लाईओवर के पास से एक निजी स्कूल की छात्रा के दिन दहाड़े अपहरण की घटना पर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया है. एसोसिएशन ने पुलिस की तत्परता की भी सराहना की है. झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि स्कूल जाने वाली छात्रा का इस तरह अपहरण होने से शहर में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर आशंकाएं उत्पन्न होती हैं. उन्होंने कहा कि अभिभावक यह सोचने को मजबूर हैं कि उनके बच्चे स्कूल सुरक्षित पहुंचेंगे भी या नहीं? यह स्थिति बेहद चिंताजनक है. उन्होंने रांची पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि यदि इसी तरह त्वरित कार्रवाई हो, तो अपराधियों का मनोबल टूटेगा.

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव **आलोक कुमार दूबे** ने कहा है यकीनन बच्ची का अपहरण किए जाने की घटना दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक थी, लेकिन जितनी मुस्तैदी से वरीय आरक्षी अधीक्षक चंदन सिन्हा एवं आईजी मनोज कौशिक ने पूरी तनम्यता एवं तत्परता से सभी पुलिस अधिकारियों ने नाकेबंदी कर बच्ची को सकुशल बरामद किया वह प्रशंसनीय है. प्रशासन के तत्काल एक्शन और खौफ का ही नतीजा था कि अपराधी बच्ची को छोड़कर भाग गए. हेमंत सोरेन सरकार में न्याय भी है, कार्रवाई भी है. जब प्रशासन संवेदनशील और मजबूत हो, तो अपराधियों को सिर उठाने की जगह नहीं मिलती है.

एक नजर

व्यक्तित्व का निर्माण होता है वाणी और अंतःकरण के संतुलन से : परिपूर्णानंद

रांची। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची में कक्षा 11वीं के नवप्रवेशित छात्रों के लिए बुधवार को व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय की अनुशासनात्मक और सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत कराते हुए उनके व्यक्तित्व को समग्र रूप से विकसित करना था. इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि स्वामी परिपूर्णानंदजी महाराज, आचार्य, चिन्मय मिशन को शिशु विकास मंदिर समिति के संरक्षक पवन मंत्री ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया. विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने अतिथियों का परिचय कराया. इस अवसर पर समिति के मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने कहा कि यह शिविर छात्रों के भीतर आत्मचिंतन, लक्ष्य निर्धारण और नैतिक मूल्यों की भावना विकसित करने का माध्यम है. मुख्य अतिथि स्वामी परिपूर्णानंदजी महाराज ने कहा कि व्यक्तित्व का निर्माण वाणी, अंतःकरण, व्यवहार और भावनाओं के संतुलन से होता है. अध्यक्षीय आशीर्वचन में समिति अध्यक्ष शक्तिनाथ लाल दास ने कहा कि विद्या से विनय और विनय से गुणों की प्राप्ति होती है. इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया. कैरियर काउंसलर अजय कुमार सिंह, मनीष कुमार, कुंदन कुमार सिंह, राकेश पाठक और डॉ आरएस डे ने छात्रों को कैरियर की दिशा में मार्गदर्शन दिया. शिविर के समापन सत्र में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया.

झारखंड छात्र मोर्चा का कोई भी सदस्य आजसू में नहीं गया, खबर भ्रामक : अमन- असद

रांची। झारखंड छात्र मोर्चा के प्रमुख और उनके नेतृत्व में अलग-अलग जिलों से दर्जनों छात्रों के आजसू की सदस्यता ग्रहण करने की खबर को मोर्चा के रांची विवि शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष अमन तिवारी एवं सचिव असद फेराज टिंकू भ्रामक खबर बताया है. उन्होंने कहा कि आजसू ज्वाइन करनेवाला कोई भी न तो झारखंड छात्र मोर्चा का सदस्य रहा है और न मोर्चा के किसी पद पर कभी रहा है. इस तरह भ्रामक खबरों का झाखंड छात्र मोर्चा खंडन करता है.

भाजपा बहा रही घड़ियाली आंसू, एंबुलेंसकर्मियों से नहीं, उसे तो संवेदकों से है लगाव : आलोक दुबे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर पलटवार करते हुए कहा कि मरांडी को हर समस्या में राजनीति नजर आती है, समाधान नहीं. उन्होंने कहा कि भाजपा को 108 एंबुलेंसकर्मियों की पीड़ा से नहीं, केवल राजनीतिक फायदा उठाने से मतलब है. दुबे ने तंज कसते हुए पूछा कि जब भाजपा सत्ता में थी, तब उसने एंबुलेंसकर्मियों की हालत सुधारने के लिए क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री से एलर्जी है, इसलिए व्यक्तिगत हमले करते रहते हैं.उन्होंने कहा कि राज्य सरकार त्रिपक्षीय समझौते के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर है और संवाद के रास्ते खुले हैं.उन्होंने सवाल किया कि जब केंद्र ने आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के फंड में कटौती की, तब बाबूलाल मरांडी चुप क्यों थे?विपक्ष को सवाल उठाने का हक है, लेकिन झूठ और अफवाह फैलाकर नहीं, दुबे ने दो टूक कहा.

चेहल्लुम पर 15 को निकलेगा मातमी जुलूस

रांची। चेहल्लुम के अवसर पर मातमी जुलूस 15 अगस्त को निकाला जाएगा. सैयद फराज अब्बास ने बुधवार को कहा कि चेहलुम का मातमी जुलूस दोपहर एक बजे निकलेगा. जुलूस मेन रोड विश्वकर्मा मंदिर स्थित अनवर आर्केड से शुरू होगा, जो अंजुमन प्लाजा, उर्दू लाइब्रेरी, डेली मार्केट, टैक्सी स्टैंड, चर्च रोड, विक्रांत चौक, कर्बला चौक होते हुए कर्बला तक जाएगा. 6 अगस्त से 10 दिवसीय मजलिस हजरत इमाम ए हुसैन का आयोजन किया जाएगा.

रांची सदर अस्पताल में आठवीं क्लास की बच्ची बनी मां!

शुभम संदेश। रांची

रांची सदर अस्पताल में आठवीं क्लास की एक लड़की ने बच्चे को जन्म दिया है. 14 साल की अविवाहित लड़की के प्रसव के साथ ही 9 महीने पहले उसके साथ हुए दुष्कर्म का खुलासा हुआ है. अस्पताल प्रशासन ने मामले की गंभीरता को समझते हुए लोअर बाजार थाना पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने किशोरी का बयान दर्ज कर मामला गुमला के बसिया थाना को सौंप दिया है.

स्कूल से लौटते वक्त हुआ था दुष्कर्म : पीड़िता और उसके परिजनों के मुताबिक स्कूल से लौटते वक्त गांव के एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया था. उसने धमकी दी कि अगर इस बारे में किसी को बताया तो जान से मार देगा. पीड़िता ने डर से किसी को यह बात नहीं बताया. दुष्कर्म के करीब पांच महीने बाद लड़की के शरीर में परिवर्तन देखकर घरवालों को शक हुआ. वे लड़की को डॉक्टर के पास लेकर गये. डॉक्टर ने जांच करवाई तब उसके साथ रेप की पुष्टि हुई.

पूरे 9 महीने बाद दिया बच्चे को जन्म

लड़की के माता-पिता ने पुलिस को बताया कि लोकलाज के डर से उन्होंने बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी गर्भावस्था की शिकायत नहीं की. वहीं डाक्टरों ने बताया कि लड़की ने पूरे नौ माह के बाद बच्चे को जन्म दिया है. फिलहाल जच्चा-बच्चा डॉक्टरों की निगरानी में हैं. वहीं घटना सामने आने के बाद कई सामाजिक संगठन सामने आये हैं और आरोपी को कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं.

गर्भपात कराने से जा सकती थी लड़की जान : लड़की के परिजनों ने डॉक्टर से गर्भपात को लेकर बात की. डॉक्टर ने बताया कि 5 महीने का गर्भ होने के कारण गर्भपात करना सेफ नहीं होगा. जच्चा-बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता है. तब परिजनों ने बेटी का प्रसव कराने का निर्णय लिया, लेकिन गांव में रहने से यह बात आग की तरह फैल जाती और सबकी बदनामी होती. लोकलाज के डर से परिजन बच्ची को रांची ले आये और सदर अस्पताल में प्रसव कराया.

रेडक्रॉस की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और जन-कल्याणकारी बनाएं : राज्यपाल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की स्टेट मैनेजिंग कमेटी की बैठक हुई. बैठक में राज्यपाल ने रेड क्रॉस की भूमिका को और अधिक प्रभावी तथा जन-कल्याणकारी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए. उन्होंने विशेष रूप से स्वैच्छिक रक्तदान को एक सामाजिक जनांदोलन का रूप देने पर बल दिया. राज्यपाल ने कहा कि रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाए और इनमें विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड जैसी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए. रक्तदान एक पुनीत कार्य है, सभी को इसके लिए प्रेरित करें. उन्होंने कहा कि उन्हें भी अपने जीवन में 15 से 20 बार रक्तदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है.

उन्होंने कहा कि रक्त की बर्बादी नहीं होनी चाहिए, यदि रक्त अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाए, तो उसे समीपवर्ती जिलों में भेजा जाए. उन्होंने यह निर्देश भी दिया कि रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए और ऐसे रक्तदाताओं को सम्मानित किया जाए, जिन्होंने 50 बार या उससे अधिक बार रक्तदान किया है. राज्यपाल ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी सौ से भी अधिक वर्षों से निःस्वार्थ मानव सेवा कर रही है. यह संस्था आपदा, विपदा और स्वास्थ्य संकट के समय लोगों की संवेदनशील, त्वरित और मानवीय सहायता के लिए जानी जाती है. सेवा, करुणा और परोपकार भारतीय संस्कृति के मूल मूल्य हैं और ऐसी अपेक्षा है कि रेड क्रॉस की झारखण्ड शाखा इन मूल्यों का जीवंत उदाहरण आगे भी प्रस्तुत करती रहेगी.

राज्यपाल ने कहा कि यदि किसी की मृत्यु समय पर रक्त न मिलने के कारण होती है, तो यह न केवल संबंधित अस्पताल प्रबंधन, बल्कि रेड क्रॉस से जुड़े सभी व्यक्तियों की भी असफलता और निष्क्रियता मानी जाएगी. उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि कुछ स्थानों पर रक्त की बिक्री की शिकायतें प्राप्त होती हैं. उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि रेड क्रॉस सुनिश्चित करे कि कोई भी मरीज या परिजन विवश होकर रक्त न खरीदे. संस्था को एक समर्पित और भरोसेमंद रक्तदाता मंच के रूप में समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करनी चाहिए. राज्यपाल ने भारत रत्न नानाजी देशमुख के जरिए किए गए देहदान का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मानवीय उदाहरण रेड क्रॉस के लिए प्रेरणास्रोत हैं. उन्होंने रेड क्रॉस की जिला इकाइयों को अधिक सक्रिय और प्रभावशाली बनाने, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक सेवा का विस्तार करने तथा संस्था के सभी कार्यों में वित्तीय पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया.

उन्होंने आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संकट से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि रेड क्रॉस के स्वयंसेवक हर परिस्थिति में सक्षम और तत्पर रहें.

उन्होंने संस्था को जीवंत बनाए रखने के लिए सतत सदस्यता अभियान चलाने की बात कही. यदि संस्था अच्छा कार्य करेगी, तो कई संस्थाएं अनुदान और सहयोग के लिए स्वयं आगे आएंगी. बैठक में सभी जिला इकाइयों को वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने के निदेश भी दिए गए. इस अवसर पर यह भी कहा गया कि रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला इकाइयां लावारिस शवों का अंतिम संस्कार भी कर सकती हैं, जो एक संवेदनशील सामाजिक दायित्व है.

राज्यपाल ने कहा कि एक राज्यपाल के रूप में वे रेड क्रॉस की सेवा भावना से जुड़े हर प्रयास में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने कहा कि सेवा ही हमारा संकल्प हो, यही रेड क्रॉस की पहचान बने, ऐसी उनकी कामना है. इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने राज्यपाल का आभार प्रकट किया. बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव-सह-सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन कुलकर्णी, राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, निदेशक (खेल) शेखर जमुआर, सोसाइटी की झारखंड राज्य शाखा से जुड़े पदाधिकारी, जिला इकाइयों के प्रतिनिधि एवं सदस्य उपस्थित थे.

ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही सरकार : दीपिका पांडेय

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ग्रामीण विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है. ग्रामीण क्षेत्रों में योजनागत और जमीनी स्तर पर काम हो रहा है. रोजगार और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित हो रही हैं. ये बातें राज्य के ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से कही. मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और आम जनता के जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध है. मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण विकास की दिशा में योजनागत और ज़मीनी स्तर पर कार्रवाई हो रही है. राज्य सरकार न सिर्फ वर्तमान कार्यों को ससमय पूरा करने पर ध्यान दे रही है, बल्कि भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं की दिशा में भी गंभीरता से काम हो रहा है.

उन्होंने बताया कि ग्रामीण सड़क निर्माण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी (जेएसएलपीएस) के तहत कार्यरत महिला समूहों के माध्यम से रोजगार और स्वावलंबन को बढ़ावा देने जैसी अनेक योजनाएं चल रही हैं. पिछले वर्ष पारित किए गए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है. साथ ही नई योजनाओं को भी गति दी जा रही है. मंत्री ने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य हर जनकल्याणकारी योजना को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करना है. गांवों को आत्मनिर्भर बनाना, महिलाओं को सशक्त करना और हर नागरिक तक समृद्धि और अवसर पहुंचाना, राज्य सरकार का संकल्प है. उन्होंने कहा कि उनकी सोच स्पष्ट है और यही सोच उनकी कार्यशैली और विभागीय विज़न की पहचान है.

विधानसभा के समक्ष पांच अगस्त को धरना देगा मोर्चा

शुभम संदेश। रांची

वित्त रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा अपनी दो सूत्री मांगों को लेकर पांच अगस्त को विधानसभा के सामने एक दिवसीय महाधरना देगा. महाधरना में राज्य भर के हजारों शिक्षक कर्मचारी भाग लेंगे। मोर्चा की मांगों में 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि के प्रस्ताव को मंत्रीपरिषद में रखना और राज्य कर्मी के कर्ज देने संबंधी कार्मिक विभाग के पत्र पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का कोई कार्रवाई नहीं करना शामिल है. यह निर्णय मोर्चा के अध्यक्ष मंडल की बैठक में बुधवार को लिया गया. उल्लेखनीय है कि 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि के प्रस्ताव पर विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद रिपोर्ट वित्त विभाग को भेजी गई थी. वित्त विभाग ने संलेख प्रस्ताव पर अपना सहमति देकर रिपोर्ट प्रशासी विभाग को भेज दिया.

इसके बाद प्रशासी विभाग ने विदिक्षा के लिए विधि विभाग को संचिका भेज दिया. वहीं प्रशासी विभाग ने कैबिनेट की सहमति के लिए कैबिनेट भेज दिया. लेकिन अंततः मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद में मामले को नहीं रखकर रिपोर्ट को विमर्श के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव को भेज दिया. मोर्चा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने किस बिंदु पर सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से विमर्श करना चाहते हैं. मोर्चा का कहना है कि जब विधि विभाग सहित अन्य विभागों ने सहमति दे दी तो फिर शिक्षा सचिव से विमर्श का कोई औचित्य नहीं रह जाता है.

बैठक में निर्णय लिया गया कि मोर्चा इस संबंध में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन देगा. इसके बाद पांच अगस्त को विधानसभा के सामने महाधरना दिया जाएगा। इसमें राज्यभर के मोर्चा के शिक्षक कर्मचारी भाग लेंगे. सात अगस्त को पूरे राज्य में इसे लेकर शैक्षणिक हड़ताल रहेगा और उस दिन स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे और गेट पर ताला लगा रहेगा. बैठक में कुंदन कुमार सिंह, रघुनाथ सिंह, हरिहर प्रसाद कुशवाहा, फजलुल कादरी अहमद, डॉ देवनाथ सिंह, गणेश महतो, नरोत्तम सिंह, रघु विश्वकर्मा,मनीष कुमार, मनोज कुमार, शीतल उरांव, संजय कुमार, पशुपति महतो सहित अन्य उपस्थित थे.

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव 2025 : 16-17 अगस्त को अल्बर्ट एक्का चौक पर होगा दो दिवसीय आयोजन

आयोजन स्थल को रंग-बिरंगी पताकाओं और फूलों से सजाया जाएगा : संजय सेठ

शुभम संदेश। रांची

श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के तत्वावधान में इस वर्ष 16 - 17 अगस्त को राजधानी रांची के , मेन रोड अल्बर्ट एक्का चौक पर दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. यह आयोजन पिछले 15 वर्षों से लगातार पूर्वी भारत का सबसे बड़ा दही हांडी प्रतियोगिता एवं भजन संध्या उत्सव माना जाता है. समिति के संरक्षक व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, संरक्षक विधायक सीपी सिंह, अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि आयोजन स्थल को रंग-बिरंगी पताकाओं व फूलों से सजाया जाएगा. 16 अगस्त को अपराह्न 4 बजे बाल गोपाल सजाओ प्रतियोगिता और झांकी प्रतियोगिता के साथ महोत्सव का उद्घाटन विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा किया जाएगा. 10 वर्ष तक के बच्चों के लिए बाल गोपाल प्रतियोगिता में आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे.

17 अगस्त को शाम 4 बजे से दही हांडी फोड़ प्रतियोगिता, भजन संध्या एवं नृत्य नाटिका का आयोजन होगा. इसमें पुरुष और महिला गोविंदा टीमों के लिए अलग-अलग प्रथम व द्वितीय पुरस्कार रखे गए हैं. विजेता टीमों को शील्ड भी दी जाएगी. रजिस्ट्रेशन फॉर्म 5 अगस्त से 16 अगस्त तक केडिया साइकिल (अल्बर्ट एक्का चौक) व होटल शगुनम इन (अपर चुटिया) में उपलब्ध रहेंगे.

बैठक में कुणाल आजमानी, रवींद्र मोदी, रमेंद्र कुमार, प्रमोद सारस्वत, संजय पोद्दार, किशन साबू, नरेंद्र लखोटिया, मनोज कुमार, नीरज चौधरी, राज वर्मा, संतोष सेठ, विजय ओझा, राजीव वर्मा, संजय सिंह, प्रवीण कुमार छोटू ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागीय संयोजकों से पूर्ण सहयोग का अनुरोध किया. बैठक में मुख्य रूप से आयोजन समिति के संरक्षक अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा, शिव शंकर साबू, सतीश सिन्हा, अशोक पुरोहित, मनोज तिवारी,राजीव सहाय, रानी देवी सहित काफी लोग उपस्थित थे.

पहली स्टेट मेरिट लिस्ट जारी : बायोम का झारखंड मेडिकल में दबदबा बरकरार, टॉप 20 में 16 स्टूडेंट्स बायोम के

संस्थान के दर्जनों स्टूडेंट्स का सरकारी मेडिकल कॉलेज में पढ़ने का सपना होगा पूरा

शुभम संदेश। रांची

जेसीईसीईबी की ओर से राज्य के मेडिकल कॉलेजों में नामांकन के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पहले राउंड के काउंसलिंग के लिए जारी स्टेट मेरीट लिस्ट में मेडिकल परीक्षा की तैयारी करवाने वाली बायोम संस्थान के सैकड़ों छात्र छात्राएं चयनित हुए हैं. वहीं स्टेट मेरिट लिस्ट के टॉप 20 लिस्ट में बायोम संस्थान के 16 छात्र-छात्राएं शामिल है. जिनका सरकारी मेडिकल कॉलेज में पढ़ने का सपना पूरा होगा.

स्टेट मेरिट लिस्ट में चयनित होने वालों में अभिषेक को बीसी 2 कैटेगरी में रैंक 1, करण भास्कर को ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में रैंक 1, शीतल को सएसटी कैटेगरी में रैंक 1, सिद्धार्थ को जेनरल कैटेगरी में रैंक 2, मोहम्मद ओवैस को बीसी 1 कैटेगरी में रैंक 3, मुस्कान को एसटी कैटेगरी में रैंक 3, नैंसी को एसटी कैटेगरी में रैंक 4, तौफीक को बीसी 1 कैटेगरी में रैंक 7, सुजाता को बीसी 2 कैटेगरी में रैंक 8, करण को जनरल कैटेगरी में रैंक 8, अमित को एससी केटेगरी में रैंक 15, रूद्र को बीसी 2 कैटेगरी में रैंक 17, सिया को एससी कैटेगरी में रैंक 18, आयुषी को ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में रैंक 19, सिद्धार्थ को बीसी 1 कैटेगरी में रैंक 20, ऋतिक को जेनरल कैटेगरी में रैंक 20 प्राप्त हुए हैं. इसके अलावा भी सैकड़ों स्टूडेंट्स ने स्टेट मेरिट लिस्ट में अपनी जगह बनाई है. संस्थान के डायरेक्टर पंकज सिंह ने बताया कि स्टेट मेरीट लिस्ट में शामिल होने वाले छात्रों ने पिछले कई सालों से लगातार अपने सपने का पीछा कर रहे थे. इसके लिए जी तोड़ मेहनत किए. उन्हें संस्थान के शिक्षकों का बेहतर मार्गदर्शन मिला, जिससे उनका अपना सरकारी मेडिकल कॉलेज में पढ़ने और डॉक्टर बनने का सपना पूरा होने वाला है. स्टेट मेरिट लिस्ट में चयनित सभी छात्र छात्राओं को उनके बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं देते हैं. उन्होंने वर्तमान में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं से कहा कि इन अभ्यर्थियों से सीख लेकर अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन पर कड़ी मेहनत करें. ताकि अपने मनपसंद कॉलेज में पढ़ने का सपना पूरा हो सके.

राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय हटिया में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

शुभम संदेश। रांची

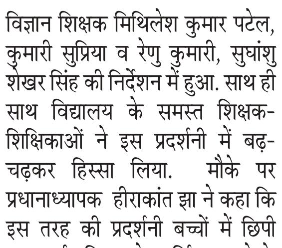

राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय हटिया के बिरसा मुंडा भवन में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रदर्शनी का उद्घाटन रांची डीईओ विनय कुमार ने किया. उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में इस तरह की प्रदर्शनी को जरूरी माना और बाल-प्रतिभा व उनके मार्गदर्शक शिक्षक की प्रशंसा की. विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा 6 से 10 के 120 से अधिक बच्चों ने भाग लिया. बच्चों ने 40 स्टाल लगाए गए थे, जो आज के विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित थे. प्रदर्शनी का आकर्षण टेनिस बॉल लांचर, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वोल्कानो, हाइड्रोलिक क्रेन, हाइड्रॉलिक लिफ्ट, रिमोट कंट्रोल कार, भूकंप सचेतक यंत्र एवं वाटर डिस्पेंसर जैसे महत्वपूर्ण मॉडल थे, जो आज के हमारी जीवन शैली को एक दिशा देने का काम करते हैं. इस प्रदर्शनी का आयोजन विज्ञान शिक्षक मिथिलेश कुमार पटेल, कुमारी सुप्रिया व रेणु कुमारी, सुधांशु शेखर सिंह की निर्देशन में हुआ. साथ ही साथ विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इस प्रदर्शनी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. मौके पर प्रधानाध्यापक हीराकांत झा ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी बच्चों में छिपी अभूतपूर्व प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है. विद्यार्थियों में बाल्यकाल से सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता व तार्किकता होती है, जिसे धरातल पर उतारने की प्रेरणा एवं अवसर प्रदर्शनी प्रदान करता है. प्रदर्शनी देखने 1500 छात्र -छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक आए थे.

ब्रीफ न्यूज

कचहरी परिसर से फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का धंधा पकड़ा गया

मेदिनीनगर। कचहरी परिसर में फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का धंधा चल रहा था, जिसे नगर निगम प्रशासन ने बारीकी से जांच कर पकड़ लिया है. भारत फोटो स्टेट एंड ऑनलाइन सेंटर नामक दुकान से बड़ी संख्या में फर्जी सर्टिफिकेट बरामद किए गए हैं. इस दौरान 2012 का जन्म प्रमाण पत्र भी मिला, जिसमें एक सीनियर आईएएस अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे. प्रशासन ने दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है. पुलिस ने दुकान के संचालक परवेज इकबाल को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है. जांच में सामने आया है कि फोटो कॉपी की दुकान में शादी के प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र समेत कई अन्य दस्तावेजों के नकली संस्करण तैयार किए जा रहे थे.

विकास बने धोबी महासंघ के मीडिया प्रभारी

पलामू। अखिल भारतीय धोबी महासंघ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार बैठा ने हाल ही में प्रदेश कमिटी की घोषणा की, जिसमें हुसैनाबाद के विकास कुमार को पलामू प्रमंडलीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति समाज में खुशी का कारण बनी है. पलामू जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने विकास कुमार को इस जिम्मेदारी पर नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार बैठा का आभार व्यक्त किया. अखिल भारतीय धोबी महासंघ के संरक्षक कुमार गौरव, कृष्ण कन्हैया, सचिव अजय बैठा, उपाध्यक्ष लड्डू रजक, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार रजक, और अन्य पदाधिकारियों ने भी विकास कुमार को बधाई दी.

नए थाना प्रभारी के रूप में रंजन ने पदभार संभाला

बालूमाथ (लातेहार)। पुलिस अवर निरीक्षक रंजन पासवान बारियातू थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण किया. पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने अपराध पर नियंत्रण रखने और शांति व्यवस्था कायम रखने को अपनी प्राथमिकता बताया. उन्होंने स्पष्ट कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और आम जनता की शिकायतों पर त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. साथ ही उन्होंने पुलिस-जनता समन्वय को मजबूत कर क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने की बात कही. रंजन पासवान इससे पूर्व बालूमाथ थाना में पदस्थापित थे और कई अन्य थानों में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं.

नए पेट्रोल पंप से बढ़ेगी लोगों की सुविधा: आलोक

चैनपुर/पलामू। गढ़वा जिले के रमकंडा प्रखंड मुख्यालय में एक नए पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया गया. इस मौके पर स्थानीय विधायक आलोक कुमार चौरसिया ने फीता काटकर पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया. विधायक चौरसिया ने बताया कि इस पेट्रोल पंप के खुलने से स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी और क्षेत्र का आर्थिक विकास भी होगा. उन्होंने कहा कि इस नए पेट्रोल पंप के कारण आसपास के इलाके में नया बाजार भी विकसित होगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे. पेट्रोल पंप के प्रोपराइटर अखिलेश गुप्ता ने कहा कि यहां क्षेत्रवासियों को गुणवत्तायुक्त पेट्रोल और डीजल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वाहनों की देखभाल में भी मदद मिलेगी. उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान की जाएगी. उद्घाटन समारोह में पांकी विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र यादव, मुखिया जसवंत कुमार चंद्रवंशी, संतू सिंह, और कार्तिक सिंह सहित उपस्थित थे.

पुण्यतिथि पर याद किए गए, मेदिनीनगर की प्रथम महिला महापौर अरुणा शंकर ने कहा

पूरनचंद की राह पर चलना मेरे लिए गौरव की बात

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पूरनचंद विचार मंच के तत्वावधान में पंचमुहान स्थित स्वर्गीय पुरनचंद की प्रतिमा के समक्ष उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने पुष्पमाला अर्पित कर पुरनचंद को याद किया और उनकी साहित्यिक एवं सामाजिक कृतियों को याद किया. कार्यक्रम में मेदिनीनगर की प्रथम महिला महापौर अरुणा शंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. उन्होंने कहा कि वे स्वयं स्वर्गीय पुरनचंद से भले ही नहीं मिली हैं, लेकिन उनके पुण्यतिथि कार्यक्रमों में अभिभावकों और अन्य साहित्य प्रेमियों से उनकी कृतियों और जीवन के बारे में सुनती रहती हैं, जिससे उनका सम्मान और भी बढ़ जाता है.

अरुणा शंकर ने कहा, ₹अगर मैं स्व. पुरनचंद के पदचिन्हों पर थोड़ा भी चल सकूं तो अपने आप को धन्य मानूंगी.₹ उन्होंने साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में पुरनचंद की उपलब्धियों को सराहा.

इस अवसर पर पूरनचंद विचार मंच के अध्यक्ष रंजन चंद्रवंशी, मुख्य अतिथि रामचंद्र केसरी, ज्ञानचंद पांडे, तारकेश्वर आजाद, बलराम तिवारी, युगल किशोर प्रसाद, शशि भूषण प्रसाद, शैलेश चंद्रवंशी, विश्वनाथ राम, रवि पाल, अभिजीत कुमार, सचिव अनिल कुमार गुप्ता, सुनील प्रसाद, ललन प्रजापति, रिया चंद्रवंशी, संतोष प्रसाद, राजीव रंजन, और सीएस दुबे सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने पुरनचंद की साहित्यिक प्रतिभा और समाजसेवा को याद करते हुए उनकी स्मृति को जीवित रखने का संकल्प लिया. इस अवसर पर पुरनचंद की स्मृति में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी की गईं, जो उपस्थित जनों के लिए खास रही. पंचमुहान में आयोजित यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम पुरनचंद के प्रति सम्मान और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने की भावना का प्रतीक था. इस तरह के आयोजन साहित्यिक समाज के लिए प्रेरणादायक साबित होते हैं और युवा पीढ़ी को सामाजिक तथा सांस्कृतिक मूल्य सिखाने का माध्यम बनते हैं.

गरीबों के मसीहा थे पूरनचंद: बेरोजगार संघर्ष मोर्चा

मेदिनीनगर में पूर्व मंत्री एवं समाजवादी नेता पूरनचंद की पुण्यतिथि पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने पंच महान चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने कहा कि पूरनचंद गरीबों और दलितों की आवाज थे. वे हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के हक और अधिकार के लिए संघर्ष करते रहे. उनका समर्पण गरीबों के लिए अतुलनीय था और वे सड़क से सदन तक लगातार उनकी समस्याओं को उठाते रहे. उदय राम ने बताया कि पूरनचंद का सपना था कि पलामू क्षेत्र का समग्र विकास हो ताकि यहां के लोगों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके. इस अवसर पर मोर्चा के कई वरिष्ठ सदस्य जैसे कृष्णा राम, जयपाल मोची, संतोष विश्वकर्मा, सतीश दुबे, शिवनारायण साव और प्रवीण कुमार मौजूद थे. सभी ने मिलकर पूरनचंद की समाज सेवा और गरीबों के लिए उनके संघर्ष को याद किया तथा उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया.

उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक, कहा

10 से 25 अगस्त तक चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू जिले में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 10 से 25 अगस्त तक व्यापक अभियान चलाया जाएगा. इस कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से बुधवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में एमडीए/आईडीए 2025 अभियान के सफल क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई और पीपीटी के माध्यम से कार्यक्रम की रणनीति प्रस्तुत की गई.

बैठक में बताया गया कि अभियान के दौरान जिले के सभी प्रखंडों में 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर शेष जनसमुदाय को डीईसी, एल्बेंडाजॉल और आइवरमेक्टिन की एक-एक खुराक दवा दी जाएगी. उपायुक्त ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन एक सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें सभी विभागों एवं आम जनता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है. उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, वार्ड कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर दवा वितरण की समुचित व्यवस्था की जाए. साथ ही, गांव, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम से जुड़ें और दवा का सेवन करें.

उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक दीर्घकालिक और कष्टकारी रोग है, लेकिन समय पर दवा सेवन से इससे पूरी तरह बचा जा सकता है. उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस अभियान के दौरान फाइलेरिया रोधी दवा अवश्य लें और पलामू को फाइलेरिया मुक्त बनाने में योगदान दें. बैठक में डीडीसी जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, सिविल सर्जन डॉ. अनिल श्रीवास्तव, एमडीए के नोडल पदाधिकारी समेत शिक्षा, समाज कल्याण, पंचायती राज, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे. सभी विभागों को उनके जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया और अभियान को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय पर जोर दिया गया.

जनता दरबार में डीसी ने सुनी लोगों की फरियाद

मेदिनीनगर। समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखी. चैनपुर से आए 75 वर्षीय अनिल कुमार सिंह ने बताया कि उनकी उंगलियां काम नहीं करने के कारण उनका राशन कार्ड कैंसिल कर दिया गया है, जिससे आयुष्मान कार्ड बनवाने में भी दिक्कत आ रही है. उन्होंने हर्निया के इलाज के लिए भी प्रशासन से मदद मांगी. इसके साथ ही राशन कार्ड पुन: चालू करने और आयुष्मान कार्ड बनाने की गुहार लगाई. पांकी के बहेरा स्तरोन्नत उच्च विद्यालय के शिक्षक राजीव रंजन ने अपने बेटे की बीमारी का हवाला देते हुए मेदिनीनगर में ट्रांसफर की मांग की. वहीं, मेदिनीनगर के हमीदगंज निवासी कृष्णा राम ने बताया कि उनके पास 15 वर्षों का सरकारी वाहन चलाने का अनुभव है. स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्होंने पूर्व में वाहन चलाना छोड़ दिया था, पर अब किसी भी जगह चालक पद पर नियुक्ति की अपील की. हरिहरगंज की बिंदा देवी ने अपने मृत पति जो चौकीदार थे, उनके एसीपी/एमएएसीपी लाभ न मिलने की समस्या प्रशासन के सामने रखी.

उपायुक्त ने शुरू किया आदिम जनजाति के लिए 'उड़ान' कार्यक्रम

मेदिनीनगर। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के लगातार प्रयासों के बाद रामगढ़ प्रखंड के आदिम जनजाति बहुल गांवों में सरकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए 'उड़ान' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है. कुछ दिनों पहले हम पार्टी के पदाधिकारियों ने रामगढ़ प्रखंड के दूर-दराज के आदिम जनजाति गांवों का दौरा किया था, जहां उन्होंने सड़क, पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं के साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जरूरी दस्तावेजों की कमी देखी. इस पूरे दृश्य को देखकर हम पार्टी की पलामू इकाई ने उपायुक्त समीरा एस से मुलाकात कर आदिम जनजाति बहुल गांवों में कैंप लगाकर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का आग्रह किया. इस अनुरोध पर उपायुक्त ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 4 अगस्त से नावाडीह से 'उड़ान' कार्यक्रम की शुरुआत करने की घोषणा की. हम पार्टी के जिलाध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी ने उपायुक्त की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस पहल से आदिम जनजाति के लोगों को सरकारी योजनाओं से जुड़ने में काफी सुविधा होगी तथा उनकी जीवनशैली में सुधार होगा.

इस कार्यक्रम से आदिम जनजाति की समस्याओं का स्थायी समाधान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है. हम पार्टी ने ग्रामीण इलाकों में जनजाति समुदाय की भलाई के लिए अपनी सक्रियता और प्रयास जारी रखने का संकल्प भी लिया है.

शराब दुकानों की होगी नीलामी 12.50 करोड़ से शुरू होगी बोली

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

झारखंड की नई शराब नीति के तहत पलामू जिले की कुल 70 शराब दुकानों की नीलामी जल्द शुरू होने वाली है. इन दुकानों को 24 से 30 समूहों में बांटकर अनुमोदन के लिए भेजा गया है. बिहार सीमा से सटे हरिहरगंज में दो शराब दुकानों की बेस प्राइस 6.25 करोड़ रुपए रखी गई है, जबकि हुसैनाबाद के चार दुकानों की बेस प्राइस 10 करोड़ रुपए तय की गई है. हरिहरगंज की दो दुकानों से सरकार अगले सात महीनों में 12.50 करोड़ रुपए राजस्व वसूलने का लक्ष्य रख रही है. पलामू जिला शराब बिक्री के लिए खासा महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह बिहार से सटा हुआ है. 2012-13 में यहां शराब बिक्री से राज्य सरकार को 15 से 17 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था, जो अब बढ़कर 125 करोड़ रुपए से भी अधिक हो चुका है. पहले यहां 93 शराब दुकानें संचालित होती थीं, लेकिन अब उत्पाद विभाग के नियंत्रण में 70 दुकानों की नीलामी की तैयारी चल रही है. नीलामी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है और सभी दुकानों पर होमगार्ड के जवान तैनात किए गए हैं. उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि नीलामी के बाद शराब दुकानों का संचालन बेहतर होगा और इससे सरकार को अधिक राजस्व प्राप्त होगा. इस नीलामी से क्षेत्र में शराब बिक्री का संचालन पारदर्शी और प्रभावी बनाने की उम्मीद है

धैर्य, समर्पण व संकल्प के साथ सकारात्मक सोच गढ़ता है सुंदर भविष्य : मुकेश सिंह चौहान

शुभम संदेश। लेस्लीगंज

खुशी रथ बुधवार को सुदूर गांव भकासी पहुंचा, यहां उवि भकासी में खुशी क्लास सजा. ठेठ गंवई माहौल में तनिक सी खुशी की एनर्जी पाकर बच्चों ने गांव की बदहाली, नशा, अंधविश्वास पर खुल कर चर्चा की. यहां के बाद ग्लोबल ऐरा पब्लिक स्कूल ढेला में खुशी क्लास लगा. लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी मिशन के तत्वावधान में आयोजित खुशी क्लास को संबोधित करते हुए संस्थापक सह संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति महामारी का रूप लेता जा रहा है. हमारे बच्चे, बड़े-बूढ़े सभी तनिक से तनाव में आकर बहुमूल्य जिंदगी गंवा दे रहे हैं. तनाव दूर करने की कोई दवा बनी ही नहीं. इससे हम सकारात्मकता के साथ खुश रहकर ही लड़ सकते हैं.

चौहान ने सकारात्मकता से सजी कहानी भी सुनाई--एक गुब्बारे वाला बच्चों को लुभाने के लिए तरह-तरह के गुब्बारे रखता. लाल, पीले, हरे, नीले.. जब कभी उसे लगता की बिक्री कम हो रही है, वह झट से एक गुब्बारा हवा में छोड़ देता. गुब्बारा उड़ता देखकर बच्चे खुश हो जाते और गुब्बारे खरीदने के लिए पहुंच जाते हैं. इसी तरह एक दिन वह हाट में गुब्बारे बेच रहा था. पास ही खड़ा एक छोटा बच्चा ये सब बड़ी जिज्ञासा के साथ देख रहा था. इस बार जैसे ही गुब्बारे वाले ने एक सफ़ेद गुब्बारा उड़ाया, वह तुरंत उसके पास पहुंचा और मासूमियत से बोला- अगर आप ये काला वाला गुब्बारा छोड़ेंगे, तो क्या वो भी ऊपर जाएगा. गुब्बारा वाले ने कहा- हां बेटा, बिलकुल जाएगा. गुब्बारे का ऊपर जाना इस बात पर निर्भर नहीं करता है कि वो किस रंग का है, बल्कि इसपर निर्भर करता है कि उसके अंदर क्या भरा है.

एक नजर

जेपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों का लेस्लीगंज में सम्मान समारोह

लेस्लीगंज/पलामू। लेस्लीगंज स्थित मौर्या फार्म हाउस में बुधवार को पांकी विधानसभा क्षेत्र के जेपीएससी में सफल अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सफल अभ्यर्थियों को शॉल, बुके, डायरी और पेन भेंट करते हुए मिठाई खिलाकर सम्मानित किया. उन्होंने अभ्यर्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी. सम्मानित अभ्यर्थियों में लेस्लीगंज के ओरिया गांव के उज्ज्वल कुमार मेहता (पिता दीपक मेहता), कुंदरी के विशाल कुमार सिंह (पिता स्व. जगदीश सिंह), और तरहसी के केशव कुमार (पिता नागेंद्र प्रसाद) शामिल थे. विधायक डॉ. मेहता ने कहा कि ये सभी अभ्यर्थी क्षेत्र की शान हैं और वे भविष्य में भी सेवा और क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं. कार्यक्रम में जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, प्रो. बच्चन ठाकुर, प्रखंड नीलांबर पीतांबरपुर के विधायक प्रतिनिधि छोटेलाल सोनी, मुखिया संघ अध्यक्ष मंदीप मेहता, जिला परिषद सदस्य सुधा उरांव, उनके पति एवं विधायक प्रतिनिधि अजय उरांव, मिडिया प्रभारी राकेश कुमार वर्मा (सोनू वर्मा), निर्मल मेहता, महेंद्र कुशवाहा, लोहरसी मंडल अध्यक्ष रौशन सिंह, विधायक प्रतिनिधि महेश यादव, आशीष सिन्हा, वीरेंद्र कुमार चंद्रवंशी सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. यह आयोजन क्षेत्र के युवाओं को प्रोत्साहित करने और उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरणा प्रदान करने का प्रयास था.

सुख, शांति और आध्यात्मिक विकास का विधान है रुद्राभिषेक: अविनाश देव

मेदिनीनगर। झारखंड के पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर आज रुद्राभिषेक का आयोजन भव्य रूप से किया गया. इस धार्मिक आयोजन में झामुमो नेता एवं संत मरियम स्कूल के अध्यक्ष अविनाश देव भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. उन्होंने रुद्राभिषेक की महत्ता और उसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला. अविनाश देव ने बताया कि सनातन संस्कृति में सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है. शिव के एक रूप को रुद्र कहा जाता है, जिसका अर्थ है "संताप को हरने वाला." इसी कारण शिव को रुद्राभिषेक के माध्यम से पूजकर आनंदित किया जाता है. रुद्राभिषेक में भगवान शिव के रौद्र स्वरूप की पूजा की जाती है, जिससे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है. उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से मानसिक शांति के साथ-साथ आध्यात्मिक विकास होता है. पूजा के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने भगवान शिव से अपने जीवन में खुशहाली और समृद्धि की कामना की. यह आयोजन धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा. इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने रुद्राभिषेक के महत्व को समझते हुए भक्ति और श्रद्धा के साथ पूजा में भाग लिया. अविनाश देव ने सभी को सावन के महीने में शिवभक्ति को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा भी दी.

अभाविप ने विधायक प्रकाश राम को सौंपा ज्ञापन

लातेहार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, लातेहार ने राज्य विश्वविद्यालय विधेयक-2025 में कुलपति व अन्य उच्च पदों की नियुक्ति का अधिकार राज्यपाल से हटाकर राज्य सरकार को सौंपे जाने का कड़ा विरोध किया है. परिषद ने लातेहार विधायक प्रकाश राम को ज्ञापन सौंपकर झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाने की मांग की.परिषद ने कहा कि यह विधेयक विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और संविधान प्रदत्त राज्यपाल के अधिकारों का हनन है. परिषद ने विधेयक के तहत गठित राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग का स्वागत किया, पर स्पष्ट किया कि इसका कार्य केवल शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति तक सीमित होना चाहिए.ज्ञापन में झारखंड लोक सेवा आयोग एवं अन्य संस्थाओं की विफलताओं का हवाला देते हुए राज्य सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाए गए. मौके पर जिला संयोजक मुकेश यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नागमणि यादव, आनंद यादव और रितेश कुमार मौजूद थे.

महुआडांड : संत जेवियर्स कॉलेज में मनाया गया संत इग्नासियुस लोयोला का पर्व

महुआडांड़ (लातेहार)। संत जेवियर्स कॉलेज में जेसुइट समाज के संस्थापक संत इग्नासियुस लोयोला की स्मृति में बुधवार को पर्व मनाया गया. इस अवसर पर कॉलेज परिसर भक्ति, सेवा और प्रेरणा के वातावरण से ओत-प्रोत हो उठा. कार्यक्रम का आयोजन जेसुइट परंपरा के केंद्रीय आदर्श "ईश्वर की महानतम महिमा हेतु" को समर्पित रहा. इस दिन को कॉलेज के लिए प्रेरणा और आत्मचिंतन के रूप् में मनाया गया जिसमें सेवा, न्याय और शिक्षा के आदर्शों को पुनः आत्मसात किया गया. मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. फादर एमके जोस ने संत इग्नासियुस के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा संत इग्नासियुस लोयोला केवल एक धार्मिक संत ही नहीं बल्कि वे एक महान विचारक थे.

केवी प्रबंध समिति की बैठक मे लिए गये कई निर्णय

लातेहार। सत्र 2025-26 में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, लातेहार के विद्यालय प्रबंध समिति की पहली बैठक विद्यालय परिसर में आयोजित की गयी. बैठक में विद्यालय के शैक्षणिक व परीक्षा परिणामों पर चर्चा की गयी. प्राचार्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस वर्ष 10वीं और 12 वीं की परीक्षा में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के छात्र जिला में टॉपर रहे हैं. उन्होने बताया कि छात्रों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा मिले, इसके लिए शिक्षकों को नयी शिक्षा नीति के तहत अपडेट किया जाता है और उनका प्रशिक्षण भी कराया जाता है. बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए क्रय समिति का अनुमोदन किया गया.

चोरों ने बंद घर का ताला तोड़ कर चोरी कर ली

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के मोंगर ग्राम में 29 जुलाई की रात्रि चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़ कर चोरी कर ली. चोर घर से नगदी और जेवर आदि ले कर फरार हो गये. इस संबंध में पीड़िता प्रिया कुमारी पति स्व चंचल प्रसाद ने सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए एक आवेदन दिया है.उन्होने अपने आवेदन में बताया है कि वह पिछले 24 जुलाई से अपना इलाज कराने के लिए रांची गयी थी. घर में कोई नहीं था. इसी दौरान 29 जुलाई को अज्ञात चोर घर का मेन ग्रील तोड़ कर घर के अंदर प्रवेश किये और बक्सा व आलमीरा में रखे एक लाख 35 हजार रूपये, पायल एक जोड़ा, कान की बाली एक जोड़ा, नाक का तीन जोड़ा, सोने का लॉकेट, कान का टॉप व चांदी का सिक्का के अलावा उसके शैक्षणिक प्रमाण पत्र आदि की चोरी कर लिया.

फुटबॉल

बोदा में बीएफसी-2025 फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन धूमधाम से हुआ

खिलाड़ियों का खेल प्रेमियों ने किया उत्साहवर्धन

शुभम संदेश। लातेहार

बोदा गांव में बीएफसी बोदा के द्वारा आयोजित बीएफसी-2025 फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह और धूमधाम से संपन्न हुआ. उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय फुटबॉल प्रेमी और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने खेल के प्रति अपनी गहरी रुचि और समर्थन का प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता का शुभारंभ झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, आम आदमी पार्टी के झारखंड प्रवक्ता सौरभ श्रीवास्तव, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रणजीत उराव, तथा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष नौशाद आलम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. इसके बाद मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और भारत माता के जयकारों के बीच भव्य आतिशबाजी कर इस फुटबॉल प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ हुआ. उद्घाटन मैच भी अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें स्मॉल ब्लास्टर ने पेनाल्टी शूटआउट के जरिए रफ राइडर रानीखटंगा को एक गोल से हराकर पहली जीत दर्ज की. मैच का लाइव कमेंट्री बोदा के मो. मुस्लिम ने की, जिससे खेल का रोमांच दोगुना हो गया.

इस अवसर पर रणजीत उराव ने कहा कि झारखंड में फुटबॉल के चाहने वाले युवाओं की संख्या बहुत अधिक है और बोदा जैसे ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह का आयोजन खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने युवाओं के सर्वांगीण विकास में खेल की भूमिका को भी अहम बताया. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि और बीएफसी के संरक्षक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि बोदा जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्र में इस प्रतियोगिता का आयोजन न केवल खेल को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि यह झामुमो के सहयोग से जिले में खेल के विकास का मील का पत्थर साबित होगा. उन्होंने आयोजन में लगे सभी युवाओं और सदस्यों की सराहना की, जिन्होंने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया.

प्रतियोगिता के आयोजन में बीएफसी के मार्गदर्शक महबूब अंसारी, मो. अख्तियार, मो. सिराज, अध्यक्ष बबलू राही, सचिव समीर अंसारी, कोषाध्यक्ष मो. सज्जाद, तनवीर, साजिद, सोनू, इम्तियाज, रघु, मुस्लिम सहित कई अन्य युवाओं ने मिलकर बढ़-चढ़कर सहयोग किया. बीएफसी- 2025 फुटबॉल प्रतियोगिता युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने और क्षेत्र में खेल संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है. इस आयोजन ने स्पष्ट कर दिया कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम ही नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभाता है. इस प्रकार बोदा में हुई यह प्रतियोगिता खेल प्रेमियों के लिए एक यादगार आयोजन साबित हुई, जिसने स्थानीय युवा प्रतिभाओं को सामने लाने का भी अवसर प्रदान किया. आने वाले दिनों में यह प्रतियोगिता क्षेत्रीय खेलों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की उम्मीद जगाती है.

झामुमो समाज को जोड़ता है तोड़ता नहीं: मिथिलेश ठाकुर

शुभम संदेश। गढ़वा

झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बुधवार को लगभग 1000 कांवरियों को बोल बम यात्रा के लिए रवाना किया. इस दौरान सभी कांवरिए अपने घर, परिवार, झारखंड की खुशहाली और दिशोम गुरू शिबु सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए श्रद्धा और भक्ति के साथ यात्रा पर निकले. पूर्व मंत्री ठाकुर ने कांवरियों के लिए बस एवं रास्ते में नाश्ता-खाना समेत ठहरने की पूरी व्यवस्था की. बुधवार की सुबह कांवरियों का जमावड़ा मिथिलेश ठाकुर के आवास पर हुआ. वहां से भोजन के बाद सभी कांवरिए चिनियां मोड़ स्थित काली मंदिर पहुंचे जहां पूजा-अर्चना की गई. इसके बाद कांवरियों ने पैदल रंका मोड़ संकट मोचन मंदिर, गढ़देवी मंदिर होते हुए बस स्टैंड तक यात्रा पूरी की, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कांवरियों ने भक्ति गीतों पर झूमकर धार्मिक उल्लास मनाया. इस अवसर पर पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कई वर्षों से बोल बम यात्रा का आयोजन करता आ रहा है. यह यात्रा सभी जाति एवं धर्म के लोगों को जोड़ने का माध्यम है. उन्होंने कहा, ₹कुछ लोग जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने और तोड़ने का प्रयास करते हैं, लेकिन झामुमो हमेशा समाज को जोड़ने का काम करता है. झामुमो सर्वजाति और सर्वधर्म सम्मान की नींव पर चलता है. मिथिलेश ठाकुर ने सभी कांवरियों से अपील की कि वे अपने घर, परिवार और पूरे झारखंड एवं देश की खुशहाली की कामना करें. साथ ही, पिछले एक महीने से इलाजरत झारखंड के मुख्यमंत्री शिबु सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए भी प्रार्थना करें. ठाकुर ने बताया कि कांवरियों के लिए पूरे रास्ते का नाश्ता, खाना और ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है. उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि वे एक साथ यात्रा करें और एक साथ ही वापस लौटें. इस मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष शंभु राम, सचिव शरीफ अंसारी, चंदन जायसवाल, रेखा चौबे, अनिता दत्त, तनवीर आलम, मनोज ठाकुर, मनीष कमलापुरी, धनंजय तिवारी, जवाहर पासवान, फरीद खान, अरविंद यादव, नवीन तिवारी, प्रियम सिंह, सलीम जाफर, चंदा देवी, ज्योति प्रकाश केशरी, आशिष अग्रवाल सहित कई लोग उपस्थित थे.

ब्रीफ न्यूज

प्रेम विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति हिरासत में

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र के गावां थाना अंतर्गत 19 वर्षीय विवाहिता प्रेरणा साहू उर्फ साजिया परवीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. शव दो दिनों तक घर में पड़ा रहा, जिसकी सूचना पुलिस को मिली. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया. मृतका का शव पहले गावां थाना क्षेत्र के किराए के घर में दफनाने का प्रयास किया गया, लेकिन स्थानीय कब्रिस्तान कमेटी ने अनुमति नहीं दी. इसके बाद शव लेकर वह जयनगर आया, जहां भी दफन की अनुमति नहीं मिली. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर युवक के घर से शव बरामद कर उसे हिरासत में लिया है.

ग्रामीणों को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया

रामगढ़। चितरपुर दक्षिण एवं पश्चिम पंचायत सचिवालय में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी के नेतृत्व में ग्रामीणों को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का प्रशिक्षण दिया गया. उपायुक्त के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से CPR की तकनीक जैसे छाती पर सही दबाव, माउथ-टू-माउथ श्वसन, और त्वरित प्राथमिक उपचार की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई. एएनएम अमिता कुजूर, गंगोत्री होरो, और अन्य विशेषज्ञों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया. ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं ने सक्रिय भागीदारी दिखाई.

दिनदहाड़े अपार्टमेंट से 15 लाख रु कैश चोरी

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े एक अपार्टमेंट के पांचवें तल्ले से करीब 15 लाख रुपये कैश चोरी हो गया. यह घटना धोबिया तालाब स्थित नीलांबर इनक्लेव में हुई. निजी कंपनी के निदेशक दीपक और उनके सहयोगी दोपहर करीब 1 बजे कार्यालय के लिए निकले थे. दोपहर 3.18 बजे दो युवक लिफ्ट से अपार्टमेंट में प्रवेश करते हैं, पहले तीसरे तल्ले में उतरकर फिर सीढ़ियों से पांचवें तल्ले तक पहुंचते हैं. दो मिनट के भीतर फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसते हैं और तीन मिनट में अलमारी से कैश निकाल फरार हो जाते हैं. चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. पुलिस ने फोरेंसिक टीम से फिंगरप्रिंट भी उठवाए हैं और आरोपित युवकों की उम्र 22-25 वर्ष बताई जा रही है. पुलिस कई थानों से संपर्क कर उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रही है.

डीएमएफटी के तहत चल रहे विकास कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा, कहा

पर्यटन स्थलों पर हो रहे विकास कार्यों को पूरा करें

शुभम संदेश। रामगढ़

उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के माध्यम से जिले में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. इस दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत संचालित विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली और सभी एजेंसियों को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए. बैठक में उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत योजनाओं को समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिया. साथ ही उपस्थित सभी सहायक अभियंताओं को योजनाओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए. पर्यटन विकास के क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने जिले के पर्यटन स्थलों पर हो रहे विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने का भी निर्देश दिया. उन्होंने जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ट्रेकिंग साइट, इको टूरिज्म साइट जैसे नए पर्यटन स्थलों के चिन्हांकन एवं विकास को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. इसके अतिरिक्त, बैठक में रामगढ़ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जिला और प्रखंड स्तर पर खेल स्टेडियम एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अखरा निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए. बैठक में उप विकास आयुक्त आशिष अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद, गोपनीय प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

स्वतंत्रता दिवस 2025 की तैयारियों को लेकर डीसी ने की बैठक, कहा

कार्यक्रम स्थल पर अग्निशमन दस्ता और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो

शुभम संदेश। चतरा

स्वतंत्रता दिवस 2025 के भव्य एवं सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में चतरा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिले के सभी विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे. बैठक में उपायुक्त ने बताया कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह जिले के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा. मुख्य कार्यक्रम प्रातः 9:05 बजे ध्वजारोहण से शुरू होगा. इसके बाद झंडोतोलन, राष्ट्रगान, सलामी परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. उपायुक्त ने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, रंग-रोगन, लाउडस्पीकर व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता, बैठक की सुव्यवस्था, अग्निशमन दस्ता की तैनाती तथा समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए. उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान की भी विशेष व्यवस्था करने को कहा.

इसके अतिरिक्त, फांसी तालाब एवं रेड क्रॉस परिसर में भी ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया जाएगा. इस संबंध में उन्होंने फांसी तालाब शहीद स्मारक पर प्रातः 8:15 बजे, पोस्ट ऑफिस चौक बाबा भीमराव अम्बेडकर मूर्ति पर प्रातः 8:25 बजे, तथा रेड क्रॉस भवन चतरा में प्रातः 8:30 बजे झंडोतोलन की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए. स्वतंत्रता दिवस के दिन सुबह 8:00 बजे समाहरणालय परिसर में भी ध्वजारोहण किया जाएगा, जिससे पूरे जिले में उत्साह एवं गौरव का माहौल बन सके. परेड की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने बताया कि इसकी पूर्वाभ्यास 5 अगस्त 2025 से रोजाना सुबह 9:00 बजे से शुरू होगी, और अंतिम पूर्ण ड्रेस रिहर्सल 12 अगस्त को सुबह 9:00 बजे आयोजित की जाएगी. इससे परेड में किसी भी तरह की कमी नहीं रह जाएगी और कार्यक्रम प्रभावशाली होगा. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक जिला प्रशासन एवं पत्रकार एकादश के मध्य एक फैंसी फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा. इस प्रकार खेल के माध्यम से भी उत्सव को और अधिक आनंदमय बनाया जाएगा.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 15 अगस्त की संध्या को शाम 6:00 बजे जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में एक सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी. इस कार्यक्रम में देशभक्ति आधारित गीत, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, जो स्वतंत्रता दिवस की गरिमा और संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगी. सांस्कृतिक संध्या के सफल आयोजन के लिए एक समर्पित समिति का गठन भी किया गया है, जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हैं. समिति को आयोजन स्थल की सजावट, प्रकाश व्यवस्था, अतिथियों के स्वागत, दर्शकों की व्यवस्था एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है.

बैठक में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. उपायुक्त ने सभी विभागों को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी में पूर्ण समर्पण एवं तत्परता दिखाने को कहा ताकि 15 अगस्त का दिन जिले के लिए यादगार बन सके.

उन्होंने कहा कि समय से सभी तैयारियों को पूरा कर परंपरागत एवं आधुनिकता के साथ देशभक्ति का संदेश पूरे जोश के साथ प्रसारित किया जाए. इस प्रकार उपायुक्त की यह बैठक स्वतंत्रता दिवस 2025 को भव्य और सफल बनाने के लिए निर्णायक साबित होगी. सभी संबंधित अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे और जिला प्रशासन के समन्वित प्रयास से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होगा.

डीसी ने सीएसआर मद से संचालित योजनाओं की समीक्षा की

रामगढ़। सांसद मद, विधायक मद एवं कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) मद से संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा हेतु बुधवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न वित्तीय वर्षों में सांसद, विधायक और सीएसआर मद के तहत शुरू की गई योजनाओं की वर्तमान स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया. उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया और यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी परिस्थिति में योजनाओं का दोहरीकरण न हो. सीएसआर मद से संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि वे पिछले पांच वर्षों में सीएसआर एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं. बैठक में सांसद एवं विधायक मद से संचालित योजनाओं की प्रगति को प्रखंडवार आधार पर प्रखंड विकास पदाधिकारियों से लिया गया. उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके. बैठक में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो, जिला योजना पदाधिकारी संतोष भगत एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

ओबीसी कांग्रेस ने किया धरने का ऐलान

संवाददाता। हजारीबाग

प्रदेश ओबीसी कांग्रेस ने 6 अगस्त को रांची राजभवन के सामने 27% ओबीसी आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर बड़ा धरना प्रदर्शन आयोजित करने का ऐलान किया है. हजारीबाग परिसदन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के अध्यक्ष सुरजीत नागवाला ने बताया कि झारखंड बनने के समय ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण मिला था, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने इसे 14% पर सीमित कर दिया. इस कारण ओबीसी वर्ग को आरक्षण का सही लाभ नहीं मिल पाया है और उनकी सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक स्थिति दयनीय बनी हुई है. उन्होंने बताया कि 2022 में झारखंड विधानसभा ने ओबीसी आरक्षण को 27% तक बढ़ाने का विधेयक पारित किया था, लेकिन राज्यपाल ने इसे कानूनी राय के हवाले से वापस लौटा दिया. इसके लिए राज्यपाल और केंद्र सरकार की सहमति न होना जिम्मेदार है. प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रकाश कुमार ने बताया कि इस धरना प्रदर्शन में राज्य भर से बड़ी संख्या में लोग जुड़ेंगे, जिसमें हजारीबाग से 400 कांग्रेस नेता भी शामिल होंगे. धरना प्रदर्शन का उद्देश्य 27% आरक्षण लागू कराने के साथ-साथ जाति जनगणना, पिछड़ा वर्ग मंत्रालय का गठन, निजी क्षेत्र में आरक्षण और 50% आरक्षण सीमा हटाने की मांग भी है. प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला ने कहा कि इस आंदोलन के जरिए ओबीसी वर्ग के अधिकारों की रक्षा की जाएगी. 25 जुलाई को दिल्ली में आयोजित ओबीसी राष्ट्रीय कांग्रेस के न्याय सम्मेलन में भी इन मांगों को बल मिला है, जहां कांग्रेस ने जातिगत जनगणना और सामाजिक-आर्थिक समावेशन पर जोर दिया. प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश इंटेक सचिव धीरज सिंह, जिला महासचिव सुनील साहू, जिला उपाध्यक्ष मंसूर आलम सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद थे. 6 अगस्त को राजभवन घेराव में दस हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पांचवीं वर्षगांठ पर समारोह

संवाददाता। हजारीबाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय, बीएसएफ मेरु, हजारीबाग में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए.

समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें विधायक समेत विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं अतिथियों ने भाग लेकर मां सरस्वती से ज्ञान और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा का आशीर्वाद प्राप्त किया. इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शिक्षा प्रणाली की झलक प्रस्तुत की. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा सौर ऊर्जा पर आधारित विज्ञान प्रदर्शनी रही, जिसका उद्घाटन विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया. उन्होंने बच्चों द्वारा बनाए गए वैज्ञानिक मॉडल्स को ध्यानपूर्वक देखा और उनके नवाचार एवं रचनात्मकता की सराहना की. विधायक ने विद्यालय परिसर में पी एम श्री योजना के अंतर्गत निर्मित शिलापट का भी अनावरण किया. अपने संबोधन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का आभार प्रकट करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव बताया. उन्होंने कहा कि यह नीति बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा पाने, विषयों के चयन में लचीलापन और रोजगारोन्मुख कौशल विकसित करने का अवसर देती है. उन्होंने नई शिक्षा नीति को ₹ज्ञान और संस्कार का संतुलन₹ बताते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों में सोचने, खोजने, बनाने और बदलने की शक्ति विकसित करती है. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ. विधायक ने विद्यालय परिवार को सफल आयोजन की बधाई देते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया.

बैठक — डीसी ने जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन की प्रगति की समीक्षा की, कहा

पेयजल परियोजनाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए

शुभम संदेश। हजारीबाग

जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में इन योजनाओं की अद्यतन प्रगति, जलापूर्ति की स्थिति और पेयजल से जुड़ी समस्याओं के निराकरण पर विस्तार से चर्चा की गई. उपायुक्त ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही पेयजल आपूर्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन किया जाए. उन्होंने कहा कि विद्युत से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कर पेयजल परियोजनाओं की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित की जाए.

सिंह ने अधिकारियों को क्षेत्रीय भ्रमण कर जलापूर्ति योजनाओं में आ रही समस्याओं की भौतिक जांच करने और एफएचटीसी कवरेज एवं आरएस मैपिंग के भौतिक सत्यापन के माध्यम से लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही ₹हर घर जल योजना₹, सिंगल विलेज और मल्टी विलेज स्कीम की नियमित मॉनिटरिंग पर भी बल दिया गया. स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत पीवीटीजी (अत्यंत पिछड़ा जनजातीय समूह) समुदायों के लिए शौचालय निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश भी दिया गया. उपायुक्त ने ओडीएफ प्लस के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया. बैठक में पेयजल आपूर्ति से संबंधित कार्यों, जल स्रोतों की वर्तमान स्थिति, जल टंकियों की दशा, मरम्मत कार्यों और योजनाओं की प्रगति की प्रखंडवार समीक्षा की गई. बैठक में उप विकास आयुक्त इस्तियाक अहमद, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे.

फाइलेरिया के उन्मूलन के लिए दवा का सेवन है जरूरी

हजारीबाग। जिला समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए ₹एमडीए-आईडीए अभियान 2025₹ की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. इस अभियान का आयोजन आगामी 10 अगस्त से 25 अगस्त तक जिले भर में किया जाएगा. बैठक में स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया. उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फाइलेरिया जैसी गंभीर संक्रामक बीमारी की रोकथाम और उन्मूलन के लिए सभी नागरिकों को दवा सेवन कराना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि यह अभियान जनहित में अत्यंत जरूरी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि तत्काल प्रभाव से अभियान की सभी तैयारियां शुरू की जाएं. विशेषकर जनजागरूकता, प्रचार-प्रसार और सामुदायिक सहभागिता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को दवा खाने के लिए प्रेरित करना सबसे महत्वपूर्ण है.अभियान के दौरान जिले के आंगनबाड़ी केंद्र, वार्ड कार्यालय, स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी संस्थान, निजी और सरकारी कार्यालयों में एमडीए-आईडीए की दवाएं निःशुल्क वितरित की जाएंगी. साथ ही, जो लाभार्थी छूट जाएंगे, उन्हें स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर दवाएं देंगे.

एक नजर

संसद में गूंजा सहारा इंडिया निवेशकों का दर्द

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने संसद के शीतकालीन सत्र में सहारा इंडिया के करोड़ों निवेशकों और अभिकर्ताओं की लंबित भुगतान समस्या को प्रमुखता से उठाया. उन्होंने केंद्र सरकार की सहारा इंडिया के फंसे हुए पैसे जब्त करने की पहल का स्वागत किया और सरकार से अपील की कि भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाई जाए ताकि निवेशकों को जल्द राहत मिल सके. सांसद ने बताया कि सहारा इंडिया में निवेश करने वाले करोड़ों लोग गरीब, मजदूर, किसान और सामान्य परिवार हैं, जिन्होंने अपनी छोटी-छोटी बचत बच्चों की शिक्षा, शादी या घर बनाने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए जमा की थी. ये निवेशक और अभिकर्ता वर्षों से अपनी राशि की वापसी का इंतजार कर रहे हैं और लगातार आर्थिक एवं मानसिक दबाव में हैं.

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला- 2025 का सफल आयोजन

कोडरमा। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग और जिला नियोजनालय के संयुक्त प्रयास से दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला – 2025 का आयोजन समाहरणालय परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. रोजगार मेले का उद्घाटन उपायुक्त श्री ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष श्री रामधन यादव एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती निर्मला देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. उपायुक्त ऋतुराज ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है. उन्होंने बताया कि यह रोजगार मेला हर तीन माह में आयोजित किया जाता है, जिसमें युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों से सीधे जुड़ने और रोजगार पाने का अवसर मिलता है. उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक आवेदन करने और ऑनलाइन कक्षाओं के जरिए अपने कौशल को बढ़ाने की भी अपील की.

कार्मेल स्कूल की तानाशाही पर भड़के विधायक

हजारीबाग। माउंट कार्मेल स्कूल की मनमानी और अमानवीय रवैये ने एक बार फिर विवादों को जन्म दिया है. बुधवार को स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ गई. परिजन जब बच्चे को लेने बड़े पापा के रूप में पहुंचे, तो स्कूल प्रशासन ने गार्जियन के पास पेरेंट्स कार्ड न होने के कारण उसे बच्चा सौंपने से इनकार कर दिया. गार्जियन ने बताया कि कार्ड भूलवश घर में रह गया है, जबकि बच्चे के पिता ने स्वयं स्कूल को फोन कर बड़े पापा की पहचान की पुष्टि की. बावजूद इसके, स्कूल प्रशासन ने जिद नहीं छोड़ी और बीमार बच्चे को गार्जियन को सौंपने से इंकार करता रहा. स्थिति बिगड़ने पर गार्जियन ने हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद को जानकारी दी. विधायक ने तुरंत स्कूल पहुंचकर प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई.

जल्द मिलेगी दो बड़ी सड़क परियोजनाओं की सौगात

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से हजारीबाग को दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का तोहफा मिलने जा रहा है. सांसद ने संसद भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर हजारीबाग में 20 किमी लंबी रिंग रोड निर्माण और सुल्ताना-सिमरिया-चतरा मार्ग के चौड़ीकरण की मांग रखी. इस दौरान सांसद ने मंत्री को इन परियोजनाओं का ज्ञापन भी सौंपा. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद की मांगों को सकारात्मक तौर पर स्वीकार करते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए हैं. हजारीबाग रिंग रोड का निर्माण चतरा रोड से लेकर नगवां फ्लाईओवर और सिलवार एनएच-522 तक होगा, जिसकी अनुमानित लागत 450 करोड़ है. इस रिंग रोड के बनने से शहर के अंदर यातायात जाम, प्रदूषण और दुर्घटनाओं में कमी आएगी.

अंतिम सोमवारी पर रजरप्पा में भक्ति जागरण

रामगढ़। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर मां छिन्नमस्तिका सेवा समिति, रजरप्पा द्वारा भव्य भक्ति जागरण और सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा. मंदिर परिसर में लगे इस शिविर में कांवरियों और श्रद्धालुओं को फल, चना, गुड़ और शरबत वितरित किया जाएगा ताकि यात्रा के दौरान उन्हें ऊर्जा मिल सके. समिति अध्यक्ष राजीव जायसवाल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया. उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सेवा हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं. सावन की अंतिम सोमवारी पर रजरप्पा धाम पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है, इसलिए समिति सुनिश्चित करेगी कि किसी को कोई असुविधा न हो.

कोडरमा में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा। जिला प्रशासन, रेलवे लाइन एक्सप्रेस और स्थानीय निकाय के संयुक्त प्रयास से 11 जुलाई से 30 जुलाई तक व्यापक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न हुआ, जिसमें 16,746 मरीजों ने जांच कराई. शिविर में आंख, कान, दांत, स्त्री रोग, हड्डी और प्लास्टिक सर्जरी से जुड़े रोगियों की जांच के साथ कुल 1,134 सफल सर्जरी की गईं. वहीं, आउटरीच कार्यक्रम के तहत 3,597 घरों का दौरा कर स्थानीय निवासियों की स्वास्थ्य जांच की गई. डीसी श्री ऋतुराज ने प्रेस वार्ता की इसकी जानकारी दी. कहा कि इसके अलावा, 19 जून से 22 जुलाई के बीच जिले के अंचल कार्यालयों में विशेष राजस्व कैंप आयोजित कर 1,232 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें से 644 का मौके पर निपटारा हुआ और 195 को स्वीकृति दी गई.

कांवर यात्रा की तैयारियों का डीसी ने किया निरीक्षण

कोडरमा। सावन माह के अंतिम सोमवार को लेकर कांवर यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण उपायुक्त ऋतुराज ने ध्वजाधारी धाम और झरनाकुंड में किया. इस दौरान उन्होंने यात्रा रूट का जायजा लेकर सुरक्षा एवं सुविधाओं की समीक्षा की. उपायुक्त ने अधिकारियों को साफ-सफाई, जल व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, पुलिस सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसलिए सभी प्रशासनिक इंतजाम समय से किए जाएं. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के साथ-साथ प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों की तैयारियों की भी जांच की. जल प्रबंध को बेहतर बनाने और सफाई व्यवस्था को बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया.

जिला जनसंपर्क कार्यालय में मीडिया सेंटर का उद्घाटन

कोडरमा। जिला जनसंपर्क कार्यालय कोडरमा में आज अत्याधुनिक ₹मीडिया सेंटर₹ का विधिवत उद्घाटन किया गया. यह उद्घाटन उपायुक्त श्री ऋतुराज द्वारा किया गया, जिन्होंने इस अवसर पर मीडिया सेंटर के महत्व और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि इस सेंटर के संचालन से समाचार संकलन, संपादन, प्रेस विज्ञप्ति प्रसारण, मीडिया गोष्ठी तथा पत्रकार सम्मेलन जैसे कार्यों में काफी सुधार और प्रभावशीलता आएगी. उपायुक्त ने कहा कि यह मीडिया सेंटर जिला प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में एक मजबूत कड़ी साबित होगा. इसके माध्यम से प्रशासन की योजनाओं, गतिविधियों और महत्वपूर्ण सूचनाओं का तेजी से और सटीक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा. मीडिया सेंटर का उद्देश्य संवाद और सूचना आदान-प्रदान को अधिक सशक्त बनाना है ताकि जनप्रतिनिधियों एवं जनता तक सही सूचना पहुँच सके.

डीडीसी ने किया विकास योजनाओं का स्थल निरीक्षण

घाघरा (गुमला)। उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो ने बुधवार को घाघरा प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में आम बागवानी, अबुवा आवास, आंगनबाड़ी केंद्र, पीडीएस दुकान सहित आदर पंचायत में संचालित विकास योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया. राशि मिलने के बावजूद लाभुक लालमुनिया देवी द्वारा अबुवा आवास का निर्माण कार्य आरंभ नहीं कराया गया है. जिस पर डीडीसी ने राशि वापस लिए जाने की प्रक्रिया शुरु करने के बीडीओ को आदेश दिया. लाभुक ने इस हफ्ते काम प्रारंभ करने की बात कही. आयुष्मान आरोग्य केंद्र में दवा की उपलब्धता की जांच की. मौके पर एएनएम द्वारा छत से पानी की रिसाव की जानकारी देते हुए मरम्मत कराने की गुहार लगाई गई. उत्क्रमित मध्य विद्यालय में बन रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जांच की एवं काफी दूर से पानी की व्यवस्था को देख इसका निराकरण का आश्वासन दिया. डीडीसी ने पीडीएस दुकानदार हेठ आदर एवं एचएसजी चमेली समूह का निरीक्षण किया और स्टॉक एवं निर्गत पंजी के संधारण का निर्देश दिया.

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने चान्हो के नर्सिंग कौशल कॉलेज का किया निरीक्षण, कहा

पीपीपी मोड पर कौशल विकास संस्थानों को बढ़ावा देंगे

शुभम संदेश। रांची

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुधवार को चान्हो प्रखंड स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज का निरीक्षण किया. इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज प्रबंधन समिति के साथ बैठक कर कॉलेज के संचालन, आधारभूत संरचना और भविष्य की योजनाओं को लेकर विचार-विमर्श किया. निरीक्षण के दौरान मंत्री लिंडा ने कॉलेज परिसर की भौतिक स्थिति, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छात्रावास सुविधाओं का गहन अवलोकन किया. उन्होंने कॉलेज की छात्राओं से संवाद भी किया और उनकी शैक्षणिक व बुनियादी आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना. मंत्री ने आश्वस्त किया कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि छात्राओं को बेहतर और सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण मिल सके.

लिंडा ने कॉलेज प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि यह कैंपस अत्यंत सुव्यवस्थित और संसाधनों से परिपूर्ण है. इसका समुचित उपयोग करते हुए हम यहां मेडिकल शिक्षा से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक कोर्स जैसे - नर्सिंग (एएनएम, जीएनएम) की शुरुआत कर सकते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को अत्यधिक लाभ मिलेगा. वे एएनएम-जीएनएम बनकर राज्य एवं देश की सेवा करेंगी. मंत्री लिंडा ने कॉलेज प्रबंधन से कहा कि वे इस दिशा में विस्तृत योजना बनाकर विभाग को प्रस्ताव भेजें. उन्होंने यह भी कहा कि विभाग की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराई जाए ताकि ग्रामीण बच्चे - बच्चियों को न सिर्फ रोजगार के अवसर मिलें बल्कि राज्य को प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों का भी लाभ मिले. इसके अलावा, मंत्री ने यह संकेत भी दिया कि सरकारी-निजी भागीदारी (पीपीपी मोड) में भी इस प्रकार के कौशल विकास संस्थानों को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि झारखंड के युवा आत्मनिर्भर बन सकें. अंत में उन्होंने कॉलेज प्रशासन को आश्वस्त किया कि यदि प्रस्ताव ठोस होगा, तो झारखंड सरकार द्वारा हर संभव सहयोग किया जाएगा. मेरा उद्देश्य है कि झारखंड का कोई भी बच्चा केवल संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों से समझौता न करे.

पीएम के भाषण पर सांसद सुखदेव भगत का हमला

लोहरदगा। संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए लोहरदगा से कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने तीखी आलोचना की. उन्होंने कहा कि पीएम ने अपने डेढ़ घंटे के लंबे भाषण में पहलगाम हमले का एक बार भी जिक्र नहीं किया, जिसमें 26 लोगों की जान गई. भगत ने सवाल उठाया कि क्या देश की अंतरात्मा इतनी मर चुकी है कि हम ऐसे समय में भी 'विजयोत्सव' मना रहे हैं? सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में न तो चीन का नाम लिया, न ही ट्रंप या अमेरिका से जुड़ी किसी बात का उल्लेख किया. उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में राहुल गांधी और विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया. सुखदेव भगत ने आरोप लगाया कि संसद जैसी गंभीर संस्था में भी प्रधानमंत्री का रवैया चुनावी प्रचार जैसा लग रहा था. उन्होंने कहा, ₹ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे वे बिहार चुनाव के प्रचार मंच से बोल रहे हों, न कि लोकसभा में देश की जनता को जवाब दे रहे हों.₹ उन्होंने सरकार से मांग की कि वह पहलगाम हमले की जिम्मेदारी तय करे और शहीदों को न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए. भगत ने यह भी कहा कि देश को जवाब चाहिए, न कि सिर्फ भाषण

सौ शैय्या छात्रावास भवन का ऑनलाइन शिलान्यास

गुमला। नई शिक्षा नीति की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ₹पीएम जन मन₹ कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को डुमरी प्रखंड अंतर्गत उच्च विद्यालय डुमरी टांगरडीह परिसर में आदिम जनजाति के बच्चों के लिए प्रस्तावित 100 शैय्या छात्रावास भवन का ऑनलाइन शिलान्यास समारोह संपन्न हुआ. यह शिलान्यास भारत सरकार के शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, झारखंड राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन सहित देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की गरिमामयी ऑनलाइन उपस्थिति में सम्पन्न हुआ. यह छात्रावास आदिम जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सशक्तिकरण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य दूर-दराज के बच्चों को सुरक्षित, अनुकूल एवं सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है.

गुमटी से चोरों ने 8 हजार के सामानों की चोरी की

गुमला। शहर के सरना टोली नदी टोली स्थित एक गुमटी से चोरों ने करीब आठ हजार रुपए के सामानों की चोरी कर ली है. इस संबंध में मंगलवार की शाम गुमटी की संचालिका सुगन्ती देवी ने गुमला थाना में लिखित शिकायत कर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है. दुकान संचालिका ने कहा कि उसका लोहे से बना गुमटी है. ऊपर के चदरा को उखाड़ कर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है. चोरों ने दुकान का फ्रिज खोलकर उसमें रखे कोल्ड ड्रिंक की बोतल चॉकलेट बिस्किट साबुन शैंपू सर्फ व अन्य सामानों लगभग आठ हजार के सामानों की चोरी कर ली है.

कैनन वर्कशॉप में फोटोग्राफी की दी गई जानकारी

गुमला। होटल सेलिब्रेशन इन में बुधवार को झारखंड फोटो ग्राफिक एसोसिएशन द्वारा पहली बार कैनन के साथ वर्कशॉप का आयोजन किया गया. जिसमें गुमला के फोटोग्राफर उपस्थित रहे. कैनन के मेंटोर राजकुमार दास एवं संजय शर्मा ने कैनन कैमरा और वेडिंग फोटोग्राफी, सिने मैटो ग्राफी में आने वाले समस्याओं एवं उसके समाधान की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में कैनन के सुभोजि, झारखंड फोटो ग्राफिक एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके मुन्ना, सचिव राजीव रंजन,गर्वनिंग बॉडी सदस्य अनिल शर्मा, अजय गुप्ता, रजनीश सोनू , कैनन की ओर से शेखर उपाध्याय, गुमला के फोटोग्राफर मुकेश श्रीवास्तव, विजय शेखर सोनू, दीपक गुप्ता, शुभांकर स्वेता,सुजल प्रसाद, रजनीश, यस गुप्ता, अक्षय कुमार, दीपक कुमार, अवधेश गुप्ता, राहुल बड़ाइक, सिद्धार्थ कुमार, विकास सिंह, सुमित कुमार शामिल थे.

अपराधियों ने स्कूटी छीना, मामला दर्ज

इटकी (रांची)। इटकी चनगनी रोड पर मोरो बघिया टोली गांव के समीप मंगलवार की रात अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया. अपराधियों ने एक स्कूटी और मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए. पीड़ित अनुप बड़ाइक, पिता लक्ष्मण बड़ाइक, निवासी तेतरा टोली, थाना लापुंग, ने इस संबंध में इटकी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. अनुप बड़ाइक अपने दो दोस्तों के साथ मांडर से क्रिकेट मैच खेलकर स्कूटी से अपने गांव लौट रहे थे. जब वे मोरो बघिया टोली के पास तीन से चार अपराधियों ने उन्हें रोक लिया.

पतरातु-मैक्लुस्कीगंज मुख्य मार्ग पर जर्जर सड़क बनी भयावह

मुआवजा न मिलने से अधर में लटक गया निर्माण कार्य

शुभम संदेश। पिपरवार

गांवों के विकास का मूल आधार अच्छी सड़कें होती हैं, लेकिन पतरातु-मैक्लुस्कीगंज मुख्य मार्ग के बचरा बस्ती के पास सड़क की स्थिति ऐसी हो चुकी है कि यह क्षेत्र के लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है. करीब एक किलोमीटर से अधिक लंबी यह सड़क पिछले तीन वर्षों से जर्जर होकर पूरी तरह टूट चुकी है. कई जगहों पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें पानी भरने से सड़क तालाब और डोभा का रूप धारण कर चुकी है. इसके कारण इस मार्ग से आवागमन लगभग बंद हो चुका है. इस खराब सड़क के कारण स्थानीय लोग भारी परेशानी में हैं. अनजान राहगीरों के वाहन गड्ढों में फंस जाते हैं, वहीं कोयला लेकर जाने वाले बड़े वाहनों का परिचालन भी प्रभावित हो रहा है. वर्तमान में लोग बचरा बस्ती के घनी आबादी वाले इलाके से गुजरने को मजबूर हैं, जिससे उनका आवागमन लंबा और मुश्किल हो गया है. यह मार्ग पतरातु, भुरकुंडा, बरकाकाना, रामगढ़, मैक्लुस्कीगंज, बुड़मू, ठाकुरगांव, रांची, खलारी, बालुमाथ सहित कई अन्य जगहों के लिए मुख्य सड़क मार्ग है.

स्थानीय लोगों के मुताबिक, इससे पहले कई बार संबंधित सड़क निर्माण कंपनी ने मोरम और मिट्टी डालकर मरम्मत की कोशिश की थी, लेकिन इस बार सड़क की हालत खराब होते-होते बेहद भयावह हो चुकी है. लोग लगातार परेशान हैं और विभाग की ओर से ध्यान न दिए जाने से नाराजगी जता रहे हैं. झारखंड सरकार ने वर्ष 2022-23 में पतरातु से मैक्लुस्कीगंज तक सड़क निर्माण का कार्य शुरू कराया था, लेकिन पिपरवार थाना क्षेत्र के बचरा बस्ती के पास और खलारी थाना क्षेत्र के चुरी होयर के समीप मुआवजा भुगतान न होने के कारण सड़क निर्माण अधर में लटक गया. रैयतो ने अपनी जमीन के मुआवजा की मांग को लेकर निर्माण कार्य को रोक दिया. इसके बाद निर्माण कंपनी ने बचरा बस्ती के पास लगभग एक किलोमीटर और चुरी होयर के पास आधा किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य छोड़ दिया. जिस कारण ये हिस्से पूरी तरह से जर्जर हो गए और सड़क पर चलना मुश्किल हो गया. इस वजह से लोगों को आने-जाने में असुविधा हो रही है और कई बार हादसों का खतरा भी बढ़ गया है.

बचरा बस्ती के ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क निर्माण के दौरान उनकी रैयती जमीन अधिग्रहित की गई थी. वे अपनी खेती-बाड़ी से जीविका चलाते हैं, इसलिए मुआवजा न मिलने पर उन्होंने सड़क निर्माण का विरोध किया और काम रोकवा दिया. ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनकी जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलेगा, वे सड़क निर्माण की अनुमति नहीं देंगे. ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि यदि मुआवजा दिया जाता है तो वे विरोध नहीं करेंगे और सड़क निर्माण कार्य पूरी निष्ठा से पूरा होने देंगे. ग्रामीणों की यह मांग वर्षों से अनसुनी है, जिसके कारण क्षेत्र में सड़कों की हालत लगातार खराब हो रही है. बचरा बस्ती के पास पतरातु-मैक्लुस्कीगंज मुख्य मार्ग की सड़क की जर्जर हालत स्थानीय जनता के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है. मुआवजा न मिलने से सड़क निर्माण अधर में लटका हुआ है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है.

एंबुलेंस कर्मियों का हड़ताल तीसरे दिन भी रही जारी

गुमला। डायल 108 एंबुलेंस कर्मियों का अनिश्चि कालीन हड़ताल बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा. एंबुलेंस कर्मचारी सदर अस्पताल में धरना दिया और अपने मांगों के समर्थन में तथा एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी की. राज्यव्यापी आंदोलन को लेकर गुमला में 108 एंबुलेंस का सेवा ठप हो गया है. जिस कारण दुर्घटना एवं रेफर मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में परेशानी हो रही है. ज्ञात हो कि डायल 108 एंबुलेंस कर्मी अपनी मांगों को लेकर पहले से ही आंदोलनरत है. इससे पहले हुए आंदोलन में कर्मचारियों और एजेंसी के बीच समझौता हुआ था. लेकिन समझौता के अनुरूप एजेंसी ने खरा नहीं उतरा. जिस कारण एंबुलेंस कर्मियों ने अपनी चार सूत्री मांग यथा सेवा स्थायी करने, एनएचएम से वेतन भुगतान का प्रावधान करने, निलंबित कर्मियों को सेवा बहाल करने तथा बिचौलियों की भूमिका समाप्त करने को लेकर अनिश्चित कालीन कार्य बहिष्कार का आह्वान किया.

मालटोटी से रातू प्रखंड के जाड़ी के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली सड़क जर्जर

ग्रामीणों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

शुभम संदेश। रातू (रांची)

मांडर प्रखंड के मालटोटी से रातू प्रखंड के जाड़ी, बानापीडी, पुरियो और मुरचो समेत बुढ़मू-खलारी को जोड़ने वाली सड़क बेहद खराब हालत में पहुंच गई है. यह सड़क एनएच 75 मार्ग से होकर गुजरती है और दर्जनों आदिवासी बहुल गांवों को आपस में जोड़ती है. लगभग 15 वर्ष पूर्व इस सड़क का मरम्मतीकरण ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कराया गया था, लेकिन उस समय के बाद से सड़क की स्थिति लगातार खराब होती गई है. इतनी खराब स्थिति हो गई है कि वाहन तो दूर, पैदल भी चलना मुश्किल हो गया है. सड़क की जर्जर हालत के कारण हर दिन इस मार्ग पर किसी न किसी दुर्घटना की खबर आम हो गई है.

ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क उनके लिए जीवन रेखा समान है. रोजाना सैकड़ों लोग इस मार्ग से गुजरते हैं, जिससे उनका जीविकोपार्जन और अन्य आवश्यकताएं पूरी होती हैं. लेकिन प्रशासन की उपेक्षा और विधायक प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण इस सड़क की सुध नहीं ली गई है. ग्रामीणों ने लगातार हटिया विधानसभा के विधायक नवीन जयसवाल और मांडर के विधायक तथा झारखंड के कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से सड़क निर्माण की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. दोनों नेताओं ने केवल शिलान्यास करने का वादा किया, पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ.

कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मांडर के पूर्व विधायक बंधू तिर्की और उनकी पुत्री, वर्तमान मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने उपचुनाव के दौरान ग्रामीणों से वादा किया था कि चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले इस सड़क का निर्माण किया जाएगा. इस आश्वासन के साथ उन्होंने चुनाव से ठीक पहले इस सड़क का शिलान्यास भी किया था. लेकिन एक साल बीत जाने के बावजूद भी सड़क निर्माण का काम शुरू नहीं हो पाया है. ग्रामीण इस बात से बेहद निराश हैं और अब सड़क निर्माण में हुई देरी के कारण उग्र आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं.

आक्रोश

ट्रक के धक्के से शिव मंदिर क्षतिग्रस्त, एनएच किया जाम, बोले ग्रमीण

नए मंदिर का निर्माण गुणवत्ता के साथ होना चाहिए

शुभम संदेश। गुमला

रांची-गुमला नेशनल हाईवे पर भरनो ब्लॉक चौक के पास मंगलवार की रात एक भारी मालवाहक ट्रक के चलते रोड किनारे स्थित शिव मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के दौरान ट्रक चालक फरार हो गया, जबकि उप चालक धनराज कुलमी को हल्की चोटें आईं. धनराज के मुताबिक, ट्रक मध्य प्रदेश के इंदौर से रांची की ओर जा रहा था. यह घटना मंदिर क्षति की दूसरी बड़ी घटना है, क्योंकि इससे पहले भी इसी मार्ग पर एक ट्रक ने मंदिर को नुकसान पहुंचाया था. नेशनल हाईवे का सड़क चौड़ीकरण कार्य चल रहा है, जिसे एनएचआई (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) और आरकेडी कंपनी द्वारा कराया जा रहा है. सड़क चौड़ीकरण के कारण भरनो क्षेत्र में रोड किनारे दो मंदिरों के स्थान परिवर्तन के लिए नए मंदिर बनाए जा रहे हैं. हालांकि, नए मंदिर अधूरे और घटिया निर्माण के कारण सीपेज कर रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि नए मंदिर का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए, तभी पुरानी प्रतिमाओं का स्थानांतरण होना चाहिए. पुराने मंदिर को बार-बार ट्रक के कारण क्षतिग्रस्त किए जाने और नए मंदिर के घटिया निर्माण से नाराज ग्रामीणों में भारी रोष देखा गया. दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने कंपनी से वार्ता के लिए लगभग एक घंटे तक इंतजार किया, लेकिन कंपनी की ओर से कोई पहल नहीं हुई. इसके बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शाही और विहिप बजरंग दल अध्यक्ष सुदामा केसरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने दोपहर एक बजे राष्ट्रीय हाईवे जाम कर दिया. जिप अध्यक्ष किरण बाड़ा भी इस जाम में शामिल होकर सड़क पर धरना दिया.

जाम लगने से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आम जनता को भी काफी परेशानी हुई. थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, सीओ अविनाश कुजूर, बीडीओ अरुण कुमार सिंह और प्रमुख पारस नाथ उरांव सहित कई अधिकारी जाम स्थल पर पहुंचे और शांति बनाये रखने के लिए जमाकर्ताओं को मनाने का प्रयास किया. हालांकि ग्रामीण मंदिर निर्माण और पुराने मंदिर की सुरक्षा को लेकर अंतिम निर्णय की मांग पर अड़े रहे. लगभग तीन बजे आरकेडी कंपनी के तीन अधिकारी जाम स्थल पर पहुंचे और प्रशासन की मध्यस्थता में ग्रामीणों के साथ सकारात्मक वार्ता की. वार्ता के बाद ग्रामीणों ने जाम हटा लिया. हालांकि कंपनी के अधिकारियों द्वारा की गई कई बातों का पालन न होने की वजह से ग्रामीणों में आक्रोश अभी भी बरकरार है.

ग्रामीणों ने प्रशासन और कंपनी से मांग की है कि मंदिर निर्माण को उच्च गुणवत्ता का बनाया जाए और पुराने मंदिर को नुकसान पहुंचाने वाले ट्रकों की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाए जाएं. उनका कहना है कि सड़क चौड़ीकरण के काम में मंदिरों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी पूरी तरह से कंपनी और प्रशासन की है, जो अभी तक पूरी होती नहीं दिखाई दे रही.

अस्पताल में इलाजरत मरीज के मोबाइल की चोरी

गुमला। सदर अस्पताल में इलाजरत एक मरीज का मोबाइल चोरी हो गया. चोरी की घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है. घटना मंगलवार रात की है. जानकारी के अनुसार सड़क दुर्घटना में घायल पोढ़ा सिसई निवासी सुभाष उरांव को मंगलवार की रात सदर अस्पताल के पुरुष वार्ड के बाहर बेड में भर्ती कर इलाज चल रहा था. सीसीटीवी फुटेज के अनुसार एक लाल टी शर्ट पहने युवक ने घायल सुभाष के पास आया और तकिया के नीचे रखे उसके मोबाइल की चोरी कर ली. बताया जाता है कि चोर भी 125 वार्ड में इलाजरत है. पूरा घटना सीसीटीवी में कैद हो गया. मंगलवार की शाम घायल सुभाष की पत्नी सुनीता ने मोबाइल चोरी होने की जानकारी दी. कहा कि मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा है. शिकायत करने के बाद सदर अस्पताल प्रबंधन ने सीसीटीवी खंगालने का काम किया. जिसमें पूरा घटनाक्रम सामने आया है.

एक नजर

विद्यालय में जलजमाव से बढ़ी नौनिहालों की मुश्किलें

चैनपुर। प्रखंड के लंगड़ामोड़ स्थित नव प्राथमिक विद्यालय में बारिश के बाद हुए जलजमाव ने विद्यार्थियों और शिक्षकों की परेशानी बढ़ा दी है. स्कूल परिसर में पानी भर जाने से बच्चों को गंदे पानी से होकर आना-जाना पड़ रहा है, जिससे उनके जूते-मोज़े और वर्दी खराब हो रही है. साथ ही, गंदे पानी के कारण बच्चों के बीमार पड़ने का खतरा भी बना हुआ है. विद्यालय की शिक्षिका ने बताया कि स्कूल के पास बनी पुलिया को ग्रामीणों ने बंद कर दिया है, जिससे उसमें मिट्टी भर गई और बारिश का पानी बह नहीं सका. इसका सीधा असर स्कूल परिसर पर पड़ा, जहां चारों ओर पानी भर गया. उन्होंने यह भी बताया कि इस समस्या की सूचना शनिवार को ही अधिकारियों को दी गई थी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है. जलजमाव के कारण बच्चों की उपस्थिति में भी गिरावट देखी जा रही है. परिजन बच्चों को स्कूल भेजने में हिचक रहे हैं. इसके अलावा, विद्यालय का भवन भी काफी जर्जर हो चुका है, जिससे बच्चों की संख्या में लगातार कमी आ रही है. इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने स्कूल की दशा सुधारने की मांग की है. इस संबंध में बीपीओ सतेंद्र प्रसाद ने बताया कि नव प्राथमिक विद्यालय लंगड़ामोड़ के लिए नए भवन के निर्माण का आदेश जारी कर दिया गया है. निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा.

अविराम कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन

लोहरदगा। अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टिको, कुरु, लोहरदगा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रक्तदान जागरूकता सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व कॉलेज के एनएसएस पदाधिकारी कुंदन गिद्ध ने किया, जिसमें लोहरदगा सदर अस्पताल का विशेष सहयोग रहा. शिविर की शुरुआत रक्तदान पर जागरूकता सत्र से हुई, जिसमें वीबीडीए जमशेदपुर के फाउंडर प्रेसिडेंट सुनील कुमार मुखर्जी एवं ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर प्रदीप घोषाल ने रक्तदान के लाभ और आवश्यकता पर प्रकाश डाला. इसके उपरांत रक्तदान शिविर की शुरुआत हुई, जिसमें कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, प्राध्यापक डॉ. शशि, शिब व पंकज भारती समेत अन्य शिक्षकों ने स्वयं रक्तदान कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया. शिविर में कुल 31 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. विशेष बात यह रही कि छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया. रक्तदान करने वालों में मनीषा, मारिया, अनुराग, तंवी, निशू, विद्या, लक्ष्मी, प्रियांशु, निकोडिम, पारूल, यशवंत, सुप्रिया, प्रियंका, रजनी, यशोदा, नीलिमा, पल्लवी, ममता, अवकाश, तबस्सुबम, सबा, बिरिया आदि शामिल थे.

बचरा दामोदर व सपही नदी के छोटे पुल क्षतिग्रस्त

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा दामोदर नदी के टेढ़ी पुल और बचरा सपही नदी के छलटा पुल से डेढ़ माह से आवागमन पूरी तरह बंद है. दोनों छोटे पुल पिछले महीने हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं. इसके बाद स्थानीय सीसीएल प्रबंधन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन पुलों को बंद कर दिया है. लोग मजबूरन दोनों नदियों पर बने बड़े ट्रांसपोटिंग पुल से आवागमन कर रहे हैं, जो मुख्य रूप से कोयला वाहनों के लिए बनाया गया है. इस पुल से दिन-प्रतिदिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, क्योंकि वहां भारी ट्रैफिक होता है. बचरा क्षेत्र के सीसीएल कर्मचारी, अधिकारी तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग इसी मार्ग से अपने कार्यस्थल तक आते-जाते हैं. पिपरवार जीएम ऑफिस, अशोक परियोजना, सीएचपी परियोजना, पिपरवार युनिट के साथ-साथ मगध, संघमित्रा, आम्रपाली और चंद्रगुप्त के अधिकारी एवं कर्मचारी भी इसी पुल का उपयोग करते हैं. छोटे पुलों के बंद होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है. वहीं, बड़े ट्रांसपोटिंग पुल से गुजरना जोखिम भरा साबित हो रहा है. स्थानीय निवासियों ने सीसीएल प्रबंधन से दोनों छोटे पुलों की शीघ्र मरम्मत कर आवागमन सुचारू करने की मांग की है, ताकि लोगों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित हो सके.

होटल में चोरी, लॉकर टूटा और सामान हुआ गायब

गुमला। जारी प्रखंड कार्यालय स्थित संतोष होटल में चोरी की घटना सामने आई है. जानकारी के अनुसार, चोरों ने होटल का लॉकर तोड़कर उसमें रखा बर्तन और राशन की चोरी कर ली है. होटल संचालक संतोष कुमार ने बताया कि वे रोज की तरह मंगलवार की शाम होटल बंद कर घर चले गए थे. परिवार के साथ समय बिताने के बाद जब वे मंगलवार की सुबह होटल खोलने आए तो पाया कि होटल के लॉकर का ताला टूटा हुआ है. जब लॉकर खोला गया तो उसमें रखा पूरा सामान गायब था. संतोष कुमार ने इस घटना की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दी और देर शाम जारी थाना में चोरी की लिखित शिकायत दर्ज कराई. संतोष कुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है. उन्होंने बताया कि चोरी की वजह से उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हुआ है क्योंकि होटल के बर्तन और राशन दैनिक उपयोग की वस्तुएं थीं. स्थानीय पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और आसपास के इलाकों में संदिग्धों की तलाश में छापेमारी कर रही है. फिलहाल चोरी का माल बरामद नहीं हुआ है. पुलिस ने होटल संचालक को आश्वासन दिया है कि आरोपियों को जल्द पकड़ कर कड़ी सजा दिलाई जाएगी.

पिपरवार : झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में बुधवार को तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई, जिससे मौसम काफी सुहाना हो गया. मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में झारखंड के अधिकांश हिस्सों में नियमित बारिश होने की संभावना है. बारिश के चलते पिपरवार कोयलांचल के लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है. बारिश के दौरान तेज आंधी-तूफान और गरज-चमक के कारण कई जगह नुकसान की सूचना भी मिली है. बारिश और ठंडी हवाओं के चलते क्षेत्र का तापमान गिर गया है और वातावरण सुहावना हो गया है. दोपहर से आसमान में बादल छाए रहे, जिसके बाद तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई, जिसने जनजीवन प्रभावित किया. बारिश और तेज हवा के कारण आवासीय कालोनियों और ग्रामीण इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है. वहीं, सड़कों पर पानी जमने और कीचड़ के कारण आवागमन भी प्रभावित हुआ है.

धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे तीन लोगों को बजरंग दल ने पकड़ा, दी चेतावनी

गुमला। शहर में हिंदुओं के बीच बाइबल और ईसाई धर्म का प्रचार कर धर्मांतरण के लिए प्रेरित कर रहे युवक व युवतियों को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने लोहरदगा रोड स्थित डाकघर के समीप पकड़ लिया और उनसे पूछताछ की. पूछताछ में युवक ने अपना नाम आदित्य खलखो और युवतियों ने मेरी खलखो और आकांक्षा खलखो बताया. उनलोगों ने स्वीकार किया कि वे लोग ईसाई धर्म का प्रचार करने के लिए रांची से आए हैं. उनके संगठन की ओर से उनलोगों को बाइबल और ईसाई धर्म के बारे में प्रचार करने के लिए कहा गया है. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि शहर के लोहरदगा रोड स्थित सब्जी मार्केट के पास सब्जी खरीद रही दो हिंदू महिलाओं को बाईबल और ईसाई धर्म के बारे में बताकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. सूचना मिलने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं सक्रिय हुए और उन तीनों को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने डाकघर के समीप पकड़ा और गुमला में दोबारा नहीं दिखनी की चेतावनी देते हुए छोड़ दिया.

उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी की आपत्ति खारिज की शिकायतकर्ता को भुगतान करने का दिया आदेश

गुमला। जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय, सदस्य सैय्यद अली हसन फातमी और सरला गंजू ने उपभोक्ता राजेश अग्रवाल की शिकायत की सुनवाई करते हुए मामले का निष्पादन किया. जिसमें बजाज एलियांज जनरल बीमा कंपनी रांची को सेवा में त्रुटि पाने के कारण उपभोक्ता राजेश कुमार अग्रवाल को तीन लाख दो हजार 247 रुपये का भुगतान 45 दिनों के अंदर करने का आदेश दिया है. ज्ञात हो कि उपभोक्ता राजेश कुमार अग्रवाल अपने पिकअप वाहन को रिलायंस कंपनी से बीमा कराया था. वाहन बसिया से गुमला आने के क्रम में दिनांक 8 मई 2016 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था. उपभोक्ता के द्वारा जब इसके बीमा राशि का दावा किया तो बीमा कंपनी ने यह कहकर उसके शिकायत को खारिज कर दिया था कि गाड़ी चलाने वाला ड्राइवर के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था. शिकायतकर्ता गुप्ता ने प्रमाणित किया कि उसके गाड़ी का चालक दिलभंजन नायक था और उसका वैध ड्राइविंग लाइसेंस है. बीमा कंपनी अपने आरोप को प्रमाणित नहीं कर सका. जिस कारण जिला उपभोक्ता फोरम ने बजाज एलियांज जनरल बीमा कंपनी रांची को 45 दिनों के अंदर राशि भुगतान करने का आदेश दिया है.

मंथन

झारखंड और अमेरिकी सहयोग की नई राहें

झारखंड के विकास पथ पर एक नई दिशा उस समय दिखाई दी, जब राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी और अमेरिकी काउंसलेट जेनरल कैली जाइल डियाज के बीच विस्तृत चर्चा हुई. यह संवाद केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि सहयोग, निवेश और साझा विकास की गंभीर संभावनाओं का संकेतक था. खनन, पर्यटन, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण संतुलन और श्रम शक्ति जैसे विविध क्षेत्रों में झारखंड की क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में यह पहल मील का पत्थर साबित हो सकती है. विशेष रूप से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की संभावना पर जो विमर्श हुआ, वह राज्य के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोल सकता है. मुख्य सचिव अलका तिवारी द्वारा राज्य की श्रम शक्ति को हुनरमंद बनाने और महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त करने के प्रयासों की जानकारी देना यह दर्शाता है कि झारखंड अपने विकास मॉडल को समावेशी और व्यवहारिक बना रहा है. झारखंड राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए केवल संसाधनों की उपस्थिति पर्याप्त नहीं, बल्कि नीतिगत स्पष्टता और सहयोग की मंशा भी जरूरी होती है. इस दिशा में अमेरिकी काउंसलेट की सकारात्मक प्रतिक्रिया और साझा प्रयासों की शुरुआत का संकल्प राज्य के लिए शुभ संकेत है. यदि इन चर्चाओं को धरातल पर उतारा गया, तो झारखंड अंतरराष्ट्रीय निवेश और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बन सकता है. झारखंड में निवेश की राह में कहीं कोई बाधा भी नजर नहीं आती.

नजरिया

108 एंबुलेंस कर्मियों की उपेक्षा घोर चिंता का विषय

झारखंड की आपात चिकित्सा सेवा की रीढ़ मानी जाने वाली 108 एंबुलेंस सेवा इन दिनों गहरे संकट से गुजर रही है. राजधानी रांची में जब एंबुलेंस चालकों और तकनीकी कर्मचारियों ने नंग-धड़ंग प्रदर्शन कर अपनी पीड़ा सार्वजनिक की, तो यह न केवल प्रशासन के लिए एक चेतावनी थी, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय भी बन गया. 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन निजी एजेंसियों के हाथों में है, जिनका प्राथमिक उद्देश्य मुनाफा होता है, न कि सेवा. कर्मियों का आरोप है कि न वेतन तय है, न पीएफ, न बीमा और न ही किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा. 12-12 घंटे की सेवा के बावजूद इन्हें सरकारी कर्मचारी जैसा सम्मान या सुविधा नहीं मिलती. सबसे गंभीर बात यह है कि सवाल उठाने पर धमकी और प्रताड़ना दी जाती है, जिससे इन कर्मियों की मनोस्थिति और कार्यक्षमता दोनों पर असर पड़ता है. इस हड़ताल का असर राजधानी के सदर अस्पताल सहित कई सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर देखा गया. मरीजों को खुद साधन जुटाकर अस्पताल पहुंचना पड़ा, जिससे आपातकालीन सेवा की विफलता स्पष्ट हो गई. यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि आम जन के जीवन से किया गया खिलवाड़ है. सरकार को चाहिए कि इन कर्मियों की मांगों को गंभीरता से सुने, स्थायी बहाली, उचित मानदेय और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दे. जो लोग दिन-रात मानव सेवा में लगे हैं, उन्हें अनदेखा करना असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा होगी.

प्रेमचंद का कथा संसार विस्तृत और महत्वपूर्ण

विजय केसरी

31 जुलाई : कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर विशेष

प्रेमचंद ने अपनी कहानियों के माध्यम से एक नव जागृति लाने का काम किया है. समाज के सभी लोगों को मिलजुल कर रहने संदेश दिया है. नमक का दारोगा, दो बैलों की कथा, पंच परमेश्वर कहानियां समाज के उसी यथार्थ पर बुनी गई हैं.

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कृतियां सदा पाठकों के बीच जीवित रहेंगी. प्रेमचंद का रचना संसार बहुत ही विस्तृत और महत्वपूर्ण है . उनकी कहानियों के पात्र आज भी बदलते सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उसी तरह संघर्ष रत हैं. यह बड़ा सवाल है. इतना कुछ बदल जाने के बावजूद आज भी उनकी कहानियों के पात्र उसी तरह लाचार, बेबस और निसहाय क्यों हैं? हम सब विकास और आधुनिकता की जितनी भी बातें कर लें, लेकिन गांवों और कस्बों की सूरत अभी नहीं बदल पाई है. इन्हीं गांवों और कस्बों की सूरत को बदलने के लिए मुंशी प्रेमचंद अपने पात्रों के माध्यम से समाज को आईना और संघर्ष के लिए उठ खड़े होने की प्रेरणा देते रहे थे. इनकी कृतियां हर कालखंड में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करती रही थीं, रही हैं और रहेंगी. प्रेमचंद हिंदी साहित्य के एक ऐसे लेखक बनकर उभरे, जिन्होंने अपनी कलम और सोच की बदौलत प्रचलित कहानियों की धारा को ही बदल कर रख दी थी.

प्रेमचंद ने इस तिलस्म और ऐय्यारी को ध्वस्त कर रख दिया था. समाज में नित क्या घटनाएं घट रही हैं? समाज किस ओर जा रहा है? समाज में रहने वाले लोगों की स्थिति क्या है? पुरुषों और स्त्रियों की दशा क्या है? उनका जीवन स्तर क्या है? वे किस तरह जीवन निर्वाह कर रहे हैं? समाज में बच्चों की स्थिति क्या है? लड़कियों और बहुओं की स्थिति क्या है? समाज में गरीबी और अमीरी की इतनी खाई क्यों है? समाज में परिवारों के बीच तालमेल कैसा है? लोगों का दांपत्य जीवन का कैसा है? मेहनतकश मजदूरों की स्थिति कैसी है? खून पसीना बहा कर खेती करने वाले कृषकों की स्थिति कैसी है? ये तमाम महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे हमारी प्रचलित कहानियों से दूर थे. प्रेमचंद ने लगभग तीन सौ कहानियां और बारह उपन्यास लिखा . इन कहानियों और उपन्यासों को पढ़ने से प्रतीत होता है कि उनकी तमाम कृतियां समाजिक यथार्थ से जुड़ी हुई हैं. उनकी कहानियों समाज के दर्पण के रूप में भी जाना जाता है. उनके ही जीवन काल में जब उनकी कहानियां पत्रिकाओं में छप कर आती थीं, देखते ही देखते पाठकों के बीच लोकप्रिय हो जाया करती थी. उनकी कहानियां समाज में एक नई चेतना विकसित करने का काम किया है. समाज में जागृति लाने का काम किया है . प्रेमचंद जिस कालखंड में अपनी कहानियों को दर्ज कर रहे थे. उन्होंने 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर सरकारी इंस्पेक्टर पद की नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और आजीवन स्वतंत्र रूप से लेखन करने का संकल्प लिया था. वे इस संकल्प के साथ पूर्णरूपेण लेखन से जुड़े रहे थे. फिर उन्होंने कभी भी सरकारी नौकरी की ओर मुख नहीं किया था. यह बात लिखने के पीछे उद्देश्य है कि उन्होंने अपनी कहानियों में जिन मूल्यों और सिद्धांतों को प्रस्तुत किया था.

वे आजीवन उन्हीं मूल्यों और सिद्धांतों पर चलते भी रहे थे. वे एक कहानीकार के साथ एक संवेदनशील इंसान भी थी. उनमें अन्य लोगों की अपेक्षा संवेदना ज्यादा थी . यह संवेदना उनकी कहानियों में दिखती है. उनकी एक लोकप्रिय कहानी 'कफन' है,जो तत्कालीन समय, समाज और देश की आर्थिक दशा को प्रस्तुत करती है. ग़रीबी और भूख क्या होती है? इस बात को भी प्रस्तुत करती है. कफन कहानी में प्रसव पीड़ा से कराह रही एक स्त्री की पीड़ा भी मनुष्य सुनाई नहीं पड़ती है . मनुष्य इतना नृशंस कैसे हो सकता है? प्रसव पीड़ा से कराह रही एक स्त्री की पीड़ा तक उसे सुनाई नहीं देती है. प्रेमचंद ने इस नृशंसता की तस्वीर बहुत ही जीवंत रूप में प्रस्तुत किया. कफन कहानी के माध्यम से लेखक ने समाज के बदलते स्वरूप पर प्रहार किया. मनुष्य जब अपनी मनुष्यता छोड़ देता है, तब उसका रूप कितना नृशंस हो जाता है. इस कहानी को पढ़ने वाले किसी भी संवेदनशील पाठक की आंखें नम हो जाती हैं. प्रेमचंद की कहानियों में समाज के अंतर्द्वंद्व, पीड़ा और शोषण की ध्वनि साफ सुनाई पड़ती है. प्रेमचंद के जमाने में गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी अपनी पराकाष्ठा पर थी. उन्होंने समाज के इस दोहरे जीवन पर जमकर प्रहार किया है. एक ओर गरीबी, भुखमरी और लाचारी है, तो दूसरी ओर बड़े-बड़े आलीशान भवनों में रात में पार्टियां चल रही थीं. प्रेमचंद ने अपने आप को कभी भी यह नहीं कहा कि मैं कलम का बादशाह हूं, कलम का जादूगर हूं बल्कि उन्होंने यह दर्ज किया कि मैं कलम का एक सिपाही हूं . उन्होंने स्वयं को कलम का एक मजदूर कहा. इस कथन के पीछे एक बहुत बड़ी बात छुपी हुई है. एक मजदूर जो अपने खून पसीने बहाकर एक इमारत को रूप आकार प्रदान करता है. उस मजदूर का वास्तविक जीवन कैसा होता है? यह भी विचार करने की जरूरत है.

मजदूरों के जीवन पर उन्होंने बहुत कुछ लिखा है. उन्होंने मजदूरों के खून पसीने पर समाज का ध्यान आकृष्ट किया है. उन्होंने जात पात पर जोरदार प्रहार किया है. 'सवा सेर गेहूं' कहानी से उन्होंने ब्राह्मणवाद व्यवस्था पर जबरदस्त प्रहार किया है . प्रेमचंद का मानना है कि समाज में रहने वाले हर जाति, धर्म ,वर्ग और वर्ण के लोग एक हैं. सबों को ईश्वर ने बनाया है. जात पात के नाम पर कितनी नृशंसता बढ़ती हैं? किस तरह दलितों, वंचितों को समाज में दबाकर रखा जाता है. सवा सेर गेहूं के माध्यम से कहानीकार प्रेमचंद ने एक हरिजन की पीड़ा और बेबसी को पाठकों के बीच रखा है. उन्होंने अपनी कहानियों के माध्यम से एक नव जागृति लाने का काम किया है. उन्होंने समाज के सभी वर्ग के लोगों को मिलजुल कर रहने का संदेश दिया है. 'नमक का दरोगा' 'दो बैलों की कथा' 'पंच परमेश्वर' आदि कहानियां समाज के उसी यथार्थ पर बुनी गई हैं . बस जरूरत है, उसे समझने की.

आज का इतिहास

- 1658: मुगल सम्राट औरंगजेब ने स्वयं को मंगोल का राजा घोषित किया.
- 1880: प्रसिद्ध हिंदी कहानीकार और उपन्यासकार प्रेमचंद का जन्म.
- 1933 : गांधी जी ने साबरमती आश्रम छोड़ा.
- 1940 : स्वतंत्रता सेनानी ऊधम सिंह का निधन.
- 1980: हिंदी फिल्मों के महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी का निधन.
- 1982 : सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया.
- 1993 : भारत के तैरते हुए समुद्री संग्रहालय का कलकत्ता में उद्घाटन.
- 2006: फिदेल कास्त्रो ने अपने भाई को सत्ता सौंपी.
- 2006 : श्रीलंका में युद्ध विराम समझौता समाप्त, एलटीटीई के साथ संघर्ष में 50 लोग मारे गये.
- 2007 : भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर सुधीर पारिख को पाल हैरिस अवार्ड मिला.
- 2010 : पाकिस्तान में बाढ़ से 900 से अधिक लोगों की मौत.

हजार अच्छाइयों को एक गलती से कभी न परखें

चिंतन

एक राजा था. उसने 10 खूंखार जंगली कुत्ते पाल रखे थे. जिनका इस्तेमाल वह लोगों की गलतियों पर मौत की सजा देने के लिए करता था. एक बार राजा के पुराने मंत्री से कोई गलती हो गयी. क्रोधित होकर राजा ने उसे शिकारी कुत्तों के सम्मुख फिकवाने का आदेश दे डाला. सजा दिए जाने से पूर्व राजा ने मंत्री से उसकी आखिरी इच्छा पूछी.

राजन! मैंने सेवक के रूप में आपकी 10 सालों से सेवा की है.मैं सजा से पहले 10 दिनों की मोहलत चाहता हूं. मंत्री ने राजा से निवेदन किया. राजा ने उसकी बात मान ली.

10 दिन बाद राजा के सैनिक मंत्री को पकड़ कर लाए और राजा का इशारा पाते ही उसे खूंखार कुत्तों के सामने फेंक दिया. परंतु यह क्या कुत्ते मंत्री पर टूट पड़ने की बाजए अपनी पूंछ हिला-हिला कर मंत्री के ऊपर कूदने लगे और प्यार से उसके पैर चाटने लगे. राजा आश्चर्य से यह सब देख रहा था उसने सोचा कि आखिर इन खूंखार कुत्तों को क्या हो गया है? वे इस तरह क्यों व्यवहार कर रहे हैं? आखिरकार राजा ने मंत्री से पूछा, ये क्या हो रहा है, ये कुत्ते तुम्हे काटने की बजाये तुम्हारे साथ खेल क्यों रहे हैं?

राजन! मैंने आपसे जो 10 दिनों की मोहलत ली थी, उसका एक-एक क्षण मैंने इन बेजुबानो की सेवा करने में लगा दिया. मैं रोज इन कुत्तों को नहलाता, खाना खिलाता व हर तरह से उनका ध्यान रखता. ये कुत्ते खूंखार और जंगली होकर भी मेरी 10 दिन की सेवा नहीं भुला पा रहे हैं, परंतु खेद है कि आप प्रजा के पालक हो कर भी मेरी 10 वर्षों की स्वामिभक्ति भूल गए और मेरी एक छोटी सी त्रुटि पर इतनी बड़ी सजा सुन दी.

राजा को अपनी भूल का एहसास हो चुका था, उसने तत्काल मंत्री को आज़ाद करने का हुक्म दिया और आगे से ऐसी गलती ना करने की सौगंध ली.

मित्रों, कई बार इस राजा की तरह हम भी किसी की बरसों की अच्छाई को उसके एक पल की बुराई के आगे भुला देते हैं. यह कहानी हमें क्षमाशील होना सिखाती है, ये हमें सबक देती है कि हम किसी की हज़ार अच्छाइयों को उसकी एक बुराई के सामने छोटा ना होने दें.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #Tsunami
2. #earthquake
3. #SupremeGodKabir
4. Watch Sant RampalJi YtChannel
5. #Japan
6. #JusticeForRani
7. Life Lessons
8. Spiritual Wisdom
9. Anmol Vachan
10. Alaska

बहुरंग

जेनिफर मिस्त्री ने सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता असित मोदी पर लगाए आरोप

लोकप्रिय शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के निर्माता असित कुमार मोदी एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं. पिछले कुछ वर्षों में कई कलाकारों ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं. शो में मिसेज रोशन सोढ़ी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री जेनिफर मिस्त्री भी असित मोदी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा चुकी हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो जेनिफर ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था और यह केस वह जीत भी चुकी हैं. अब एक बार फिर जेनिफर ने असित मोदी को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, जिससे इंडस्ट्री में हलचल मच गई है.

एक इंटरव्यू के दौरान 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मिसेज सोढ़ी का किरदार निभा चुकीं जेनिफर मिस्त्री ने शो के निर्माता असित मोदी को लेकर चौंकाने वाले आरोप लगाए. जेनिफर ने बताया कि एक बार वीजा से जुड़ी परेशानी के चलते वह रोने लगी थीं, तब असित मोदी ने फोन पर कहा, ₹तुम क्यों रो रही हो? अगर तुम यहां होती तो मैं तुम्हें गले लगा लेता, बल्कि किस भी कर लेता.₹ जेनिफर ने यह भी खुलासा किया कि साल 2019 में सिंगापुर शूट के दौरान असित मोदी ने उन्हें होटल रूम में आकर व्हिस्की पीने का ऑफर दिया था ताकि वह बोर न हों. इन खुलासों ने एक बार फिर इस चर्चित शो की टीम को विवादों में ला दिया है.

जेनिफर मिस्त्री ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि सिंगापुर ट्रिप के दौरान असित मोदी ने उनके करीब आकर कहा था, तुम्हारे होंठ बहुत सेक्सी हैं, मन कर रहा है कि तुम्हें पकड़कर किस कर लूं. जेनिफर के इस बयान ने सभी को हैरान कर दिया है. उन्होंने यह बात शो में 'भिड़े' का किरदार निभाने वाले मंदार चंदवादकर को भी बताई थी, लेकिन जेनिफर के मुताबिक, उस वक्त मंदार ने उनका कोई साथ नहीं दिया. इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर भी दर्शकों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं.

आमिर खान का बड़ा ऐलान, यूट्यूब पर रिलीज होगी सितारे ज़मीन पर

आमिर खान ने घोषणा की कि उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' अब 1 अगस्त 2025 से उनके यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' पर वैश्विक स्तर पर रिलीज़ की जाएगी. यह एक साहसी और क्रांतिकारी पहल है, जिसमें साल 2025 की सबसे सफल फिल्मों में से एक को सीधे दर्शकों के घरों और मोबाइल स्क्रीन तक पहुंचाया जाएगा. इस भावनात्मक फैमिली ड्रामा में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख के साथ 10 ऐसे कलाकार भी शामिल हैं जो इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी के साथ जीवन जी रहे हैं.

भारत में यह फिल्म महज़ 100 में किराए पर उपलब्ध होगी, जबकि अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इंडोनेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और स्पेन सहित कुल 38 देशों में यह स्थानीय कीमतों पर देखी जा सकेगी. सितारे ज़मीन पर को 2007 की क्लासिक फिल्म 'तारे ज़मीन पर' की आध्यात्मिक उत्तराधिकारी माना जा रहा है. यह फिल्म प्यार, हास्य और समावेशिता का एक खूबसूरत उत्सव है, जिसने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है. अब तक यह दुनियाभर में 250 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है. यूट्यूब पर इसके रिलीज़ होने से हर दर्शक एक छोटी सी राशि में इस फिल्म को रेंट पर लेकर अपने घर को ही थिएटर में बदल सकेगा, जहां हर स्क्रीन बनेगी दिल से जुड़ी एक कहानी की गवाह.फिल्म के यूट्यूब लॉन्च पर बात करते हुए अभिनेता और निर्माता आमिर खान ने कहा, पिछले 15 सालों से मेरे मन में ये सवाल रहा है, उन लोगों तक सिनेमा कैसे पहुंचे जो किसी वजह से थिएटर नहीं जा सकते. अब लगता है वो समय आ गया है जब सारे टुकड़े एक साथ आकर जुड़ गए हैं. सरकार की यूपीआई पहल के चलते भारत आज दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट्स नंबर 1 बन चुका है. इंटरनेट की पहुँच गांव-गांव तक तेजी से बढ़ी है, और यूट्यूब तो लगभग हर डिवाइस का हिस्सा बन चुका है. इन सारी चीज़ों ने मिलकर एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना दिया है जिससे हम सिनेमा को दूर-दराज के इलाकों और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक भी पहुँचा सकते हैं. आमिर खान ने आगे कहा, मेरा सपना है कि सिनेमा सबका हो, वो भी सस्ती कीमत पर, सही समय पर, और अपनी मर्जी से देखने के लिए उपलब्ध हो. अगर ये मॉडल सफल होता है, तो दुनिया भर के क्रिएटिव लोग अपनी कहानियों को बिना सीमाओं की चिंता किए शेयर कर पाएंगे. इससे नए कलाकारों और इंडस्ट्री में कदम रखने वालों को भी मौके मिलेंगे. मुझे लगता है कि अगर ये आइडिया काम कर गया, तो यह सिनेमा के भविष्य के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है.

अभिनेता कायोज ईरानी ने एक्टिंग को कहा-अलविदा

फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' तो आप सभी को याद ही होगी. इस फिल्म ने बॉलीवुड को तीन चमकते सितारे दिए वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट्ट. तीनों ने इसी फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी और आज इंडस्ट्री के सबसे चर्चित चेहरों में शुमार हैं. फिल्म के अन्य कलाकारों को भी दर्शकों ने काफी सराहा था. लेकिन अब उसी फिल्म से जुड़े एक अभिनेता ने अभिनय की दुनिया से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है, जिससे उनके फैंस और इंडस्ट्री के लोग चौंक गए हैं. फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में 'सुडो' का यादगार किरदार निभाने वाले अभिनेता कायोज़ ईरानी ने अब एक्टिंग को अलविदा कहने का फैसला कर लिया है. कायोज़ ने फिल्म में वरुण धवन, आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा के जिगरी दोस्त की भूमिका निभाई थी. हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया, ₹फिलहाल मेरी एक्टिंग में वापसी की कोई योजना नहीं है. कैमरे के पीछे काम करना मेरे लिए कहीं ज्यादा सहज और संतोषजनक है. मुझे यह भी समझ आ गया है कि एक्टिंग मेरे लिए नहीं बनी. अगर मैं किसी फिल्म में नजर नहीं भी आऊं, तो भी आपको मुझे फिल्मों के निर्माण में जरूर देखने को मिलेगा.उन्होंने यह भी कहा, ₹कभी-कभी लगता है कि मैंने लोगों को निराश किया है, लेकिन सच कहूं तो एक्टिंग अब मेरे बस की बात नहीं रही. 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक्टिंग डेब्यू करने वाले कायोज ईरानी, जो दिग्गज अभिनेता बोमन ईरानी के बेटे हैं, अब निर्देशन की दुनिया में कदम रख चुके हैं. भले ही कायोज को फिल्म में उनके किरदार के लिए खूब सराहना मिली थी, लेकिन उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिल पाई जिसकी उम्मीद थी. इसके बाद उन्होंने कैमरे के पीछे काम करना शुरू किया और कार्तिक आर्यन की फिल्म 'धमाका' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर अपनी भूमिका निभाई.

फिल्मी न्यूज

द राजा साब में संजय दत्त का नया रूप, फर्स्ट लुक जारी

संजय दत्त आने वाले समय में कई बहुप्रतीक्षित फिल्मों में दिखाई देंगे. इन्हीं में से एक है उनकी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब'. इस फिल्म को लेकर पहले से ही चर्चाएं थीं, और अब जब इसका पहला लुक सामने आया है, तो फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है. संजय का दमदार अंदाज इस झलक में देखने को मिला है, जो यह साफ करता है. फिल्म 'द राजा साब' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर है. निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 5 दिसंबर को तैयार हो जाइए संजू बाबा की एक खौफनाक मौजूदगी से रूबरू होने के लिए, जो आपके रोंगटे खड़े कर देगी. सामने आए पोस्टर में संजू को एक उम्रदराज, रहस्यमयी लुक में देखा जा सकता है. उनके बढ़े हुए लंबे बाल उनके थके, जर्जर चेहरे के चारों ओर फैले हुए हैं, जिससे उनका लुक और भी भयावह लग रहा है. फिल्म में वह साउथ के सुपरस्टार प्रभास के दादाजी की भूमिका निभा रहे हैं, जिनकी असमय मृत्यु हो जाती है और वो एक भूत बनकर कहानी में लौटते हैं. फिल्म 'द राजा साब' की बात करें तो इसमें प्रभास और संजय दत्त के साथ-साथ निधि, मालविका और योगी बाबू जैसे कलाकार भी नजर आएंगे. यह फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है. उसी दिन संजू की एक और फिल्म 'धुरंधर' भी बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें. किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-5-6-8

वृष : इच्छित कार्य सफल होंगे. अपने काम पर पैनी नजर रखिए. विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-6-7-8

मिथुन : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. शुभांक-2-6-9

कर्क : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी. महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. इच्छित कार्य सफल होंगें. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-6-7-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. यात्रा शुभ रहेगी. माता पक्ष से विशेष लाभ. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. यात्रा का परिणाम मिल जाएगा. शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैनी नजर रखिए. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. समय पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. शुभांक-4-6-8

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-1-5-7

वृश्चिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ होंगे. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है. कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. पुराने मित्र से मिलन होगा. अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें. शुभांक-5-6-8

धनु : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. समय पक्ष का बना रहेगा. शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. आलस्य का त्याग करें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. शुभांक-5-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. मित्र से मिलन होगा. शुभांक-3-8-9

मीन : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे है. दिन का उत्तरार्ध ज्यादा खुशियां लेकर आएगा. शुभांक-3-5-6

कैसे करें स्ट्रीम सिलेक्शन

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।

सेरिकल्चरिस्ट के तौर पर बनाएं सिल्क इंडस्ट्री में भविष्य

भारत रेशम उत्पादन में दुनिया में दूसरे स्थान पर है और उपभोक्ता के तौर पर पहले. अपेरल इंडस्ट्री की मांगों को पूरा करने के लिए देश में बड़े पैमाने पर कच्चे रेशम के उत्पादन की जरूरत बनी हुई है. हालांकि, भारत के कच्चे रेशम उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गयी है और वर्ष 2017-18 के 31,906 मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में 2023-24 में रेशम उत्पादन 38,913 मीट्रिक टन हो गया. इसके साथ ही सेरीकल्चर के जानकारों के लिए काम करने के मौके भी लगातार बढ़े और यह बेहद डिमांड वाला करियर बन गया. जानें इस कार्यक्षेत्र में मौजूद संभावनाओं के बारे में...

कच्चा रेशम बनाने के लिए रेशम के कीटों का पालन सेरीकल्चर या रेशम कीट पालन कहलाता है. सेरीकल्चर भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह केवल रेशम के कीड़ों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिल्क कल्चर से संबंधित अन्य गतिविधियां, जैसे शहतूत रेशम की खेती एवं कच्चे रेशम के कोवा के बाद अपनायी जाने वाली तकनीक भी शामिल है. रेशम ऊंचे दाम में मिलनेवाला, लेकिन कम मात्रा में मौजूद एक उत्पाद है, इसलिए विकासशील देशों में रोजगार सृजन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए लोग इस उद्योग को तरजीह देते हैं. यह कम समय में अधिक आय का एक बेहतरीन जरिया है. भारत में घरेलू रेशम बाजार की अपनी एक रचनात्मक परंपरा एवं संस्कृति है. शहतूत रेशम का उत्पादन खासतौर पर कर्नाटक, तमिलनाडु, जम्मू एवं कश्मीर एवं पश्चिम बंगाल में होता है, जबकि गैर- शहतूत रेशम का उत्पादन झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में होता है.

कौन होते हैं सेरिकल्चरिस्ट

पौधों की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों की खेती और पालन-पोषण से लेकर उनसे कच्चे रेशम के रेशों को निकालने तक, हर कदम में एक सेरिकल्चरिस्ट यानी रेशमविज्ञानी शामिल होता है. एक सेरिकल्चरिस्ट के काम में रेशम के कीड़ों के लिए पालन गृहों का निर्माण और रखरखाव, रेशम के कीड़ों के लिए सही पौधों की किस्म का चयन करना, रेशम के कीड़ों को लार्वा अवस्था से कोकून अवस्था तक उठाना, उपयुक्त कीटनाशकों को लागू करना, रेशम के कीड़ों से कच्चे रेशम के रेशों को निकालना और उनकी कताई करना शामिल है.सेरिकल्चरिस्ट रेशम उत्पादन से संबंधित ऐसे कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो रेशम के कीड़ों और अन्य संबंधित प्रजातियों के प्रजनन को बढ़ाते हैं, रेशम, मोम और अन्य उत्पादों का उत्पादन करते हैं.

ऐसे बढ़ सकते हैं आगे

बारहवीं के बाद सेरीकल्चर के बैचलर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश ले सकते हैं. इसके लिए आपका साइंस स्ट्रीम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) से होना जरूरी है. इस विषय में बैचलर डिग्री के दो विकल्प हैं- बीएससी (सेरीकल्चर) एवं बीएससी सिल्क टेक्नोलॉजी (सेरीकल्चर). इसके बाद इस विषय में मास्टर डिग्री हासिल करने एवं पीएचडी का विकल्प है. सेंट्रल सिल्क बोर्ड के तहत आनेवाले संस्थान सेंट्रल सेरीकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से सेरीकल्चर में पीजीडी कोर्स कर सकते हैं.

काम करने के मौके हैं यहां

रेशम उत्पादन को सेरिकल्चरिस्ट ने एक उद्योग में बदल दिया है और अब यह देश की एक प्रमुख नकदी फसल बन गया है. यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं हैं. यह कार्यक्षेत्र सेरिकल्चरिस्ट, सेरीकल्चर रिसर्चर, सेरीकल्चर प्रोफेसर के तौर पर काम करने का मौका देता है.इनके लिए सरकारी संगठनों, प्राइवेट फर्म, एजेंसियों, अकादमिक संस्थानों, शोध संस्थानों में नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं. सेरीकल्चर के पेशेवरों को रोजगार देनेवाले कुछ प्रमुख ऑर्गनाइजेशन हैं- सेंट्रल सेरीकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बेहरामपुर, पश्चिम बंगाल, सेंट्रल सिल्क बोर्ड, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल एवं खादी डिपार्टमेंट, इंडियन सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल. सेरीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप रेशम उत्पादक के तौर पर स्वरोजगार का विकल्प भी अपना सकते हैं.

शानदार करियर विकल्प हो सकता है पर्सनल शॉपर

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं। इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रेंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर'' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बुटिक, फुटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरिएंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्निशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पर्सनल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है. ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्क्लेव आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बुटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।

इन तरीकों से मार सकते हैं इंग्लिश में बाजी

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों में ग्रुप बी व सी के पदों पर भर्ती हेतु हर साल कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) एग्जाम आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में टियर-1 तथा टियर-2 होता है, जबकि इस वर्ष से इंटरव्यू समाप्त कर दिए गए हैं। टियर-1 में इंग्लिश, क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड, लॉजिकल रीजनिंग तथा जनरल अवेयरनेस के खंड शामिल होते हैं। वहीं टियर-2 में इंग्लिश लैंग्वेज तथा क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड के सेक्शन होते हैं। जाहिर है, इस परीक्षा में इंग्लिश का खास महत्व है। अगर आपकी इंग्लिश अच्छी है, तो आपको टियर-1 तथा टियर-2 दोनों में ही स्कोर करने में मदद मिलेगी।

क्या होता है इंग्लिश सेक्शन में?

एसएससी सीजीएल परीक्षा में इंग्लिश सेक्शन एलिमेंट्री स्तर का होता है। मगर यहां आपको ग्रामर के नियमों का खास ध्यान रखना होगा क्योंकि इस सेक्शन में अधिकांश प्रश्न काफी चतुराईपूर्वक पूछे जाते हैं।

टियर-1

इसमें कुल 50 प्रश्न पूछे जाते हैं और हर प्रश्न का 1 अंक होता है। इसमें रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, क्लोज टेस्ट, एरर आइडेंटिफिकेशन, वन वर्ड एक्सप्रेशन, फ्रेज एंड इडियम्स, सिनोनिम्स एंड एंटोनिम्स, फिल इन द ब्लैंक्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स, सेंटेंस इम्प्रूवमेंट्स आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं।

टियर-2

इस चरण में 1-1 अंक के 200 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, क्लोज पैसेज, एरर आइडेंटिफिकेशन, सेंटेंस इंप्रूवमेंट, सिनोनिम्स एंड एंटोनिम्स, फिल इन द ब्लैंक्स, एक्टिव एंड पैसिव वॉइस, डायरेक्ट एंड इनडायरेक्ट स्पीच आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं। हालांकि ये प्रश्न बेसिक स्तर के लगते हैं लेकिन इन्हें जरा घुमा-फिराकर पूछा जाता है। अगर आप ग्रामर के नियमों के अपवादों तथा स्पेशल रूल्स से परिचित नहीं हैं, तो आपको मुश्किल हो सकती है।

क्यों अहम है इंग्लिश

इंग्लिश लैंग्वेज एसएससी सीजीएल परीक्षा में इसलिए अहम है कि यह भर्ती प्रक्रिया के दोनों चरणों में शामिल है। यह परीक्षार्थियों के लिए इन कारणों से भी उपयोगी है -

कम समय की मांग

यह सेक्शन ज्यादा समय नहीं मांगता क्योंकि यहां या तो आपको उत्तर पता होता है या फिर नहीं पता होता। इसमें आपको कोई जोड़-घटाव नहीं करना होता। इसलिए रीजनिंग या क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड के मुकाबले इस सेक्शन के प्रश्न हल करने में कम समय लगता है।

वेटेज अधिक

टियर-1 में इंग्लिश के 50 प्रश्नों के 50 अंक और टियर-2 में 200 प्रश्नों के 200 अंक होते हैं। इतने अधिक वेटेज के चलते जाहिर है कि अगर आप इस परीक्षा में अधिक से अधिक अंक लाना चाहते हैं, तो इंग्लिश की ओर आपको विशेष ध्यान देना ही होगा।

दूसरों की कमजोरी, आपकी ताकत

बहुत बड़ी संख्या में परीक्षार्थी इंग्लिश से डरते हैं क्योंकि उनके मन में ग्रामर को लेकर कई शंकाएं होती हैं। ऐसे में यदि आपकी इंग्लिश थोड़ी भी बेहतर है, तो आप उनसे बाजी मार सकते हैं। दूसरों की कमजोरी को आप अपनी ताकत बना सकते हैं।

प्रश्नों का दोहराव

इंग्लिश लैंग्वेज कुछ नियमों पर आधारित है और अगर ग्रामर के नियम की दृष्टि से देखा जाए, तो एरर आइडेंटिफिकेशन, सेंटेंस इंप्रूवमेंट आदि के प्रश्नों में दोहराव होता ही है। इसलिए यदि आप पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र पढ़ चुके हैं और ग्रामर के नियमों तथा उनके अपवादों से भली प्रकार परिचित हैं, तो आप इस सेक्शन में आसानी से स्कोर कर सकते हैं।

अधिक अभ्यास की जरूरत नहीं

इस सेक्शन में स्कोर करने के लिए आपको मैथ्स की तरह अभ्यास करने की जरूरत नहीं होती। कारण यह कि यहां स्पीड नहीं, ज्ञान मायने रखता है। यदि आपको भाषा का ज्ञान है, तो आपको बार-बार अभ्यास करने की जरूरत नहीं होती।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट आज से, भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बाहर होना तय

किसकी होगी एंट्री, क्या कुलदीप को मिलेगा मौका

एजेंसियां। लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट की शुरुआत 31 जुलाई, गुरुवार से होगी. लंदन के द ओवल मैदान में खेला जाने वाला यह मैच टीम इंडिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. सीरीज हार से बचने के लिए भारत को हर हाल में यह मैच जीतना होगा. इंग्लैंड ने फिलहाल 2-1 की बढ़त बनाई हुई है. शुभमन गिल की अगुआई में भारत ने इस दौरे पर कमाल का प्रदर्शन किया है. लीड्स और लॉर्ड्स, जिन दो टेस्ट मैचों में भारतीय टीम हारी, वो बेहद करीबी रहे. टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट को बचाने के लिए गजब का साहस दिखाया. भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में फॉर्म में रहे हैं. हालांकि, आखिरी टेस्ट में भारत की सबसे बड़ी समस्या गेंदबाजों के चयन को लेकर होगी. पिछले टेस्ट में भारतीय गेंदबाज फेल रहे थे. वहीं, आखिरी टेस्ट में एक नई बॉलिंग लाइन अप के साथ टीम इंडिया उतर सकती है.

बुमराह को मिल सकता है आराम : भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर रहना तय माना जा रहा है. वहीं, अंशुल कंबोज भी पिछले टेस्ट में प्रभावित करने में नाकाम रहे थे. ऐसे में आकाश दीप की प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है. वह चोट की वजह से पिछला मैच नहीं खेले थे. इसके अलावा अंशुल की जगह अर्शदीप सिंह को टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिल सकता है.

दोनों ने मंगलवार को प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाया था. सिराज तीसरे तेज गेंदबाज हो सकते हैं. हालांकि, सिराज पर भी चार टेस्ट खेलने की वजह से थकान हावी है और अगर उन्हें आराम दिया जाता है, तो प्रसिद्ध कृष्णा खेलते दिखाई पड़ेंगे.

मैनचेस्टर में लय में नहीं दिखे थे बुमराह : दुनिया के नंबर एक गेंदबाज 31 वर्षीय बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में लय में नहीं दिखे थे. उन्हें अपनी गति को लेकर भी संघर्ष करना पड़ा था. वे इस टेस्ट में सिर्फ एक विकेट ले सके थे. ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बता दिया है कि यह फैसला उनकी पीठ को चोट से बचाने और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप को प्लेइंग-11 में बुमराह की जगह शामिल किया जा सकता है.

टीम संयोजन के बारे में अभी तक फैसला नहीं : इससे पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि टीम संयोजन के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है और बुमराह सहित सभी गेंदबाज फिट हैं. मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के बाद गंभीर ने कहा था, 'हमने आखिरी टेस्ट के लिए टीम संयोजन पर कोई बातचीत नहीं की है. जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं, इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है. जो भी खेलेगा, वह देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा.

पंत की जगह जुरेल की हो सकती है एंट्री : बल्लेबाजी में ऋषभ पंत को छोड़कर किसी तरह के बदलाव की संभावना बेहद कम है. पंत पैर की अंगुली टूटने की वजह से सीरीज से बाहर हो चुके हैं. ऐसे में उनकी जगह ध्रुव जुरेल को मौका मिल सकता है. पंत की गैरमौजूदगी में इस सीरीज में उन्होंने कई मौकों पर विकेटकीपिंग की है और अपने किरदार को बखूबी निभाया है. इसके अलावा रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर का भी खेलना तय है. दोनों ने मैनचेस्टर में टेस्ट बचाने के लिए विपरीत परिस्थितियों में भी शानदार बल्लेबाजी की थी.

भारत की संभावित प्लेइंग-11: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर/कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह/आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज/प्रसिद्ध कृष्णा.

बुमराह की रफ्तार में दिखी थी कमी

चौथे टेस्ट में भारत के 358 रन के जवाब में इंग्लैंड ने 669 रन का विशाल स्कोर बनाकर 311 रन की बढ़त हासिल की थी. भारत यह मैच ड्रॉ करने में सफल रहा था। बुमराह ने चौथे टेस्ट की पहली पारी में 33 ओवर फेंके. उन्होंने पहली बार किसी एक पारी में इतने ओवर किए. बुमराह ने 103 रन देकर दो विकेट लिए. यह उनके करियर में पहला अवसर था जब उन्होंने एक टेस्ट पारी में 100 से अधिक रन दिए. इस सीरीज के दौरान उनकी रफ्तार में कमी भी देखी गई. इसके बावजूद उन्होंने सीरीज के जो तीन टेस्ट मैच खेले उनमें 14 विकेट लिए जो टीम के एक अन्य प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बराबर हैं.

कोच की आलराउंडर रखने की वकालत

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मंगलवार को अपने बयान में ऑलराउंडर को रखे जाने का वकालत की थी. उन्होंने एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जगह ऑलराउंडर को तरजीह दिए जाने की बात की थी. ऐसे में शार्दुल ठाकुर का खेलना तय माना जा रहा है. शार्दुल ने मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में बहुमूल्य 41 रन भी बनाए थे, लेकिन उनकी गेंदबाजी पर सवाल उठ रहे हैं. कई दिग्गजों ने चार टेस्ट के दौरान कुलदीप यादव को खिलाने की मांग की थी. टीम मैनेजमेंट शार्दुल की जगह कुलदीप को खिलाने पर भी विचार कर सकता है. कुलदीप अटैकिंग स्पिनर हैं और भारत की पिछले टेस्ट में गेंदबाजी को देखते हुए उन्हें मौका मिल सकता है.

कप्तान बेन स्टोक्स हुए आउट, आर्चर को आराम

इस बीच, भारत के खिलाफ लंदन के ओवल में खेले जाने वाले पांचवें और निर्णायक टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है. टीम के कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं. अब ओली पोप इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे. इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को इसकी पुष्टि की. पांच मैचों की सीरीज़ में फिलहाल इंग्लैंड 2-1 से आगे है और यह निर्णायक मुकाबला होगा. स्टोक्स इस सीरीज़ में कुल 140 ओवर डाल चुके हैं और 17 विकेट के साथ अभी तक सीरीज़ के सबसे सफल गेंदबाज़ रहे हैं. स्टोक्स ने प्री मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं सीरीज़ का अंत नहीं कर पाने से बेहद निराश हूं. स्कैन रिपोर्ट में साफ हो गया कि मैं गेंदबाज़ी नहीं कर सकता. मेडिकल टीम और कोच ब्रेंडन मैकुलम से बात करने के बाद यह फैसला लेना पड़ा. ऑलराउंडर जैकब बेथेल इस साल का अपना पहला टेस्ट खेलेंगे और वह स्टोक्स की जगह लेंगे. वहीं, स्पिनर लियाम डॉसन को टीम से बाहर कर दिया गया है, जिससे इंग्लैंड किसी भी स्पेशलिस्ट स्पिनर के बिना मैदान में उतरेगा.

पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम: ज़ैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन, जोश टंग.

सीएएफए नेशंस कप 2025

भारत लेगा मलेशिया की जगह, ईरान ताजिकिस्तान जैसी टीमों से होगी भिड़ंत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम अब सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में भाग लेगी, जहां वह मलेशिया की जगह लेगी, जिसने लॉजिस्टिक कारणों से टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है.

सीएएफए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मलेशिया की भागीदारी पहले ही तय हो गई थी और उन्हें टूर्नामेंट की तारीखों (29 अगस्त से 8 सितंबर) की पूरी जानकारी थी, जो कभी बदली नहीं गयी, लेकिन इस देर से हुए नाम वापसी ने आयोजन की तैयारियों को प्रभावित किया है, क्योंकि योजनाएं पहले ही उन्नत चरण में थीं.अब भारत 'हरिमाउ मलाया' (मलेशिया की टीम) की जगह लेगा. यह टूर्नामेंट भारतीय टीम के लिए एक नए युग की शुरुआत भी होगा, क्योंकि हाल ही में मैनोलो मार्केज़ के साथ पारस्परिक सहमति से करार खत्म हो गया था. भारत को जिन टीमों के साथ ग्रुप में रखा गया है, वे ईरान (डिफेंडिंग चैंपियन), ताजिकिस्तान (2023 एशियन कप क्वार्टरफाइनलिस्ट) और अफगानिस्तान हैं.

इस टूर्नामेंट में भारत के पास ईरान और ताजिकिस्तान जैसी ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को हराकर मूल्यवान रैंकिंग अंक अर्जित करने का सुनहरा अवसर होगा. टूर्नामेंट फॉर्मेट के अनुसार, हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें प्लेऑफ स्टेज में पहुंचेंगी. 8 सितंबर को दो मुकाबले खेले जाएंगे, तीसरे स्थान के लिए मुकाबला (ग्रुप रनर-अप के बीच)दुशांबे में और फाइनल मुकाबला (ग्रुप विजेताओं के बीच) ताशकंद में होगा.

भारत का संभावित कार्यक्रम
- भारत बनाम ताजिकिस्तान – 29 अगस्त
- भारत बनाम ईरान – 1 सितंबर
- भारत बनाम अफगानिस्तान – 4 सितंबर

भारतीय फुटबॉल टीम पिछले 16 महीनों में किसी भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच में जीत दर्ज करने में असफल रही है. 2024 एशियन कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर होने के बाद पहले इगोर स्टिमैक और फिर मैनोलो मार्केज़ को कोच पद से हटाया गया. वर्तमान में भारत की फीफा रैंकिंग 133 है, जो पिछले एक दशक में सबसे निचला स्तर है. अब टीम एक नई शुरुआत की ओर देख रही है, और 1 अगस्त को नया मुख्य कोच नियुक्त किया जाना तय है. संभावित उम्मीदवारों में खालिद जमील, स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन, और स्टेफ़न टार्कोविक के नाम शामिल हैं.

भारत चैंपियंस का कमाल, 14 ओवर के अंदर 145 रन चेज कर अंतिम-चार में बनाई जगह

किया इनकार, पाक से नहीं खेलेंगे

एजेंसियां। लंदन

विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है. मंगलवार को युवराज सिंह की अगुआई वाली भारत चैंपियंस टीम ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली. वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन बनाए. भारतीय टीम को अंतिम-चार में स्थान पक्का करने के लिए यह लक्ष्य 14.1 ओवर में चेज करना था, लेकिन टीम इंडिया ने 13.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया. भारत की जीत के हीरो स्टुअर्ट बिन्नी और यूसुफ पठान रहे.

आज ही खेले जाएंगे दोनों सेमीफाइनल : अब सेमीफाइनल में भारत का सामना 31 जुलाई को पाकिस्तान चैंपियंस से होना था, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के साथ खेलने से साफ मना कर दिया है. भारत ने लीग राउंड में भी पाकिस्तान से मुकाबले का बहिष्कार किया था और खेलने से इनकार कर दिया था. अब फिर भारत ने साफ कर दिया है कि वह पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलेगा. वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में एबी डिविलियर्स की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ब्रेट ली की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम से 31 जुलाई को ही भिड़ेगी. अंक तालिका में पाकिस्तान शीर्ष पर रहा, जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे, ऑस्ट्रेलिया तीसरे और भारत चौथे स्थान पर रहा.

वेस्टइंडीज चैंपियंस की पारी

भारत चैंपियंस की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही. टीम ने 43 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे. लेंडल सिमंस दो रन, कप्तान क्रिस गेल नौ रन और ड्वेन ब्रावो नौ रन बनाकर आउट हुए. वहीं, चैडविक वॉल्टन, डेव मोहम्मद और विलियम पर्किंस खाता नहीं खोल सके. ड्वेन स्मिथ ने 21 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाए. एश्ले नर्स आठ रन बनाकर आउट हुए. कीरोन पोलार्ड ने 43 गेंद में तीन चौके और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 74 रन की तूफानी पारी खेली. उनकी बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज की टीम 144 के स्कोर तक पहुंच पाई. निकिता मिलर तीन रन बनाकर आउट हुए, जबकि शेल्डन कॉटरेल नाबाद रहे. भारत की ओर से पीयूष चावला ने तीन विकेट लिए, जबकि वरुण एरॉन और बिन्नी को दो-दो विकेट मिले. पवन नेगी ने एक विकेट लिया.

भारत चैंपियंस की पारी

भारत को सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने के लिए इस लक्ष्य को 14.1 ओवर में हासिल करना था. टीम इंडिया की शुरुआत खराब रही. 52 रन तक भारत ने चार विकेट गंवा दिए थे. रॉबिन उथप्पा आठ रन, गुरकीरत सिंह मान सात रन और सुरेश रैना सात रन बनाकर आउट हुए. शिखर धवन ने 18 गेंद में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 25 रन बनाए. इसके बाद स्टुअर्ट बिन्नी ने कप्तान युवराज सिंह के साथ पांचवें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी निभाई. युवराज 11 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद बिन्नी ने यूसुफ के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई. यूसुफ ने सात गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से नाबाद 21 रन और बिन्नी ने 21 गेंद में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 50 रन बनाए. टीम इंडिया ने 13.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया. वेस्टइंडीज की ओर से ड्वेन स्मिथ और ड्वेन ब्रावो ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कॉटरेल को एक विकेट मिला. स्टुअर्ट बिन्नी प्लेयर ऑफ द मैच रहे.

कनाडियन ओपन 2025

एक माह बाद कोर्ट पर लौटे अलेक्जेंडर ज्वेरेव की विजयी वापसी

एजेंसियां। टोरंटो

कनाडियन ओपन 2025 (एटीपी टोरंटो मास्टर्स) में टॉप सीड जर्मन खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एक महीने बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन को 7-6 (8/6), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली. विंबलडन के पहले दौर में हारने के बाद ज्वेरेव ने मानसिक थकावट के कारण खेल से ब्रेक लिया था. इस दौरान उन्होंने राफेल नडाल की मल्लोर्का अकादमी का दौरा भी किया, जहां उन्होंने सलाह और करियर से जुड़े विचार-विमर्श किए. पहले सेट के टाईब्रेकर में वह 4-1 से पीछे थे, लेकिन शानदार वापसी करते हुए सेट अपने नाम किया. मैच के दौरान उन्होंने एक 52 शॉट्स की लंबी रैली भी खेली. जीत के बाद अब उनके करियर में कुल 499 मैच जीत हो चुकी हैं. ज्वेरेव ने मैच के बाद कहा, "कभी-कभी केवल जीत ही मायने रखती है. यह सबसे सुंदर मैच नहीं था, लेकिन जीत जरूरी थी." अब उनका सामना इटली के माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने त्रिस्टन स्कूलकेट को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया. अन्य मुकाबलों में तीसरे वरीय लोरेन्जो मुसेत्ती और पांचवें वरीय होल्गर रून ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज की. मुसेत्ती ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-1 से हराया.

रून ने फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरिकरड को 7-6 (9/7), 6-3 से मात दी. आठवें वरीय कैस्पर रूड ने रोमन सफियुल्लिन को 6-3, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया. पूर्व चैंपियन और 10वें वरीय दानील मेदवेदेव ने डलिबोर स्विसना को 7-6 (7/3), 6-4 से हराया. स्विसना ने इस मैच में 40 से अधिक अनफोर्स्ड एरर्स किए. 11वें वरीय कारेन खाचानोव ने अर्जेंटीना के जुआन पाब्लो फिकोविच को 6-4, 6-2 से हराया. कनाडाई खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव की घरेलू टूर्नामेंट में खराब फॉर्म जारी रही. उन्हें अमेरिका के लर्नर टिएन के खिलाफ 7-6 (7/4), 7-5 से हार का सामना करना पड़ा. शापोवालोव की यह घरेलू धरती पर लगातार हार का सिलसिला 2019 से जारी है.

हरदीप ने रचा इतिहास, अंडर-17 ग्रीको-रोमन कुश्ती के 110 किग्रा वर्ग में बने विश्व चैंपियन

नयी दिल्ली : एथेंस (ग्रीस) में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के हरदीप ने 110 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया. फाइनल मुकाबले में हरदीप ने ईरान के यज़दान रज़ा डेलरूज़ को कड़े मुकाबले में क्लाइटेरिया के आधार पर हराया, क्योंकि मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था. हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखस्तान के बाकतुर सोवेतखान को 2-0 से हराया. राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस यारोस्लाव टोमेल्का को 4-2 से मात दी. इसके बाद क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9-0 से पराजित किया. सेमीफाइनल में हरदीप ने तुर्किए के एमरुल्लाह कापकान को 4-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अंततः ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया.

एवर्टन ने मोरक्कन डिफेंडर आदम अजनोउ से किया करार

लंदन । इंग्लिश फुटबॉल क्लब एवर्टन ने 19 वर्षीय मोरक्कन अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर आदम अजनोउ को बायर्न म्यूनिख से साइन कर लिया है. बाएं फ्लैंक पर खेलने वाले अजनोउ ने क्लब के साथ चार साल का करार किया है. हालांकि ट्रांसफर फीस का आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह राशि लगभग 8 मिलियन पाउंड (लगभग 10.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मानी जा रही है. एवर्टन के कोच डेविड मोयेस ने रविवार को अमेरिका में खेले गए प्री-सीजन फ्रेंडली मुकाबले में बर्नमाउथ से हारने के बाद अजनोउ में रुचि होने की पुष्टि की थी. पिछले सीजन में अजनोउ ने बायर्न म्यूनिख की सीनियर टीम के लिए चार मुकाबले खेले थे, इसके बाद वह सीजन के दूसरे भाग में ला लीगा क्लब वायाडोलिड को लोन पर भेजे गए थे, जहां उन्होंने 13 मैचों में हिस्सा लिया.

एवर्टन की आधिकारिक वेबसाइट पर अजनोउ ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं यहां आकर बेहद खुश हूं और इस टीम का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं. जो प्रोजेक्ट मुझे दिया गया, वह शानदार है.

ई-स्पोर्टस वर्ल्ड कप 2025: अर्जुन एरिगैसी शतरंज इवेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

एजेंसियां। नयी दिल्ली

रियाद (सऊदी अरब) में चल रहे ई-स्पोर्टस वर्ल्ड कप 2025के शतरंज इवेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मंगलवार को क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली. एरिगैसी (ग्रुप बी) के साथ अन्य ग्रुप विजेता लेवोन अरोनियन (ग्रुप ए), अलीरेज़ा फिरोज़ा (ग्रुप सी) और मैग्नस कार्लसन (ग्रुप डी) भी अंतिम आठ में पहुंचे हैं. कुल 16 खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता में कुल इनामी राशि 15 लाख अमेरिकी डॉलर है. क्वार्टरफाइनल के शेष चार स्थान 'लूजर्स ब्रैकेट' के विजेताओं को मिलेंगे. ग्रुप ए में इयान नेपोमनियाची, व्लादिस्लाव अर्तेमिएव और आंद्रे एसिपेंको शामिल हैं. ग्रुप बी में अनीश गिरी, निहाल सरीन और मैक्सीम वाचिए-लाग्राव हैं. ग्रुप सी में जावोखिर सिंदारोव, वेई यी और हिकारू नाकामुरा जबकि ग्रुप डी में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, फाबियानो करूआना और जान-क्रिज़टोफ डूडा शामिल हैं.

क्रिकेट मुकाबला

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिचेल ओवेन को पहली बार वनडे टीम में जगह, लाबुशेन बरकरार

पैट कमिंस व स्टार्क आराम पर, मिचेल मार्श होंगे कप्तान

एजेंसियां। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले वनडे और टी20 श्रृंखला के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है. युवा ऑलराउंडर मिचेल ओवेन को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है, वहीं तेज गेंदबाज लांस मॉरिस की 50 ओवर प्रारूप में वापसी हुई है. टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद मिचेल ओवेन को वनडे टीम में शामिल किया गया है. उन्होंने उस सीरीज़ में 192.30 के स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए थे, जिसमें जमैका में पदार्पण मैच में अर्धशतक भी शामिल है. इसके अलावा उन्होंने पिछले वनडे कप सीज़न में तस्मानिया की ओर से साउथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 69 गेंदों में 149 रन की धमाकेदार पारी खेली थी. वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट टीम से बाहर किए गए मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम में बरकरार रखा गया है. स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल के वनडे से संन्यास लेने के बाद यह टीम पहले बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है. स्पेंसर जॉनसन चोट के कारण बाहर हैं, जबकि जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कूपर कोनॉली, एरॉन हार्डी, टैनीवर संगा, और सीन एबॉट को टीम से बाहर कर दिया गया है.

हेड और हेज़लवुड की वापसी, कमिंस-स्टार्क को आराम : ट्रैविस हेड और जोश हेज़लवुड की टी20 और वनडे दोनों में वापसी हुई है. वहीं पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क को घरेलू समर सीज़न से पहले आराम दिया गया है. मिचेल मार्श दोनों प्रारूपों में कप्तानी की ज़िम्मेदारी संभालेंगे. ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा,वेस्टइंडीज सीरीज़ में लचीलापन और गहराई का जो परिचय मिला, वह नतीजों से परे एक सकारात्मक संकेत था. बल्लेबाजी क्रम की लचीलापन और गेंदबाजों की विविधता विशेष रूप से प्रभावशाली रही. उन्होंने आगे कहा, लांस मॉरिस को सावधानी से प्रबंधित किया गया है, लेकिन हमें भरोसा है कि वे तीनों प्रारूपों में प्रभावी हो सकते हैं.

कार्यक्रम

टी20 मैचः 10 और 12 अगस्त को डार्विन में, 16 अगस्त को केर्न्स में

वनडे सीरीजः 19 अगस्त (केर्न्स), 22 और 24 अगस्त (मैकाय)

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम बनाम दक्षिण अफ्रीका

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैट कुनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जांपा.

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम बनाम दक्षिण अफ्रीका : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम एडम जांपा.

खो-खो को एआईईएससीबी के खेल कैलेंडर में मिली मान्यता

उपलब्धि: पारंपरिक भारतीय खेल के लिए नया स्वर्ण युग शुरू हुआ

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय पारंपरिक खेल खो-खो ने खेल जगत में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण बोर्ड (एआईईएससीबी) के वार्षिक खेल कैलेंडर में अपनी आधिकारिक जगह बना ली है. यह निर्णय एआईईएससीबी की मुंबई में आयोजित वार्षिक आम सभा बैठक में लिया गया, जहां खो-खो को क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, बैडमिंटन और टेनिस जैसे अन्य 16 प्रमुख खेलों के समकक्ष स्थान दिया गया. एआईईएससीबी भारत में ऊर्जा और विद्युत क्षेत्रों से जुड़े विभागों की प्रमुख खेल संस्था है, जो वर्षों से विभिन्न खेलों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही है. अब एआईईएससीबी की मान्यता मिलने के बाद, खो-खो खिलाड़ियों को न केवल प्रतिस्पर्धात्मक मंच मिलेगा, बल्कि उन्हें खेल कोटे के माध्यम से करियर के स्थायी अवसर भी मिल सकेंगे. इससे पहले सेनाएं (सर्विसेज) और भारतीय रेल (रेलवे) जैसे संस्थागत निकाय भी खो-खो को अपने आधिकारिक खेल कैलेंडरों में शामिल कर चुके हैं. खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने इस अवसर को ₹केवल प्रतीकात्मक मान्यता नहीं, बल्कि खेल की बढ़ती राष्ट्रीय प्रासंगिकता की पुष्टि₹ बताया. उन्होंने कहा, "हम देख रहे हैं कि कैसे एक परंपरागत भारतीय खेल अब शीर्ष संस्थागत मंचों तक पहुंच रहा है. यह बदलाव ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत के युवाओं को खो-खो को एक व्यावसायिक करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा." उन्होंने कहा कि यह विकास खो-खो के उस पेशेवर कायांतरण को रेखांकित करता है, जिसमें अब यह खेल रोजगार, सम्मान और भविष्य का माध्यम बनता जा रहा है. सरकारी विभागों में खो-खो टीमों के गठन और खिलाड़ियों को नियुक्ति में प्राथमिकता मिलने से इस दिशा में ठोस आधार बनता जा रहा है.

ब्रीफ न्यूज

दीघा में पिकअप और ऑटो की टक्कर में एक की मौत

पटना। दीघा थाना क्षेत्र के रामजीचक इलाके में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई. युवक की मौत की खबर मिलते ही इलाके में आक्रोश फैल गया और स्थानीय लोगों ने दीघा मुख्य सड़क को जाम कर दिया. लोगों ने मौके पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की. मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात तेज रफ्तार पिकअप वैन और ऑटो के बीच सीधी टक्कर हो गई थी. इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे, जिनमें से एक युवक की हालत गंभीर थी. इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई. मृतक युवक की पहचान दीघा रामजीचक निवासी के रूप में हुई है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है और ट्रैफिक नियंत्रण के उपाय न होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं. लोगों ने प्रशासन से सड़क पर यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है. घटना की सूचना मिलते ही दीघा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने की कोशिश की. पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटाने की कोशिश की.

नीतीश कुमार का ऐलान : आशा और ममता कार्यकर्ताओं की मानदेय राशि बढ़ी

आशा कार्यकर्ताओं को अब हर महीने मिलेगी तीन हजार रु की प्रोत्साहन राशि

शुभम संदेश। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी वर्ष में एक और बड़ा फैसला लेते हुए राज्य की आशा और ममता कार्यकर्ताओं को बड़ी सौगात दी है. उन्होंने इनके मानदेय में उल्लेखनीय वृद्धि का ऐलान किया है. मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस निर्णय की जानकारी साझा की. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार नवम्बर 2005 से ही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है, और इसमें आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है. सीएम नीतीश ने ट्वीट में लिखा, "ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में आशा और ममता कार्यकर्ताओं ने बहुत बड़ा योगदान दिया है. उनके इसी योगदान के सम्मान में उनकी प्रोत्साहन राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है." मुख्यमंत्री के अनुसार, अब आशा

कार्यकर्ताओं को प्रति माह 1,000 रुपये के बजाय 3,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी. वहीं ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपये की जगह अब 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी.

सीएम के इस फैसले से राज्य भर की आशा और ममता कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है. लंबे समय से ये कार्यकर्ता मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे, जिसे अब सरकार ने स्वीकार कर लिया है. इससे इनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और इनके काम के प्रति उत्साह भी बढ़ेगा. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस फैसले से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और अधिक बेहतर होगी. विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है. यह निर्णय स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार सरकार की गंभीरता को दर्शाता है और साथ ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक अहम राजनीतिक कदम भी माना जा रहा है, जो स्वास्थ्य कर्मियों और महिलाओं को साधने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है.

वहीं नीतीश के इस फैसले को लेकर तेजस्वी यादव ने तीखा हमला बोला है. तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर एक गाना शेयर करते हुए नीतीश सरकार को ₹नकलची सरकार₹ बताया. गाने के बोल थे, ₹नकल, नकल... जीरो इनकी अक़ल...₹. तेजस्वी ने दावा किया कि जब वे 17 महीने के लिए बिहार के स्वास्थ्य मंत्री थे, तब ही उन्होंने आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, जो अंतिम चरण में थी. लेकिन तभी सरकार पलट गई और एनडीए सत्ता में वापस आ गई.तेजस्वी ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने इस मुद्दे पर दो साल तक कोई कार्रवाई नहीं की और अब उनकी पुरानी योजना को अपनाकर क्रेडिट लेने की कोशिश कर रही है. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने ₹चालाकी₹ से इस मांग को पूरी तरह लागू नहीं किया.

उनके मुताबिक, कार्यकर्ताओं को केवल प्रोत्साहन राशि नहीं, बल्कि नियमित मानदेय मिलना चाहिए, जो उनकी सरकार देने के लिए तैयार थी. उन्होंने आगे कहा कि उनकी 17 महीने की सरकार ने विकास मित्र, शिक्षा मित्र, टोला सेवक, तालीमी मरकज़ और पंचायती राज प्रतिनिधियों का मानदेय भी बढ़ाया था. तेजस्वी ने वर्तमान सरकार को ₹थकी-हारी, दृष्टिहीन और विजन रहित₹ करार दिया और कहा कि इस सरकार को अब आंगनवाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं और स्कूल रसोइयों के मानदेय में भी बढ़ोतरी करनी ही पड़ेगी. तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया, ₹बीते 20 सालों में क्या ये मूंगफली छील रहे थे?₹ उन्होंने नीतीश सरकार से पूछा कि क्या वे अब हर चीज़ में सिर्फ उनकी नकल ही करते रहेंगे या कभी खुद की सोच भी अपनाएंगे.

न्यूज अपडेट

बिहार के मानस वर्मा बने सबसे कम उम्र के कोच

नालंदा। जिले के 19 वर्षीय युवा मानस वर्मा ने कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर राज्य और जिले का नाम रोशन किया है. उन्होंने इंटरनेशनल साइंस स्पोर्ट्स एसोसिएशन की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर इंटरनेशनल फिटनेस कोच बनने का गौरव प्राप्त किया है. इस उपलब्धि के साथ वे बिहार के सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल फिटनेस कोच बन गए हैं. मानस वर्मा ने बताया कि इस परीक्षा में फिटनेस विज्ञान, व्यायाम तकनीक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े गहन प्रश्न पूछे जाते हैं. कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की. इंटरनेशनल फिटनेस कोच बनने के साथ-साथ मानस ने 27 जुलाई को दिल्ली के रोहिणी में आयोजित स्टेट पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. इंडियन पावरलिफ्टिंग फेडरेशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने जूनियर वर्ग के 66 किलोग्राम भारवर्ग में स्क्वायड में 155 किग्रा, बेंच प्रेस में 105 किग्रा और डेडलिफ्ट में 200 किग्रा वजन उठाकर कुल 460 किलोग्राम का भार उठाया.

आक्रोशित ग्रामीणों ने की सड़क पर धान की बुवाई

सहरसा। ज़िले के नौहट्टा प्रखंड के सत्तौर पंचायत में चार साल पहले देवका से बरूवाही तक लगभग 24 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण का शिलान्यास सांसद और विधायक ने बड़े समारोह के साथ किया था, लेकिन आज तक यह सड़क अधूरी और बदहाल पड़ी है. ग्रामीणों का आरोप है कि काग़ज़ों पर निर्माण पूरा दिखाकर करोड़ों रुपये की बंदरबांट की गई है. हद तो तब हो गई जब सड़क पर धान की बुवाई कर लोगों ने प्रशासन और सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया. उनका कहना है कि विकास के नाम पर लूट हुई है और आम जनता को सिर्फ कीचड़ और गड्ढों वाली राहें मिली हैं. जर्जर सड़कों से गुजरना ग्रामीणों के लिए किसी सज़ा से कम नहीं. ग़ुस्साए लोगों ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंका और चेतावनी दी कि अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन करेंगे. स्थानीय लोगों का कहना है कि नेताओं को सिर्फ वोट की चिंता है, काम करने की नहीं. थक-हार कर अब ग्रामीण खुद सड़क मरम्मत का बीड़ा उठा चुके हैं. उन्होंने कहा, ₹हमारे पैसों से घोटाला हुआ और अब हम अपनी मिट्टी से सड़क बनाएंगे.₹ यह मामला स्थानीय प्रशासन की लापरवाही और विकास योजनाओं में गहराए भ्रष्टाचार की खुली बानगी पेश करता है.

राजद विधायक पर धमकी मामले में जांच तेज

पटना। जिले के मनेर से राजद विधायक भाई वीरेंद्र यादव की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. पंचायत सचिव को धमकी देने के मामले में पुलिस जांच ने रफ्तार पकड़ ली है. वायरल ऑडियो, कॉल डिटेल और पंचायत सचिव संदीप कुमार के बयान—ये तीनों सबूत विधायक के लिए गले की हड्डी बनते दिख रहे हैं. पुलिस ने धमकी वाले कॉल के मोबाइल नंबर की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि वह नंबर किसके नाम पर रजिस्टर्ड है. इसके अलावा, विधायक को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है. पुलिस की जांच टीम जल्द ही विधायक का वॉयस सैंपल लेने की तैयारी कर रही है, ताकि वायरल ऑडियो क्लिप से उसका मिलान किया जा सके. गौरतलब है कि पंचायत सचिव संदीप कुमार ने 26 जुलाई को मनेर में शिकायत दर्ज कराई थी. उनका आरोप है कि विधायक ने उन्हें फोन कर पहले फटकार लगाई और फिर धमकी दी.

रोहतास में अपराधियों ने तीन जगहों पर की गोलीबारी

रोहतास। जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अपराधियों ने खुलेआम गोलीबारी कर हड़कंप मचा दिया. पहली घटना सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जयपुर गांव की है, जहां दरवाजे पर बैठे विक्रम सिंह को अपराधियों ने गोली मार दी. गोली लगने से विक्रम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया. दूसरी घटना काराकाट थाना क्षेत्र के कौपा गांव में हुई. यहां अपराधियों ने रंजीत पासवान पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल रंजीत को इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. तीसरी घटना बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के नदी पुल के पास हुई, जहां पुरुषोत्तम कुमार नामक युवक को अपराधियों ने गोली मारी. घायल युवक को स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. पुलिस ने घटनाओं की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों को जल्द पकड़ने का प्रयास कर रही है.

बिहार में अवैध खनन पर सरकार का बड़ा एक्शन

एसपी और थानेदार भी दायरे में आए, होगी गहन जांच

संवाददाता। पटना

बिहार में अवैध खनन के खिलाफ सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है. अब तक कार्रवाई केवल खनन माफियाओं तक सीमित थी, लेकिन अब इसमें थाना प्रभारी और एसपी भी जांच के दायरे में आ गए हैं. उपमुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी जिले से अवैध खनन, परिवहन या भंडारण की शिकायतें मिलती हैं, तो वहां के पुलिस अधिकारियों की भूमिका की गहन जांच की जाएगी. मंत्री सिन्हा ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने राज्यभर से प्राप्त आंकड़ों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए. बैठक में खनिज राजस्व संग्रहण, बालू घाटों की स्थिति, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, अवैध खनन पर कार्रवाई, ऑनलाइन रिटर्न दाखिल करने की स्थिति और खनिज लेवी सहित पर्यावरणीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में यह भी बताया गया कि राज्य में 463 बालू घाटों की नीलामी के लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है, जिनमें से 316 घाटों की सफलतापूर्वक नीलामी हो गई है. शेष 147 घाटों की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं. इसके अलावा, मंत्री ने रेल मार्ग से पत्थर आयात करने वाले मध्यम भंडारण लाइसेंसधारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए तीन सदस्यीय समिति गठन की घोषणा की. सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि खनिज संसाधनों का संरक्षण और नियमन सर्वोच्च प्राथमिकता है.

'हम' पार्टी के अध्यक्ष संतोष सुमन ने मुकेश सहनी को लेकर कहा

एनडीए में आना चाहें, तो स्वागत होना चाहिए

शुभम संदेश। पटना

बिहार की सियासत क्या होगा कुछ कहा नहीं जा सकता है. महागठबंधन के साथ चल रहे विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी को लेकर एक बड़ा सियासी उलटफेर संभवना नजर आ रही है. हालिया घटनाक्रम और राजनीतिक बयानों ने इस संभावना को और बल दिया है कि मुकेश सहनी एक बार फिर एनडीए में वापसी कर सकते हैं. दरअसल, बीते दिन मुकेश सहनी ने एक ट्वीट कर बड़ा ऐलान किया. उन्होंने लिखा, ₹विकासशील इंसान पार्टी, 2025 में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, शेष सभी सीटों पर हमारे सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे.₹ उनके इस बयान के बाद महागठबंधन के भीतर असंतोष और खींचतान की स्थिति

उत्पन्न हो गई है. वहीं, एनडीए की ओर से उन्हें फिर से गठबंधन में शामिल होने का संकेत दिया जा रहा है.

सबसे अहम बयान बिहार सरकार में मंत्री और 'हम' पार्टी के अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन का आया है. उन्होंने सहनी को खुले दिल से एनडीए में शामिल होने का न्यौता देते हुए कहा, ₹मुकेश सहनी अब उस गठबंधन से ऊब चुके हैं, जहां उन्हें अपेक्षित सम्मान और अवसर नहीं मिल रहा है. अगर वे एनडीए में आना चाहें, तो उनका स्वागत होना चाहिए.₹ सुमन ने यह भी कहा कि निषाद समुदाय, जो मुकेश सहनी का सामाजिक आधार है, अब तेजी से एनडीए की विकासोन्मुखी विचारधारा से जुड़ रहा है. ऐसे में सहनी को भी उसी राह पर चलना चाहिए. राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह बयान केवल व्यक्तिगत आमंत्रण नहीं है, बल्कि 2025 के चुनाव में निषाद वोट बैंक को साधने की रणनीति का हिस्सा है.

ज्ञात हो कि मुकेश सहनी खुद को ₹सन ऑफ मल्लाह₹ कहते हैं और निषाद समुदाय में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है. एनडीए यदि उन्हें फिर से साथ लाता है, तो यह समुदाय एक बार फिर भाजपा और सहयोगी दलों के पक्ष में गोलबंद हो सकता है. वर्तमान में मुकेश सहनी महागठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन उनके हालिया रुख और सीटों की संख्या को लेकर दावे ने साफ कर दिया है कि वे विकल्प खुले रखे हुए हैं. 2022 में उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ विपक्ष का रुख किया था, पर अब जब विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, तो एनडीए की ओर से उन्हें दोबारा साथ लाने की कवायद शुरू हो गई है.

कारोबार

आईएफएल इंटरप्राइजेज लि के शेयर में तेज उछाल

नयी दिल्ली। एग्री कमोडिटी एक्सपोर्ट-इंपोर्ट कंपनी, आईएफएल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (बीएसई – 540377) के शेयर आज सुबह बीएसई में अपर सर्किट पर बंद हुए. कंपनी के हालिया वित्तीय नतीजों ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया और शेयर की कीमत में तेज वृद्धि देखी गई, हालांकि इसका शेयर मूल्य अभी भी एक रुपये से कम है. कंपनी ने 30 जून को समाप्त पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम कल घोषित किए, जिनमें जबरदस्त उछाल दर्ज हुआ है. चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 33.41 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 118.5% अधिक है. पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 15.29 करोड़ रुपये था. इसके साथ ही, कंपनी का शुद्ध लाभ भी काफी बेहतर हुआ है. इस तिमाही में शुद्ध लाभ 5.15 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह मात्र तीन लाख रुपये था. यदि पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही से तुलना करें, तो शुद्ध लाभ में 69.41% की वृद्धि हुई है, क्योंकि उस दौरान कंपनी का मुनाफा 3.04 करोड़ रुपये था.

आईएमएफ ने बढ़ाई भारत की आर्थिक विकास दर की संभावना

2025-26 में 6.4% की तेजी बनी रहेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक विकास दर का अपना अनुमान बढ़ा दिया है. आईएमएफ के ताजा वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2025 और 2026 में 6.4% की दर से बढ़ने की उम्मीद है. इससे पहले अप्रैल में आईएमएफ ने भारत की विकास दर क्रमशः 6.2% और 6.3% रहने का अनुमान जताया था. यह सुधार वैश्विक और बाहरी आर्थिक परिस्थितियों में सुधार को दर्शाता है. आईएमएफ ने कहा है कि भारत अगले दो वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा. इसके विपरीत, चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 4.8% और 2026 में 4.2% रहने का अनुमान है. वहीं, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2025 में

1.9% और 2026 में 2.0% की दर से बढ़ेगी. आईएमएफ ने अमेरिका में ₹वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट₹ के लागू होने से थोड़ी तेजी की संभावना जताई है. आईएमएफ ने यह भी बताया कि भारत को बाहरी स्थिरता का लाभ मिल रहा है, जिससे आर्थिक गतिविधियां मजबूत हो रही हैं. इसके अलावा, वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के अनुसार भारत की विकास दर 2025 के लिए 6.7% और 2026 के लिए 6.4% रहने का अनुमान है. उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत के साथ-साथ चीन और इंडोनेशिया भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं. वैश्विक स्तर पर आईएमएफ ने 2025 में वैश्विक आर्थिक विकास दर 3.0% और 2026 में 3.1% रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले के अनुमान से थोड़ा अधिक है. हालांकि, यह अभी भी कोरोना महामारी से पहले के 3.7% के स्तर से कम है. आईएमएफ ने बताया कि इस सुधार के पीछे अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने, बेहतर वित्तीय स्थितियों और टैरिफ के कम प्रभाव रहने जैसे कारण हैं.

आईएमएफ ने यह भी बताया कि अप्रैल में अमेरिका ने जो टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की थी, उसकी तुलना में वास्तव में कम टैरिफ लगाए गए हैं. इससे वैश्विक व्यापार पर नकारात्मक प्रभाव कम पड़ा है. इसके अलावा, कुछ देशों में सरकारों ने खर्च बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है. हालांकि, आईएमएफ ने आर्थिक जोखिमों के प्रति चेतावनी भी जारी की है. यदि टैरिफ दरें पुनः बढ़ती हैं या वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती है, तो इससे विकास दर कमजोर हो सकती है. इसके अलावा, बिना किसी समझौते के टैरिफ बढ़ाने की समय सीमा समाप्त होने से भी आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है. महंगाई की बात करें तो आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि वैश्विक महंगाई दर 2025 में 4.2% और 2026 में 3.6% रहेगी. लेकिन यह दर अलग-अलग देशों में भिन्न होगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में महंगाई दर अभी भी अपने लक्ष्य से ऊपर बनी रहेगी, जबकि अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में यह नियंत्रित रहेगी. वैश्विक व्यापार की मात्रा में भी 2025 में 0.9% की वृद्धि का अनुमान है, लेकिन 2026 में यह 0.6% तक घट सकती है. यह संकेत है कि टैरिफ बढ़ने की आशंका में जो फायदा हुआ था, वह समय के साथ कम हो सकता है. संक्षेप में, आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में मजबूत वृद्धि की राह पर है, जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ-साथ चुनौतियां भी बनी हुई हैं. आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए वैश्विक और घरेलू दोनों स्तरों पर सतर्कता जरूरी होगी.

भारत में चालू चीनी सीजन में उत्पादन में गिरावट

नयी दिल्ली। भारत में चालू चीनी सीजन (अक्टूबर से जुलाई) के दौरान चीनी उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गई है. नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनएफसीएसएफएल) के मुताबिक, अब तक देश में कुल 2.58 करोड़ टन (25.8 मिलियन टन) चीनी का उत्पादन हुआ है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 18.38% कम है. उत्पादन में गिरावट की प्रमुख वजहें गन्ने की उपलब्धता में कमी, खराब मौसम, कीट व रोग का प्रकोप और इथेनॉल उत्पादन में वृद्धि बताई गई हैं. एनएफसीएसएफएल को उम्मीद है कि मौजूदा सीजन के अंत तक कुल उत्पादन लगभग 26.11 मिलियन टन तक पहुंच सकता है, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 31.9 मिलियन टन था. राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में जुलाई तक उत्पादन घटकर 9.27 मिलियन टन रह गया.

टाटा मोटर्स इटली की कंपनी को खरीदने की तैयारी में है

नयी दिल्ली। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की ऑटो कंपनी टाटा मोटर्स इटली की ट्रक निर्माता कंपनी इवेको को 4.5 बिलियन डॉलर में खरीदने जा रही है. यह टाटा ग्रुप की अब तक की दूसरी सबसे बड़ी खरीदारी होगी. इससे पहले टाटा स्टील ने 2007 में कोरस को 12 अरब डॉलर में खरीदा था. वहीं, टाटा मोटर्स का यह ऑटोमोबाइल सेक्टर का सबसे बड़ा सौदा होगा, क्योंकि 2008 में कंपनी ने जगुआर लैंड रोवर को 2.3 बिलियन डॉलर में खरीदा था. टाटा मोटर्स और इवेको के बोर्ड आज इस सौदे को मंजूरी देंगे. इटली के ट्यूरिन में मुख्यालय रखने वाली इवेको की 27.1% हिस्सेदारी टाटा मोटर्स एग्जोर से खरीदेगी. एग्जोर, जो अगनेली परिवार की निवेश कंपनी है, इवेको के वोटिंग अधिकारों का 43.1% रखती है. इसके बाद टाटा मोटर्स अन्य छोटे शेयरधारकों से भी हिस्सेदारी खरीदने के लिए टेंडर ऑफर जारी करेगी. इवेको अपने डिफेंस बिजनेस को अलग कर रही है, जो इस सौदे का हिस्सा नहीं होगा. टाटा ग्रुप को उम्मीद है कि वह Iveco का 100% अधिग्रहण कर लेगा. इस खबर से मंगलवार को इवेको के शेयरों में 7.4% तक की तेजी आई और इस साल कंपनी के शेयर दोगुने से अधिक बढ़ गए हैं, जिससे उसकी बाजार पूंजीकरण 6.15 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है. एग्जोर और इवेको के बोर्ड टाटा मोटर्स के साथ सौदे के पक्ष में हैं क्योंकि अगनेली परिवार की टाटा ग्रुप के साथ घनिष्ठ संबंध रहे हैं. इस खरीदारी से टाटा मोटर्स का अंतरराष्ट्रीय ट्रक व्यवसाय मजबूत होगा और कंपनी वैश्विक स्तर पर अपनी पहुंच और उत्पादन क्षमता बढ़ा सकेगी. यह कदम टाटा ग्रुप के विस्तार और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है.

तैयारी | **रिलायंस इंडस्ट्रीज ला सकती है भारत का सबसे बड़ा आईपीओ**

जियो के 5 प्रतिशत शेयर होंगे बिक्री के लिए

एजेंसी। नयी दिल्ली

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस अपनी टेलीकॉम कंपनी जियो इन्फोकॉम का आईपीओ ला रही है, जिसमें कंपनी पहली बार अपने शेयर आम लोगों को बेचने वाली है. आईपीओ का मतलब है इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग, यानी कंपनी अपने शेयर सार्वजनिक रूप से बेचती है. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस जियो में सिर्फ 5% हिस्सेदारी बेचना चाहती है, जिससे कंपनी को लगभग 6 अरब डॉलर (52,200 करोड़ रुपये) की राशि मिलेगी. अगर यह आईपीओ सफल होता है, तो यह भारतीय इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा

आईपीओहोगा. वर्तमान में यह रिकॉर्ड हुंडई इंडिया के पास है, जिसका आईपीओ पिछले साल 28,000 करोड़ रुपये का था.

रिलायंस इस आईपीओ के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से बातचीत कर रही है. सेबी के नियमों के अनुसार, कंपनी को कम से कम 25% शेयर आम जनता को बेचने होते हैं, लेकिन रिलायंस का तर्क है कि बाजार में इतनी बड़ी मात्रा में शेयर खरीदने वाले निवेशक मौजूद नहीं हैं. इस आईपीओ से बड़ी टेक कंपनियों को भी लाभ होगा, जैसे मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक) और अल्फाबेट इंक (गूगल), जिन्होंने 2020 में रिलायंस के डिजिटल कारोबार में 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया था. उस समय जियो प्लेटफॉर्म्स की वैल्यू 58 बिलियन डॉलर आंकी गई थी. जियो प्लेटफॉर्म्स में रिलायंस का डिजिटल और टेलीकॉम कारोबार शामिल है.

हालांकि, कुछ समय पहले रॉयटर्स ने खबर दी थी कि रिलायंस इस साल जियो का आईपीओ नहीं लाएगी. जानकारों का मानना है कि जियो की वैल्यू अब 100 बिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच चुकी है. कंपनी चाहती है कि आईपीओ से पहले उसकी कमाई और ग्राहक संख्या बढ़े, साथ ही डिजिटल कारोबार को भी विस्तार दिया जाए ताकि वैल्यू और अधिक बढ़ सके. अब सबकी नजरें रिलायंस की अगली एजीएम मीटिंग पर टिकी हैं, जिसमें कंपनी के कामकाज और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होगी. एजीएम की तारीख अभी घोषित नहीं हुई है, लेकिन अगस्त में होने की उम्मीद जताई जा रही है.

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एजीएम में जियो की लिस्टिंग को लेकर सभी की निगाहें रहेंगी. हालांकि कुछ देरी की खबरें भी आ रही हैं, लेकिन संभावना है कि सेबी आईपीओ नियमों में बदलाव कर जियो को लाभ पहुंचाए. 2025 की शुरुआत में रिलायंस के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन पहली तिमाही के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे.

पेज एक का शेष

रूस में 8.8 तीव्रता के भूकंप से हिली दुनिया...

प्रशांत महासागर और ओखोत्सक सागर क्यों हैं खतरनाक?: प्रशांत महासागर और उसका हिस्सा ओखोत्सक सागर दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में आते हैं. यहां कुछ कारण हैं कि ये इतने खतरनाक हैं...

टेक्टोनिक प्लेट्स की हलचलः प्रशांत महासागर में प्रशांत प्लेट, उत्तरी अमेरिकी, दक्षिण अमेरिकी और यूरेशियन प्लेट्स एक-दूसरे से टकराती हैं. ओखोत्सक सागर के पास कुरील-कामचटका ट्रेंच है, जो 9600 मीटर गहरा है और भूकंप का केंद्र है. यह टकराव भूकंप और सुनामी का कारण बनता है.

सुनामी की तेज गतिः गहरे समुद्र में सुनामी की लहरें 800 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती हैं, जो एक जेट विमान की गति के बराबर है. तट के पास पहुंचकर ये लहरें धीमी हो जाती हैं (20-30 किमी/घंटा), लेकिन उनकी ऊंचाई बढ़ जाती है.

ऐतिहासिक तबाहीः 2004 का हिंद महासागर सुनामी (9.1 तीव्रता) और 2011 का तोहोकु भूकंप (9.0 तीव्रता) प्रशांत रिंग ऑफ फायर की ताकत को दिखाते हैं. 2004 में 14 देशों में 2,27,898 लोग मारे गए थे. 2011 में जापान में 18,000 से ज्यादा मौतें हुईं. ओखोत्सक सागर में भी 1952 का कामचटका भूकंप (9.0 तीव्रता) एक बड़ा उदाहरण है, जिसने भारी तबाही मचाई थी.

ज्वालामुखी और भूस्खलनः प्रशांत महासागर और ओखोत्सक सागर में ज्वालामुखी और भूस्खलन भी सुनामी पैदा कर सकते हैं. 1958 में अलास्का के लितुया बे में भूस्खलन से 524 मीटर ऊंची सुनामी लहर उठी थी.

जलवायु परिवर्तन का प्रभावः ओखोत्सक सागर में जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है, जो वैश्विक औसत से तीन गुना तेज है. इससे बर्फ का निर्माण कम हो रहा है, जो समुद्री जीवन और सुनामी की गतिशीलता को प्रभावित करता है.

भारत पर प्रभावः भारतीय राष्ट्रीय समुद्र सूचना सेवा केंद्र ने पुष्टि की है कि इस भूकंप से भारत या हिंद महासागर क्षेत्र में कोई सुनामी खतरा नहीं है. फिर भी, भारत के तटीय इलाकों में भूकंप और सुनामी के लिए तैयार रहना जरूरी है, जैसा कि 2004 के हिंद महासागर सुनामी ने दिखाया था.

संसद में लफ्फाजी के बीच आक्रामक शब्दों ...

तो फिर जब भारतीय जांबाज सैनिक युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ रहे थे, विजय प्राप्त ही करने वाले थे, तब एकाएक युद्धविराम हुआ ही क्यों? क्या एक डीजीएमओ के कहने पर युद्धविराम करना उचित था? मोदी ने अपने भाषण में एक बार भी यह क्यों नहीं कहा कि ट्रंप एक नंबर के झूठे हैं और युद्ध रुकवाने वाली बात भी सफेद झूठ है. भाजपा के एक कट्टर समर्थक ने अपने वीडियो में कहा भी कि जब हम विजयश्री का वरण करने के लिए आगे बढ़ रहे थे, तभी जैसे इमरजेंसी ब्रेक लगा दिये गए हों और युद्ध को रोक दिया गया. यह मुझे सालों-साल तक खलेगा कि हम पीओके ले सकते थे, पाकिस्तान को उसके ही घर में मात दे सकते थे, लेकिन हमने ऐसा किया नहीं. भाजपा और उसकी एक सहयोगी पार्टी के विधायकों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि हम लोग पीओके ले ही लेते, अगर फैसला सही होता और ट्रंप का फैक्टर बीच में न आया होता.

न्यूज अपडेट

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मोक्षित कॉर्पोरेशन के ठिकानों पर छापेमारी

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं आर्थिक अपराध अन्वेषण विंग (ईओडब्ल्यू) की संयुक्त टीम ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग में बड़ी कार्रवाई की है. टीम ने बुधवार को मोक्षित कॉर्पोरेशन के दुर्ग स्थित 3 आवासीय परिसरों और उनके कार्यालय पर छापा मारा है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस बड़ी कार्रवाई में 24 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं. छापे की कार्रवाई के दौरान ईडी की टीम के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी बड़ी संख्या में सुरक्षा के लिहाज से मौके पर मौजूद हैं. यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) में हुए 650 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है.

वायनाड हादसे के पीड़ितों का कर्ज माफ करे केंद्र : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड क्षेत्र में पिछले साल हुए हादसे पर केंद्र सरकार के रवैये पर सवाल उठाया है. उन्होंने कहा कि एक साल बाद भी वायनाड हादसे के पीड़ित लोग संघर्ष कर रहे हैं. यह बेहद दुखद है कि सरकार ने पीड़ितों के लिए भेजी गई सहायता को ऋण के रूप में भेजा. पीड़ितों का कर्ज माफ किया जाना चाहिए. प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, ₹वह लोग उस ऋण को कैसे चुकाएंगे? केंद्र सरकार के लिए यह एक छोटी सी राशि है, प्रधानमंत्री को यह पैसा माफ कर देनी चाहिए.₹ प्रियंका ने कहा कि वह संसद में चल रही बहस के कारण वायनाड नहीं पहुंच सकीं, लेकिन उन्होंने वहां के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं.

127 साल बाद भारत लौटी भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां

नयी दिल्ली। भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां 127 वर्षों के बाद भारत वापस लौट आई हैं. इस ऐतिहासिक पल की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी. उन्होंने कहा कि यह हर भारतीय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है. प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा- हर भारतीय को गर्व होगा कि भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां 127 साल बाद फिर भारत लौट आई हैं. ये अस्थियां भारत और भगवान बुद्ध के बीच गहरे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों को दर्शाती हैं. यह हमारी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण और सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है. बता दें कि पिपरहवा उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है. वर्ष 1898 में यहां की गई खुदाई में भगवान बुद्ध की अस्थियां प्राप्त हुई थीं.

तिथि बढ़ाः अब 15 अगस्त तक कर सकेंगे पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन

नयी दिल्ली। इस वर्ष के पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/अनुमोदन जमा करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त, कर दी गई है. गृह मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/अनुमोदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी. गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन/अनुमोदन इस वर्ष की प्रक्रिया इस वर्ष 15 मार्च से चल रही थी, जो गुरूवार (31 जुलाई) को समाप्त होने वाली थी. पद्म पुरस्कार, अर्थात- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं.

सपा कार्यकर्ताओं ने मौलाना साजिद रशीदी को मारा थप्पड़

नोएडा। सेक्टर 126 थाना क्षेत्र स्थित एक निजी न्यूज चैनल के स्टूडियो में उस समय हंगामा हो गया, जब ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी को समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं ने थप्पड़ मार दिया. यह घटना एक टीवी डिबेट शो के बाद हुई, जिसमें मौलाना ने सपा सांसद डिंपल यादव के मस्जिद में पहनावे को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. मौलाना ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम समाप्त होते ही दो-तीन युवक मंच पर आए और उन्हें बिना किसी बात के पीटना शुरू कर दिया. कुछ लोगों के बीच-बचाव करने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए. मौलाना ने इस संबंध में नोएडा के थाना सेक्टर 126 में शिकायत दर्ज कराई है.

मणिपुर दौरे पर पहुंचे भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी

इम्फाल। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मणिपुर का एक दिवसीय दौरा किया, जिसमें उन्होंने राज्य की वर्तमान सुरक्षा स्थिति और सेना की परिचालन तत्परता की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने असम राइफल्स और सेना के जवानों से मुलाकात की और जमीनी हालात की जानकारी ली. गुवाहाटी स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, सेना प्रमुख को राज्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. जनरल द्विवेदी ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जवानों के अनुशासन, धैर्य और समर्पण की सराहना की. दौरे के दौरान सेना प्रमुख ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से शिष्टाचार भेंट की. इस बैठक में राज्य की सुरक्षा और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई.

वाराणसी की मुस्लिम महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी को भेजी राखी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर मुस्लिम महिलाओं ने खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राखियां भेजी हैं. मुस्लिम महिलाओं ने ऑपरेशन सिन्दूर के लोगो के साथ सितारा व गोटा आदि से सजाकर यह राखियां अपने हाथों से बनाई हैं. मुस्लिम महिलाओं ने राखी भेज कर प्रधानमंत्री के विरोधियों को स्पष्ट संदेश दिया कि वो मोदी से रिश्तों से बंधी हैं. मुस्लिम महिला फाउंडेशन एवं विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में लमही स्थित सुभाष भवन में जुटी मुस्लिम महिलाओं ने ढोलक की थाप पर प्रधानमंत्री के लिए गीत गाये. फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाज़नीन अंसारी ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को घुटने पर लाकर बहन बेटियों का सिन्दूर उजाड़ने वालों को सबक सिखाया. कहा कि सिन्दूर की कीमत एक भाई से बढ़कर और कौन जान सकता है, जो हर कीमत पर अपनी बहन के सम्मान और उसके सिन्दूर की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देता है. सिन्दूर भारत की महान संस्कृति, परम्परा और उच्च चरित्र का प्रतीक है. नाजनीन ने कहा कि जो भारत की संस्कृति को मानता ही नहीं, जिनके घरों में सिन्दूर का सम्मान नहीं है, ऐसे लोग इसका विरोध करके पाकिस्तान को लाभ पहुचायेंगे. ऑपरेशन सिन्दूर का विरोध करना राष्ट्रद्रोह है. सेना से गोपनीय बातों को पूछना दुश्मनों को लाभ पहुंचाने की तरह है. विशाल भारत संस्थान की राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अर्चना भारतवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की लाज रखी. जिन्होंने सिन्दूर उजाड़ा था, उनको दोजख में भेज दिया. प्रधानमंत्री एक भाई की तरह बहनों का ख्याल रखते हैं.

भारत ने बहाल किए सीरिया से राजनयिक संबंध, कूटनीति पर चर्चा

अल-जोलानी सरकार से बढ़ाया सहयोग

एजेंसी। दमिश्क

भारत ने सीरिया की नई सरकार के साथ अपने डिप्लोमेटिक संबंध बहाल कर लिए हैं. इस ऐतिहासिक पहल के तहत भारत के विदेश मंत्रालय के पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के ज्वाइंट सेक्रेटरी सुरेश कुमार ने दमिश्क में सीरियाई विदेश मंत्री असद हसन अल-शिबानी से मुलाकात की. यह भारत की तरफ से सीरिया की नई सरकार के साथ पहली आधिकारिक बातचीत मानी जा रही है. भारतीय प्रतिनिधिमंडल और सीरियाई अधिकारियों के बीच हुई इस बैठक में दोनों देशों के बीच रिश्तों को गहरा करने, आपसी हितों को मजबूत करने और कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई. खासतौर पर स्वास्थ्य सहयोग, दवा निर्यात, चिकित्सा प्रशिक्षण, नर्सिंग एवं फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया.

सीरिया में दिसंबर 2024 में बशर अल-असद की सरकार का पतन हो गया था, जिसके बाद अहमद अल-शरा, जिन्हें अल-जोलानी के नाम से भी जाना जाता है, ने देश पर नियंत्रण कर लिया.

अल-जोलानी का नाम पहले अल-कायदा और आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी गतिविधियों में उभर कर सामने आया था, लेकिन अब वे देश के राष्ट्रपति बन चुके हैं. पश्चिमी देशों सहित कई अन्य देशों ने भी अब तक अल-जोलानी की सरकार को मान्यता नहीं दी थी. हालांकि, हाल ही में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के रियाद में अल-जोलानी से मुलाकात की थी, जो एक बड़ा राजनीतिक संकेत माना गया था. इसके बाद भारत ने भी अपनी कूटनीतिक रणनीति में बदलाव करते हुए नई सरकार के साथ संबंध स्थापित किए हैं.

भारत ने दशकों से सीरिया के साथ पारंपरिक तौर पर दोस्ताना संबंध बनाए रखे हैं. पूर्व में असद सरकार के साथ भारत के संबंध अच्छे रहे, लेकिन भारत ने सीरिया के आंतरिक संघर्ष में किसी भी पक्ष के साथ खुलकर गठबंधन करने से बचा. भारत ने सीरिया में किसी भी फाड़ को बढ़ावा नहीं दिया और इस विवाद में तटस्थता बनाए रखी. भारत ने लंबे समय तक गोलान हाइट्स को लेकर सीरिया का पक्ष लिया है, जो इजरायल के नियंत्रण में है. इस मुद्दे पर भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह क्षेत्र सीरियाई संप्रभुता का हिस्सा है. बदले में, असद सरकार ने कश्मीर मुद्दे पर भारत का समर्थन किया और कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बताया. अब सवाल यह उठ रहा है कि नई सरकार का कश्मीर मुद्दे पर क्या रुख होगा, खासतौर पर जब इसका नेतृत्व ऐसे व्यक्ति कर रहे हैं जिनका नाम पहले आतंकी संगठनों से जुड़ा रहा है. इसके बावजूद भारत ने इस नई सरकार के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, जिससे यह संकेत मिलते हैं कि भारत अपनी रणनीति में दक्षिण एशिया से बाहर पश्चिम एशिया में भी अपनी उपस्थिति और प्रभाव बढ़ाना चाहता है.

मुलाकात में सीरियाई स्वास्थ्य मंत्री मुसाब अल-अली से भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बातचीत की. दोनों पक्षों ने युद्ध से जर्जर हुई सीरियाई स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को पुनर्जीवित करने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई. भारत ने दवा निर्यात बढ़ाने, सीरियाई डॉक्टरों के लिए चिकित्सा प्रशिक्षण, नर्सिंग और फार्मा इंडस्ट्री में सहयोग जैसे विषयों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की. सीरिया में चल रहे लंबे युद्ध ने स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह से प्रभावित किया है. यहां की स्वास्थ्य सेवाएं न केवल अवसंरचना की कमी से जूझ रही हैं, बल्कि वित्तीय और मानव संसाधन की कमी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है.

भारत की मदद से सीरियाई स्वास्थ्य सेवा को पुनर्निर्मित करने का प्रयास दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा. यह पहली बार है जब भारत ने सीरिया की नई सरकार के साथ इतनी निकटता दिखाई है. इससे भारत की पश्चिम एशिया में बढ़ती महत्वाकांक्षा और कूटनीतिक सक्रियता का पता चलता है. भारत ने अब तक इस क्षेत्र में अपनी भूमिका सीमित रखी थी, लेकिन इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि भारत इस जटिल क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है.

भारत की यह नीति न केवल सीरिया के साथ बेहतर रिश्ते स्थापित करने पर केंद्रित है, बल्कि इससे भारत को क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा में भी भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा. भारत इस क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग और आर्थिक साझेदारी को लेकर भी सक्रिय है. सीरिया की नई सरकार के साथ भारत का यह कदम नई राजनीतिक और कूटनीतिक युक्ति का संकेत है. अल-जोलानी की सरकार से जुड़ने का मतलब है कि भारत मध्य पूर्व में अपनी रणनीति को न केवल टिकाऊ बनाना चाहता है, बल्कि वहां की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के साथ तालमेल भी बैठाना चाहता है. भारत की इस नीति का असर न केवल भारत-सीरिया संबंधों पर पड़ेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र की राजनीति में भी इसका अहम योगदान होगा. आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि कश्मीर सहित अन्य संवेदनशील मुद्दों पर नई सीरियाई सरकार का रुख क्या होगा और भारत अपनी नई रणनीति के तहत किस तरह से क्षेत्रीय शांति एवं विकास में योगदान देगा.

ईरान ने वार्ता में हस्तक्षेप के ट्रंप के दावे को किया खारिज

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान ने इजराइल और हमास के बीच गाजा संघर्षविराम वार्ता में हस्तक्षेप किया है. ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बघई ने मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में इस आरोप को "पूरी तरह निराधार" बताया. यह बयान उस वक्त आया जब ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री किअर स्टारमर के साथ मुलाकात के दौरान दावा किया कि "मुझे लगता है कि ईरान ने इस वार्ता में हस्तक्षेप किया है, हमास को इशारे और आदेश दिए जा रहे हैं." हालांकि ट्रंप ने इस आरोप के समर्थन में कोई ठोस प्रमाण नहीं दिया. इसी के जवाब में बघई ने कहा, "यह आरोप केवल अमेरिका की उस भूमिका से ध्यान भटकाने का प्रयास है, जो उसने इजराइल के फिलीस्तीनी जनता के खिलाफ किए गए 'अत्याचारों' में निभाई है." उन्होंने कहा कि हमास के वार्ताकार "गाजा की जनता के हितों को पहचानने और उनका पालन करने में पूरी तरह सक्षम हैं, उन्हें किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है.

कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक को बताया 'बांग्लादेशी'

पुणे। चंदननगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां कारगिल युद्ध में लड़ चुके पूर्व सैनिक हकीमुद्दीन शेख के परिवार पर शनिवार देर रात कुछ हिंदुत्ववादी संगठन के लोगों ने कथित रूप से हमला किया. पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावर जबरन उनके घर में घुसे और नागरिकता साबित करने के लिए आधार कार्ड दिखाने को कहा. पुणे में रहने वाले हकीमुद्दीन के भाई इरशाद शेख ने बताया कि देर रात कुछ अज्ञात लोग उनके घर का दरवाजा खटखटाकर अंदर घुस आए और आधार कार्ड की मांग की. जब उन्होंने पहचान पत्र दिखाए, तो उन्हें फर्जी बताकर परिवार को 'बांग्लादेशी' कहा गया. इरशाद शेख ने दावा किया कि उन्होंने समझाने की कोशिश की कि उनका परिवार दशकों से पुणे में रह रहा है और उनके बड़े भाई हकीमुद्दीन शेख भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं. उनके दो चाचा भी सेना में रह चुके हैं. इरशाद ने आरोप लगाया कि हमलावर 'जय श्री राम' के नारे लगा रहे थे और उन्हें जबरन पुलिस स्टेशन चलने के लिए मजबूर कर रहे थे.

मेघालय विस से कांग्रेस का सफाया, रोनी एनपीपी में

शिलॉन्ग। मेघालय में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. राज्य विधानसभा में कांग्रेस के एकमात्र बचे विधायक रोनी वी लिंगदोह ने भी पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) का दामन थाम लिया है. माइलीम निर्वाचन क्षेत्र से विधायक लिंगदोह ने विधानसभा अध्यक्ष थॉमस ए संगमा को पार्टी बदलने संबंधी पत्र सौंपा और बुधवार को एनपीपी में शामिल हो गए. वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी. हालांकि, समय के साथ उसके विधायक पार्टी छोड़ते गए. इनमें से एक विधायक सलेंग ए संगमा तुरा से लोकसभा चुनाव जीतकर संसद चले गए. वहीं, तीन अन्य विधायक—सेलेस्टाइन लिंगदोह (उमसनिंग), गेब्रियल वाह्लांग (नोंगस्टोइन), और चार्ल्स मार्नगर (मावहती)—ने 19 अगस्त 2024 को एनपीपी की सदस्यता ले ली थी. उनके दलबदल को विधानसभा अध्यक्ष ने दलबदल विरोधी कानून के तहत मान्यता दी थी.

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब बैन

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने बड़ा फैसला करते हुए 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में यूट्यूब को भी शामिल किए जाने की घोषणा की है. इससे पहले यूट्यूब को इस नियम से छूट हासिल थी लेकिन सरकार ने अब इसे बदल दिया है. हालांकि यूट्यूब किड्स इससे मुक्त रहेगा. नया नियम 10 दिसंबर से लागू होगा. ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अपने ताजा आदेश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब को बैन कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, स्नैपचैट और एक्स के इस्तेमाल पर पाबंदी है. इस सूची में यूट्यूब को भी शामिल किया गया है. सरकार ने इसे लेकर गाइड लाइन जारी करते हुए कहा है कि अगर 16 साल से कम उम्र के बच्चों का यूट्यूब अकाउंट मिला या बच्चों ने कोई सोशल मीडिया अकाउंट सबसक्राइब किया तो कानूनी कार्रवाई होगी. बच्चे यूट्यूब किड्स इस्तेमाल कर सकते हैं. यूट्यूब किड्स पर अपलोड कंटेट बच्चों के लिए सुरक्षित है.

बलूचिस्तान में बीएलएफ के हमले में तीन मेजर ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आजादी के लिए संघर्षरत बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने मेजर रैंक के तीन अधिकारियों को मारने का दावा किया है. वहीं, खैबर पख्तूनवा प्रांत के बाजौर जिले में शुरू किए सेना के ऑपरेशन सरबकाफ के तहत कम से कम चार आतंकवादियों को मार गिराने की बात कही जा रही है. बाजौर जिले में तीन दिन का कर्फ्यू लगाकर यह ऑपरेशन शुरू किया गया है. कर्फ्यू का आज दूसरा दिन है. द बलूचिस्तान पोस्ट की बलूची भाषा समाचार सेवा की खबर के अनुसार बीएलएफ के हमले में पाकिस्तान सेना के मेजर रैंक के तीन अधिकारियों की मौत हो गई. झाओ क्षेत्र में बीएलएफ ने सड़क पर अवरोधक खड़ा कर किये गए हमले में मेजर सैयद रबनवाज तारिक अवारन मारे गए. इसके अलावा मेजर अनवर काकर शाल के जबल नूर के पास बीएलए के एसटीओएस दस्ते के बम हमले में मारे गए. मस्तुंग के पहाड़ी इलाके में बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों और पाकिस्तान के सैनिकों के बीच झड़प में मेजर सलीम समेत कई अधिकारी मारे गए.

ऑनलाइन जुए पर राष्ट्रीय कानून की मांग तेज

एजेंसियां। नयी दिल्ली

देशभर में तेजी से फैल रहे ऑनलाइन जुए (रियल मनी गेमिंग) के कारण हजारों करोड़ रुपये की लूट और लाखों परिवारों के बर्बाद होने की घटनाएं सामने आ रही हैं. इस गंभीर विषय पर नियंत्रण हेतु हिंदू जनजागृति समिति के 'सुराज्य अभियान' द्वारा गोवा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से भेंट कर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 252 के तहत केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने की मांग की गई. दोनों मुख्यमंत्रियों ने इस प्रस्ताव को केंद्र को भेजने का सकारात्मक आश्वासन दिया है. छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में श्री सुनील घनवट, श्री रणजीत सावरकर सहित कई अन्य प्रतिनिधि शामिल थे. वहीं गोवा में

डॉ. प्रमोद सावंत से मिलने वाले शिष्टमंडल में श्री राजेंद्र देसाई, श्री नारायण नाडकर्णी आदि सम्मिलित थे. दोनों मुख्यमंत्रियों ने इस विषय की गंभीरता को स्वीकारते हुए शीघ्र ही केंद्र को प्रस्ताव भेजने की घोषणा की.

ऑनलाइन जुए से समाज को हो रहे नुकसान के आंकड़े भी चौंकाने वाले हैं. गोवा मेडिकल कॉलेज के अनुसार, 8% मेडिकल छात्रों में गेमिंग की लत पाई गई है, वहीं जीएससीपीसीआर के अनुसार 20% किशोर इस लत के जोखिम में हैं. जून 2025 में एक 19 वर्षीय युवक ने जुए में नुकसान के बाद आत्महत्या कर ली. छत्तीसगढ़ में भी आत्महत्याएं, अवैध ऐप्स का खुलासा और करोड़ों की जब्ती हो चुकी है. ऑनलाइन जुए के प्रचार में फिल्मी सितारों की भागीदारी और 'ड्रिम11' जैसे ऐप्स के जरिए लाखों युवाओं से धोखाधड़ी की घटनाएं चिंता का विषय बन चुकी हैं. केंद्र सरकार ने जीएसटी चोरी के मामले में कई कंपनियों को नोटिस भेजे हैं, जिसमें केवल 'ड्रिम11' पर ही 25,000 करोड़ बकाया है. सुराज्य अभियान का स्पष्ट मत है कि केवल राज्यस्तरीय कानून पर्याप्त नहीं, बल्कि राष्ट्रव्यापी कठोर कानून ही इस संकट का समाधान है. इसके लिए अधिक राज्यों से अनुच्छेद 252 के अंतर्गत प्रस्ताव भेजने की आवश्यकता है

ईडी ने 386 करोड़ रुपए की संपत्तियां लौटाईं

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई आंचलिक कार्यालय ने करनाला नगरी सहकारी बैंक लिमिटेड, पनवेल से जुड़े धनशोधन मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 386 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां एमपीआईडी के सक्षम प्राधिकारी (महाराष्ट्र सरकार द्वारा नियुक्त) को वापस सौंप दी हैं. यह संपत्तियां उन जमाकर्ताओं को वितरित की जाएंगी जिन्होंने इस बैंक में अपना पैसा खो दिया था. यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 5 के तहत की गई, जिसके अंतर्गत ईडी ने उक्त संपत्तियों को 17 अगस्त 2021 और 12 अक्टूबर 2023 को अस्थायी रूप से कुर्क किया था.

परेशानी मध्य प्रदेश में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, गुना में सेना बुलाई गई, लोगों की बढ़ी मुश्किलें

अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश में लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) और दो ट्रफ लाइनों की सक्रियता के कारण भारी बारिश का दौर जारी है. मंगलवार को अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा सहित कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए. सड़कों पर पानी भर गया और रास्ते बंद हो गए. स्थिति को देखते हुए बुधवार को भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर और अशोकनगर में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है.

बारिश के कारण गुना जिले में हालात इतने बिगड़ गए कि राहत एवं बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाना पड़ा. यहां के बमोरी इलाके के कलोरा गांव में डैम का वेस्ट वियर टूट गया,

जिससे डैम ओवरफ्लो हो गया और आसपास के गांवों में पानी भरने की स्थिति बन गई. सेना और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य शुरू कर दिया है. कई निचली बस्तियों में चार फिट तक पानी भर गया है. यहां चचोड़ा क्षेत्र में सबसे अधिक बारिश हुई है. वहीं, म्याना रेलवे अंडर ब्रिज पर बुधवार को भी पानी भरा हुआ है. जिसके कारण गुना-अशोक नगर मार्ग बंद है. भिंड जिले में लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण सिंध, क्वारी और चंबल नदियां बुधवार को भी उफान पर हैं .

विदिशा के ग्यारसपुर में दो बच्चे पानी के तेज बहाव में बह गए, हालांकि उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया. वहीं, विदिशा के नहरयाई गांव में एक कच्चा मकान गिरने से 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई. इटारसी में तवा डैम के 9 गेट खोलकर 1 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है. नर्मदा नदी पर बने ओंकारेश्वर बांध के 14 गेट खोल दिए गए हैं. भोपाल में कोलांस नदी के उफान के चलते बड़ा तालाब तेजी से भर रहा है और शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई है. तवा डैम के पांच गेट 7-7 फीट तक खोल दिए गए.मुरैना में एक सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा ढह गया. दमोह में ब्यारमा नदी के उफान पर आने से एक दंपति गांव में फंस गया, जिन्हें एसडीआरएफ ने सुरक्षित बाहर निकाला. रायसेन के कई कस्बों में पानी भर गया है. शिवपुरी के अधिकांश हिस्से में जलभराव की स्थिति बनी हुई है. राजगढ़ जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से अजनार, नेवज और गाडगंगा सहित अन्य नदियां उफान पर है, वहीं मोहनपुरा डेम का लगातार जलस्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते मंगलवार शाम 17 में से डेम के छह गेट खोले गए.दमोह के ग्राम हिनौती, बर्रट, कोटा, मुआरी, रमगढा, नया गांव, कुंवरपुर, ईमलिया, जमुनिया, सलैया सहित अनेक ग्रामों में बाढ का पानी प्रवेश कर गया है. अनेक ग्रामों का सड़क मार्ग से संपर्क टूट गया है जिसके कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. मध्य प्रदेश में 16 जून को मानसून ने प्रवेश किया था. तब से अब तक औसतन 26.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 9.3 इंच अधिक है. राज्य में औसत सामान्य वर्षा 37 इंच मानी जाती है. राज्य के 8 जिलों– ग्वालियर, शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में इस सीजन में औसत से ज्यादा बारिश हो चुकी है. टीकमगढ़ और निवाड़ी में अब तक 42 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि इंदौर और उज्जैन में सामान्य से काफी कम पानी गिरा है. मंगलवार को प्रदेश के 32 जिलों में बारिश हुई.

वसई-विरार छापेमारीः ईडी ने 1.25 करोड़ जब्त किए

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने वसई-विरार के पूर्व नगर निगम आयुक्त अनिल कुमार पवार के रिश्तेदार के घर से एक करोड़ २५ लाख रुपये नकद, अहम दस्तावेज तथा हार्ड डिस्क बरामद की है. वसई-विरार में किए गए ४१ अनधिकृत निर्माण कार्य से संबंधित ईडी की यह छापेमारी मंगलवार को सुबह ७.०० बजे शुरु की गई थी और १८ घंटे बाद बीती मध्य रात 1.30 बजे छापामार कार्रवाई को बंद किया. इस संबंध में ईडी की टीम ने अब तक कोई अधिकृत ब्योरा नहीं दिया है. सूत्रों ने बुधवार को बताया कि ईडी की टीम ने मंगलवार सुबह 7.30 बजे वसई-विरार नगर निगम (वीवीएमसी) के पूर्व आयुक्त अनिल कुमार पवार के सरकारी बंगले सहित १२ ठिकानों पर छापा मारा था. यह कार्रवाई वसई विरार इलाके में डंपिंग ग्राउंड और अन्य आरक्षित भूखंड पर बनी अवैध इमारतों के निर्माण से जुड़े एक बड़े वित्तीय घोटाले के सिलसिले में की जा रही थी. यह कार्रवाई अनिल पवार के वसई-विरार नगर निगम आयुक्त पद से सेवा मुक्त होने के ठीक एक दिन बाद शुरु की गई थी. 28 जुलाई को अनिल पवार के विदाई समारोह के बाद पवार नगर निगम से सभी दस्तावेज घर ले गए थे. अनिल पवार के विदाई समारोह में आयुक्त आवास पर कुछ निर्माण पेशेवर और ठेकेदार मौजूद थे, इसलिए ईडी की छापेमारी अनिल कुमार सहित उनके रिश्तेदारों और नजदीकियों के यहां भी थी.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.